आज का विचार

अगर आज आप सही हो तो कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है बस सही बने रहो गवाही वक्त खुद दे देगा।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-45 अंक-218 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

अम्बिकापुर, शुक्रवार 26 जून , 2026

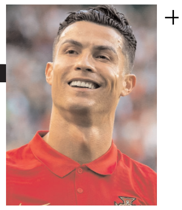

ट्रिप ट्रेलर ऑनर कल्याण संघ ने कोयला ट्रांसपोर्टरों पर शोषण का लगाया आरोप, 28 जून को चक्का जाम की चेतावनी

फीफा विश्व कप 2026: पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को 5-0 से हराया, रोनाल्डो ने दागे 2 गोल

किसानों के हित में बड़ा कदम : दिल्ली में सीएम साय ने नड्डा से की मुलाकात, नैनो यूरिया-डीएपी को मिलेगा बढ़ावा

0 ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं मजबूत करने पर जोर 0 किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के निर्देश 0 केंद्र-राज्य सहयोग से विकास कार्यों को मिलेगी गति

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा से उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान राज्य के जनस्वास्थ्य, चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार, औषधि एवं उर्वरक क्षेत्र सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर मुख्यमंत्री ने दी जानकारी

बैठक में मुख्यमंत्री साय ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता दूरस्थ, ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और अन्य चिकित्सा संस्थानों को मजबूत किया जा रहा है, ताकि लोगों को बेहतर इलाज और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं अपने राज्य में ही उपलब्ध हो सकें।

किसानों के हित में खाद और बीज उपलब्धता पर चर्चा

मुलाकात के दौरान कृषि और उर्वरक क्षेत्र से जुड़े विषयों पर भी बातचीत हुई। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि राज्य सरकार किसानों को खाद और बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी कर रही है।

उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए किसानों को आवश्यक कृषि आदान समय पर उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। सरकार का प्रयास है कि किसानों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

कालाबाजारी और जमाखोरी पर सख्ती के निर्देश

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि खाद वितरण व्यवस्था पर लगातार नजर रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी या किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इसके साथ ही गांव-गांव अभियान चलाकर किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी देने और नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

नैनो यूरिया और नैनो डीएपी को बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार खेती में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए किसानों को इनके फायदे समझाने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों के उपयोग से कृषि उत्पादन क्षमता बढ़ाने, लागत कम करने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने में मदद मिलेगी।

केंद्र और राज्य के बेहतर समन्वय पर जोर

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार भारत सरकार के सहयोग से स्वास्थ्य, कृषि और जनकल्याण के क्षेत्रों में विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य के समग्र विकास के लिए केंद्र और राज्य के बीच बेहतर तालमेल को लगातार मजबूत किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, किसानों के हित में उठाए जा रहे कदमों और जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना की। उन्होंने स्वास्थ्य एवं अन्य विकासात्मक क्षेत्रों में केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

पहला कॉलम

सुकेश चंद्रशेखर मामले में जैकलीन फर्नांडिस को सुप्रीम कोर्ट से झटका, वापस लेनी पड़ी याचिका

नईदिल्ली,25 जून(ए)। अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस को कथित महाठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। कोर्ट के कड़े रुख को देखते हुए अभिनेत्री ने शीर्ष अदालत से अपनी याचिका वापस ले ली है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जोयमल्या बागची की पीठ ने जैकलीन को याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी और साफ किया कि वो अपनी कानूनी लड़ाई निचली अदालत में ही लड़ें।
जैकलिन ने महाठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका वापस ले ली है। 25 जून को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने उनकी मांग स्वीकार कर ली। जैकलीन ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें ईडी की चार्जशीट रद्द करने से इनकार किया गया था। उन्होंने निचली अदालत द्वारा उन पर तय किए गए मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों को भी चुनौती दी थी।

कर्नाटक के कावेरी नदी में सेल्फी लेते समय एक ही परिवार के 5 लोग डूबे

मांड्या,25 जून(ए)। कर्नाटक के मांड्या जिले में बुधवार शाम बड़ा हादसा हो गया। यहां के लोकप्रिय पर्यटन स्थल मुथाथी के पास कावेरी नदी में सेल्फी लेते समय 5 लोग डूब गए। सभी मृतक एक ही परिवार के हैं, जो चन्नापटना के रहने वाले थे। वे मुथाथी में स्थित मुत्तेथराया मंदिर में दर्शन करने आए थे और बाद में नदी तट के पास चले गए। मृतकों में चैत्रा (20), श्वेता (38), विजयम्मा (50), प्रियंका (28) और महेश (30) शामिल हैं।
परिवार ने बेंगलुरु से कार किराए पर लेकर पहले कनकपुरा तालुक के कब्बलू गांव में अपने रिश्तेदारों के घर पर एक कार्यक्रम में गए थे, फिर वे मुथाथी पहुंचे।

खरी-खरी

सिंधु नदी का पानी न मिलने से पाक परेशान, दी युद्ध की धमकी

पासपोर्ट को भारतीय नागरिकता मानने से विदेश मंत्रालय का इनकार, तो क्या है नागरिकता का प्रमाण?

नईदिल्ली,25 जून(ए)। भारत में नागरिकता के प्रमाण को लेकर एक बार फिर तेज बहस शुरू हो गई है। पिछले दिनों, विदेश मंत्रालय ने यह स्पष्ट किया कि पासपोर्ट केवल विदेशी यात्रा और विदेश में कांसुलर सुरक्षा प्राप्त करने का दस्तावेज है, इसे भारतीय नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जा सकता है। इसके बाद सवाल उठने लगे हैं कि अगर पासपोर्ट नागरिकता साबित करने का दस्तावेज नहीं है तो और कौन से दस्तावेज नागरिकता का प्रमाण है? भारत में हर नागरिक के पास उसकी पहचान के तौर पर वोटर-आईडी कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड और पासपोर्ट होता है। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान यह स्पष्ट कर दिया कि वोटर-आईडी नागरिकता का प्रमाण नहीं है। केंद्र सरकार राशन कार्ड को पहले ही मध्यम वर्गीय परिवारों से वापस ले चुकी है। पैन कार्ड नागरिकों का आयकर संबंधित दस्तावेज है और आधार कार्ड भी एक सामाजिक सुरक्षा कार्ड जैसा है।
मंत्रालय पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण नहीं मानता, जबकि पासपोर्ट को नियंत्रित करने वाला कानून पासपोर्ट अधिनियम, 1967 कहता है कि पासपोर्ट धारक एक भारतीय नागरिक है। इसके अलावा, धारा 5 के तहत, पासपोर्ट प्राधिकरण आवेदन पर विचार करने और जांच के बाद ही पासपोर्ट जारी कर सकता है। धारा 6(2)(क) के मुताबिक, प्राधिकरण आवेदक के भारतीय नागरिक न होने पर पासपोर्ट देने से इनकार कर सकता है। यानी पासपोर्ट तभी जारी होगा, जब उसकी नागरिकता से प्राधिकरण संतुष्ट होगा।
यह सवाल काफी पेचिदा है। कई देशों में जन्म लेते ही बच्चों को देश की नागरिकता मिल जाती है, लेकिन भारत में ऐसा नहीं है। फरवरी 2020 में संसद में पूछा गया कि क्या आधार, पासपोर्ट, वोटर- आईडी, पैन कार्ड या जन्म प्रमाणपत्र को नागरिकता का वैध दस्तावेज मान सकता हैं? तब गृह मंत्रालय ने इन सभी को खारिज कर दिया। मंत्रालय ने कहा कि नागरिकता का निर्धारण नागरिकता अधिनियम, 1955 और इसके तहत बनाए गए नियमों से नियंत्रित होता है।
मंत्रालय का कहना है कि नागरिकता जन्म, वंश, पंजीकरण, प्राकृतिककरण या किसी क्षेत्र के विलय के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। यानी भारत में नागरिकता संविधान और नागरिकता अधिनियम, 1955 से प्राप्त होती है। इसलिए भारत में नागरिकता का प्रमाण इस बात पर निर्भर करता है कि नागरिकता किस माध्यम से मिल रही है। यह जन्म प्रमाणपत्र, पासपोर्ट, माता-पिता के रिकॉर्ड, चुनावी रिकॉर्ड, स्कूल प्रमाणपत्र या निवास दस्तावेज पर निर्भर हो सकते हैं।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की नई टीम, राजनाथ सिंह के दूसरे बेटे को बनाया गया उपाध्यक्ष

लखनऊ ,25 जून(ए)। उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की नई टीम का ऐलान हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के दूसरे बेटे नीरज सिंह और समाजवादी पार्टी से बगावत कर-के आई पूजा पाल को उपाध्यक्ष बनाया गया है। नई टीम में कुल 46 लोगों के नाम शामिल हैं। नीरज को यह स्थान उनके भाई पंकज सिंह की जगह मिला है। पार्टी ने कुल 19 उपाध्यक्ष, 8 महामंत्री और 19 लोगों को मंत्री बनाया गया है।
भाजपा ने पश्चिमी प्रदेश का अध्यक्ष नबाब सिंह नागर, ब्रज प्रदेश का पूरन लाल लोधी, कानपुर का राम किशोर साहू, अवध क्षेत्र का अवधेश द्विवेदी, काशी का अशोक चौरसिया और गोरखपुर का विनोद राय को बनाया है। भाजपा युवा मोर्चा का अध्यक्ष रोहित मिश्रा, पिछड़ा मोर्चा का प्रकाश पाल, किसान मोर्चा का देवेन्द्र सिंह, अनुसूचित मोर्चा का अशोक रावत, महिला मोर्चा का सरोज कुशवाह और अनुसूचित जनजाति मोर्चा का विद्याभूषण गोंड को बनाया है।
भाजपा ने पूजा पाल और प्रियंका रावत को उपाध्यक्ष बनाकर बड़ा दांव चला है। प्रियंका पहले महामंत्री थी। उनकी पदोन्नति करके दलित वर्ग का साधा गया है। पूजा कौशांबी जिले के चायल सीट से समाजवादी पार्टी की विधायक हैं।

1.2 करोड़ एससी-ओबीसी छात्रों को बड़ी राहत, छात्रवृत्ति के लिए अब इस डॉक्यूमेंट की नहीं होगी जरूरत

0 स्कॉलरशिप आवेदन में स्थायी निवास प्रमाण पत्र की अनिवार्यता खत्म
0 करीब 1.2 करोड़ छात्रों को इस नियम का लाभ मिलने वाला है
0 प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक दोनों छात्रवृत्ति योजनाओं में लागू होगा नया नियम

नईदिल्ली,25 जून(ए)। केंद्र सरकार ने अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को बड़ी राहत देते हुए छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया को आसान बना दिया है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग वर्ग के लिए संचालित प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप योजनाओं में स्थायी निवास प्रमाण पत्र की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। इस फैसले से देशभर के करीब १.२ करोड़ छात्रों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

निवास प्रमाण पत्र जमा करना जरूरी होता था

अब तक इन छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए आवेदन करते समय स्थायी निवास प्रमाण पत्र जमा करना जरूरी होता था। यह प्रमाण पत्र राज्य सरकार द्वारा जारी किया जाता है, जिससे छात्र के स्थायी पते की पुष्टि होती है। हालांकि इसे बनवाने में छात्रों और उनके अभिभावकों को काफी परेशानी उठानी पड़ती थी, खासकर उन छात्रों को जो पढ़ाई के लिए अपने गृह राज्य या जिले से बाहर रह रहे हैं। ऐसे छात्रों को दस्तावेज बनवाने के लिए घर लौटना पड़ता था, जिससे समय और पैसे दोनों का नुकसान होता था।

बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के लिए राहत

मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, इस बदलाव का उद्देश्य पात्र छात्रों पर दस्तावेजी बोझ कम करना, अनुपालन लागत घटाना और छात्रवृत्ति लाभ तक उनकी पहुंच को आसान बनाना है। शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश के विश्वविद्यालयों में अनुसूचित जाति के १४.२ प्रतिशत और अन्य पिछड़ा वर्ग के ३५.८ प्रतिशत छात्र नामांकित हैं। ऐसे में यह फैसला बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के लिए राहत भरा माना जा रहा है।

छात्रों को पढ़ाई जारी रखने में मदद करती हैं

सरकार की प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रों को पढ़ाई जारी रखने में मदद करती हैं। अनुसूचित जाति छात्रों के लिए यह योजना कक्षा ९वीं से लेकर उच्च शिक्षा और पीएचडी तक लागू है, जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रों के लिए भी प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक दोनों स्तरों पर छात्रवृत्ति उपलब्ध है। ये योजनाएं वरिष्ठ माध्यमिक, आईटीआई, स्नातक, स्नातकोत्तर और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों तक को कवर करती हैं।

राम मंदिर विवाद: सांसद संजय सिंह ने एसआईटी को सौंपे 11 सबूत, बोले-महाघोटाला हुआ

अयोध्या ,25 जून(ए)। अयोध्या के राम मंदिर में चंदे और दान में गड़बड़ी की जांच एसआईटी कर रही है। आज आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह एसआईटी के सामने पेश हुए। उन्होंने राम मंदिर में जमीन घोटाले से जुड़े 11 दस्तावेज एसआईटी को सौंपे। करीब 15 मिनट तक संजय ने एसआईटी के प्रमुख विजय विश्वास पंत से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि अयोध्या में जमीन खरीद में बड़ा घोटाला हुआ है और इसके दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। संजय ने कहा, एक-एक कर सब सामने आ रहा है। पैसे की बरामदगी हो चुकी है, चढ़ावे में चोरी के तमाम सबूत मिल चुके हैं। फिर भी अब तक कोई जेल क्यों नहीं गया? किसी की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? कोई एफआईआर अब तक क्यों दर्ज नहीं हुई? यह बेहद हैरान करने वाली बात है। भगवान श्रीराम के नाम पर अयोध्या में बड़ा घोटाला हुआ है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है। संजय ने कहा, कई जमीनों को पहले कम कीमत पर खरीदा गया और बाद में ट्रस्ट या उससे जुड़े लोगों को कई गुना अधिक कीमत पर बेचा गया। कुछ मामलों में जमीन खरीदने और बाद में ट्रस्ट को बेचने वाले लोगों के बीच एक ही गवाह थे।

महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट, राजस्थान में धूल भरी आंधी की संभावना

नई दिल्ली,25 जून(ए)। महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में हाल ही में मानसून के सक्रिय होने से फिर से बारिश शुरू होने से कुछ राहत मिली है और कई जिलों में बारिश की कमी को कम करने में मदद मिली है. दक्षिण-पश्चिम मानसून, जो लगभग दो हफ्ते से रुका हुआ था, अब फिर से आगे बढ़ गया है. दिल्ली में धूल भरी आंधी ने भीषण गर्मी जैसे हालात से कुछ समय के लिए राहत दी. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, बुधवार शाम को दिल्ली के कुछ हिस्सों में आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई, जिससे गर्मी से बड़ी राहत मिली और तापमान में तेजी से गिरावट आई. हालांकि, दिल्ली में इस महीने बारिश की कमी दर्ज की जा रही है. जून में अब तक शहर में 39.6 मिमी बारिश हुई है, जबकि जून में अब तक सामान्य बारिश 48.3 मिमी होती है. यानी इस साल जून में अब तक सामान्य से 8.7 मिमी या 18 प्रतिशत कम बारिश हुई है. आईएमडी के अनुमान के अनुसार, गुरुवार को कुछ जगहों पर बादल छाए रहने और गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की आशंका है. कम से कम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है, जबकि ज्यादा से ज्यादा तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है. पूर्वोत्तर देश का सबसे अधिक बारिश वाला इलाका बना हुआ है और आगामी हफ्ते में यहां सबसे ज्यादा बारिश होने की उम्मीद है. मौसम विभाग ने 25 से 28 जून तक जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड में भारी बारिश का अनुमान लगाया है. आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है. इन इलाकों में गरज के साथ बारिश और तूफानी हवाएं चल सकती हैं, जिनकी रफ्तार 40-50 किमी प्रति घंटा से 60 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है. मौसम विभाग के मुताबिक, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है, साथ ही गरज के साथ बारिश, बिजली कड़कने और तेज हवाएं चलने की संभावना है. विदर्भ क्षेत्र को गर्मी की स्थिति से राहत मिलेगी क्योंकि इस क्षेत्र के कई हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है. मध्य महाराष्ट्र में 26 जून तक बिजली कड़कने, तेज हवाओं और मध्यम से भारी बारिश के साथ आंधी-तूफान देखने को मिलेगा.

पश्चिमी तट सबसे अधिक सक्रिय मानसून वाले इलाकों में से एक है, केरल, कर्नाटक, गोवा और आस-पास के तटीय इलाकों में 25-26 जून के दौरान अच्छी बारिश जारी रहने की उम्मीद है.

इलाज में सबसे सस्ता व्यवस्था में सबसे अच्छा

तेज डायग्नोस्टिक / ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर

श्वास,छाती,एलर्जी,एव टी.बी.रोग विशेषज्ञ
ब्रोंकोस्कोपी की सुविधा उपलब्ध :-
- श्वांस लेते समय सीने से सीटी जैसी आवाज आना।
- खासी में खून आना।
- रात को सांस लेने में तकलीफ होना।
- बार-बार सर्दि-जुकाम होना या छिंक आना।
- धूल एवं धुंआ से बेचैनी एवं एलर्जी होना
- छाती में दर्द एवं भारीपन लगना एवं श्वांस फूलना।
- सोते समय खराटे आना, सुबह में भारीपन रहना,
- रात में नींद की तकलीफ,दोपहर में काफी नींद आना इत्यादी।

डॉ. रोशन वर्मा
MD (T.B. & RESPIRATORY DISEASEAS)

28 जून 2026, माह के चौथे रविवार

अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करे
07774222555, 9425583780, 9826183780, 8224007799
8718003300, 6262639090

आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जॉच की सुविधा उपलब्ध

पहला कालम

एनसीडब्ल्यूए-12 के गठन में विलंब के विरोध में बीएमएस ने रेहर खदान में किया गेट मीटिंग

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
गुरुवार २५ जून को बिश्रामपुर क्षेत्र की रेहर भूमिगत खदान में एनसीडब्ल्यूए-१२ के गठन में हो रहे विलंब के संबंध में बीएमएस द्वारा जनजागरण अभियान चलाते हुए खदान परिसर में गेट मीटिंग का आयोजन किया गया।

गेट मीटिंग के माध्यम से श्रमिकों को एनसीडब्ल्यूए-१२ के गठन में हो रही देरी से उत्पन्न परिस्थितियों तथा श्रमिक हितों पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि कोयला कर्मियों की वेतन, भत्तों एवं अन्य सुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान के लिए एनसीडब्ल्यूए-१२ का शीघ्र गठन आवश्यक है। संगठन लगातार इस विषय को प्रमुखता से उठाते हुए श्रमिकों को जागरूक करने का कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में संगठन के क्षेत्रीय समन्वयक एवं आईआर प्रभारी, राजेश सिंह,अशोक सिंह सदस्य, क्षेत्रीय कल्याण समिति), हेमंत कुमार (मंत्री, केंद्रीय), राजेंद्र प्रधान (सदस्य, क्षेत्रीय कल्याण समिति) तथा रन साय (मंत्री, केंद्रीय) सहित खदान के अनेक सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गेट मीटिंग के दौरान श्रमिकों ने भी एनसीडब्ल्यूए-१२ के गठन में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त करते हुए समयबद्ध तरीके से समझौता लागू करने की मांग उठाई। संगठन के पदाधिकारियों ने आश्वस्त किया कि श्रमिक हितों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

बिना सफाई किए पानी टंकियों पर लिख दी गई डेट ऑफ क्लीनिंग रेल कर्मियों ने जताई नाराजगी

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
रेलवे कॉलोनी बिश्रामपुर में पेयजल व्यवस्था को लेकर लापरवाही का मामला सामने आया है। आरोप है कि रेल प्रबंधन के संबंधित विभाग ने कॉलोनी में स्थापित पानी की टंकियों की वास्तविक सफाई कराए बिना ही उन पर "डेट ऑफ क्लीनिंग २३/०६/२०२६" अंकित करा दिया, जिससे रेल कर्मियों में नाराजगी व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार, रेलवे कॉलोनी में कर्मचारियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कॉलोनी के बीचोंबीच एक बड़ी लोहे की जलमीनार स्थापित है। इसके अलावा कर्मचारियों के आवासों की छतों पर भी पानी की टंकियां लगी हुई हैं, जिनमें पाइपलाइन के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जाती है। रेल कर्मियों का आरोप है कि इन टंकियों की सफाई किए बिना ही उन पर क्लीनिंग की तिथि लिखवा दी गई। कुछ कर्मचारियों ने जब टंकियों पर तिथि अंकित कर रहे पेंटर से इसकी जानकारी ली, तो उसने बताया कि वह यह कार्य आईओडब्ल्यू (इंस्पेक्टर ऑफ वर्क्स) के निर्देश पर कर रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि रेलवे कॉलोनी में लगभग २८ से ३० आवास हैं और यहां पेयजल आपूर्ति पूरी तरह टंकियों के माध्यम से होती है। ऐसे में टंकियों की नियमित सफाई आवश्यक है ताकि कर्मचारियों और उनके परिवारों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल मिल सके। रेल कर्मियों ने बताया कि नियमों के अनुसार समय-समय पर पानी की टंकियों की सफाई कराई जानी चाहिए, लेकिन इस मामले में केवल औपचारिकता पूरी करते हुए सफाई की तिथि दर्ज कर दी गई है। कर्मचारियों ने संबंधित विभाग से इसकी शिकायत करते हुए व्यवस्था में सुधार और टंकियों की वास्तविक सफाई कराने की मांग की है। मामले को लेकर कर्मचारियों ने ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज कराई है। उनका कहना है कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है, इसलिए जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

राजापुर में चलित थाना लगाकर दी गई कानूनी जानकारी

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कानून संबंधी जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत राजापुर में गुरुवार को चलित थाना का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व थाना प्रभारी नरेंद्र मिश्रा ने किया, जिसमें ग्रामीणों ने सामाजिक और कानूनी विषयों की जानकारी प्राप्त की।चलित थाना के दौरान थाना प्रभारी नरेंद्र मिश्रा ने ग्रामीणों को यातायात नियमों का पालन करने, सड़क दुर्घटनाओं से बचाव, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि छोटी-सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को यातायात नियमों का पालन अपनी जिम्मेदारी समझकर करना चाहिए। शराब सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों पर भी चर्चा की गई।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि कई बार अपराध और पारिवारिक विवादों का भी कारण बनता है। महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर भी विशेष जानकारी दी गई। साथ ही बाल संरक्षण, बच्चों के अधिकार, बाल अपराधों की रोकथाम और साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी प्रकाश डाला गया। थाना प्रभारी नरेंद्र मिश्रा ने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि, अपराध या सामाजिक समस्या की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि समाज के साथ विश्वास और सहयोग का रिश्ता मजबूत करना भी है। इस दौरान प्रधान आरक्षक दीपक दुबे, राजापुर सरपंच अमर सिंह, उप सरपंच नेतलाल सहित ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

1 जुलाई से लागू होगा विकसित भारत जी राम जी

बलरामपुर, । कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में वीबी जी राम जी के प्रचार प्रसार के लिए विकासखंड स्तर पर कार्यशाला आयोजित की जा रही है इसी कड़ी में जनपद पंचायत वाड्रफनगर के सभा कक्ष में विकसित भारत जी राम जी अधिनियम २०२५ वीबी जी राम जी के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कोल इंडिया मुख्यालय पर एआईडीईओए का धरना-प्रदर्शन, मांगों पर सकारात्मक वार्ता के बाद आंदोलन समाप्त

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
ऑल इंडिया डिप्लोमा इंजीनियर्स एवं ओवरमैन एसोसिएशन (एआईडीईओए) द्वारा २४ जून २०२६ को कोल इंडिया मुख्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन कर अपनी मांगों के संबंध में आवाज बुलंद की यू। आंदोलन के बाद कोल इंडिया प्रबंधन के साथ हुई सकारात्मक वार्ता के उपरांत धरना-प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया।

एआईडीईओए ने अपनी प्रमुख मांगों में कोल इंडिया निदेशक मंडल द्वारा जारी उस निर्णय को निरस्त करने की मांग रखी, जिसके तहत माइनिंग स्टाफ का विभागीय पदोन्नति ई-१ ग्रेड में प्रस्तावित है। संगठन ने माइनिंग सरदार एवं ओवरमैन को पूरे सेवाकाल में ९ ग्रेड तक पदोन्नति का लाभ देने, रिस्ट्रिक्टेड सर्टिफिकेट धारकों को अधिकारी वर्ग में पदोन्नति सुनिश्चित करने, सेकंड क्लास पास माइनिंग स्टाफ के विभागीय प्रमोशन हेतु शीघ्र अधिसूचना जारी करने तथा गैर-अधिकारी वर्ग से अधिकारी वर्ग में असिस्टेंट मैनेजर (ई-३ ग्रेड) के पद पर पदोन्नति देने की मांग भी उठाई।

इसके अलावा संगठन ने नई भर्तियों में निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में एकमुश्त कम से कम पांच वर्ष की छूट देने, आयु सीमा को ३५, ३८ एवं ४० वर्ष तक बढ़ाने तथा माइनिंग सरदार, ओवरमैन और सर्वेयर जैसे रिक्त वैधानिक पदों पर तत्काल नई भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग रखी।

वार्ता के दौरान प्रबंधन ने संगठन की मांगों को गंभीरता से लेते हुए बताया कि इनमें कई विषय प्रशासनिक एवं नीतिगत प्रकृति के हैं, जिनकी उचित स्तर पर समीक्षा की जाएगी। प्रबंधन ने निदेशक मंडल द्वारा जारी निर्णय तथा आयु सीमा में छूट संबंधी मांगों पर पुनर्विचार करने, कैडर स्कीम में संशोधन की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने तथा माइनिंग स्टाफ के विभागीय प्रमोशन के लिए जल्द अधिसूचना जारी करने का आश्वासन दिया।

धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व एआईडीईओए के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद कुमार प्रजापति, राष्ट्रीय महासचिव आर.के. तिवारी, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अरुण कुमार पाण्डेय, प्रदीप सिंह, जितेन्द्र कुमार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक कुमार सिंह तथा एनईसी असम से संयुक्त महासचिव मृणाल कांती बर्मन ने किया।

कार्यक्रम में कोल इंडिया की विभिन्न सहायक कंपनियों के अध्यक्ष, महासचिव एवं पदाधिकारी शामिल हुए। वहीं एसईसीएल से संयुक्त महासचिव सलमान खान, सचिव अमित कुमार सिंह, डब्ल्यूसीएल से सचिव झनकार दास बिजारे, आईटी सचिव मनीष मिश्रा सहित सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहे। एआईडीईओए के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद कुमार प्रजापति ने कहा कि संगठन माइनिंग स्टाफ के हितों की रक्षा और उनके कैरियर उन्नयन से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

ट्रिप ट्रेलर ऑनर कल्याण संघ ने कोयला ट्रांसपोर्टरों पर शोषण का लगाया आरोप, 28 जून को चक्का जाम की चेतावनी

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
ट्रिप ट्रेलर ऑनर कल्याण संघ, सूरजपुर की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को नावापारा में आयोजित की गई। बैठक में संघ के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में वाहन मालिकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कोयला परिवहन कार्य में लगे वाहन मालिकों की विभिन्न समस्याओं तथा कोयला ट्रांसपोर्टरों द्वारा किए जा रहे कथित शोषण के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से बताया गया कि संघ द्वारा अपनी मांगों के संबंध में सूरजपुर के अनुविभागीय दंडाधिकारी एसडीएम, बिश्रामपुर थाना एवं करंजी चौकी को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में बढ़ती महंगाई और डीजल की लगातार बढ़ रही कीमतों के बावजूद परिवहन भाड़े में वृद्धि नहीं किए जाने पर चिंता व्यक्त की गई है। संघ ने विभिन्न रूटों के लिए परिवहन दरों में उचित वृद्धि करने, वाहन मालिकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने, भुगतान संबंधी समस्याओं का समाधान करने, लोडिंग व्यवस्था में सुधार लाने तथा साइडिंग संचालन से जुड़ी व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करने की मांग की है।

बैठक को संबोधित करते हुए संघ अध्यक्ष रामनरेश यादव ने कहा कि वाहन मालिक लंबे समय से आर्थिक दबाव और अनुचित शर्तों का सामना कर रहे हैं। कई बार संबंधित अधिकारियों एवं प्रबंधन के समक्ष मांगें रखने के बावजूद समाधान नहीं निकलने के कारण अब आंदोलन का सहारा लेना पड़ रहा है।

संघ के उपाध्यक्ष समीर सिंह ने कहा कि यदि वाहन मालिकों की जायज मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

वहीं कोषाध्यक्ष योगेंद्र दूबे तथा वरिष्ठ सदस्य प्रेमजीत सिंह ने कहा कि डीजल, स्पेयर पार्ट्स एवं अन्य परिचालन खर्चों में लगातार वृद्धि हुई है, जबकि परिवहन दरें वर्षों से लगभग स्थिर बनी हुई हैं। इससे वाहन मालिकों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है।

संघ ने चेतावनी दी है कि यदि २८ जून २०२६ तक उनकी मांगों पर संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई तो करंजी साइडिंग में चक्का जाम कर परिवहन कार्य बंद करते हुए शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। संघ का कहना है कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों की जिम्मेदारी संबंधित ट्रांसपोर्ट प्रबंधन एवं प्रशासन की होगी।

बैठक में उपस्थित वाहन मालिकों एवं संघ पदाधिकारियों ने आंदोलन को सफल बनाने तथा अपनी मांगों के लिए एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

शांति समिति की बैठक में आपसी सद्भाव से मोहर्रम मनाने पुलिस ने की अपील

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं आपसी भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से आज बिश्रामपुर थाना एवं करंजी चौकी में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बिश्रामपुर थाने में बैठक की अध्यक्षता पिलखा नायब तहसीलदार मीना सिंह ने की जबकि करंजी चौकी में प्रभारी विशाल मिश्रा ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मोहर्रम केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव और एकता का प्रतीक भी है। उन्होंने सभी से पर्व को आपसी प्रेम, भाईचारे और शांति के साथ मनाने का आह्वान किया। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों और समाज के वरिष्ठ नागरिकों से सुझाव भी लिए। लोगों ने जुलूस मार्ग, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव रखे, जिन पर पुलिस प्रशासन ने सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर बिश्रामपुर थाना प्रभारी टीआई प्रकाश राठौर, सहायक उपनिरीक्षक अशोक साहू सहित नगरवासी उपस्थित थे।

शासन-प्रशासन की पहल से आसान हुआ दिव्यांगों का जीवन

बलरामपुर, (अम्बिकावाणी समाचार)।
कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिले में दिव्यांगजनों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड बलरामपुर के ग्राम पंचायत संतोषीनगर के दो दिव्यांग हितग्राहियों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराया गया।

बलरामपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत संतोषीनगर निवासी श्री जादो मिस्त्री के लिए घर से बाहर निकलना और दैनिक कार्य करना किसी चुनौती से कम नहीं था। दाएं हाथ और पैर से दिव्यांग होने के कारण उन्हें हर छोटे-बड़े काम के लिए संघर्ष करना पड़ता था। कई बार उन्हें आवागमन के लिए दूसरों की मदद पर निर्भर रहना पड़ता था।अपनी जरूरत को देखते हुए उन्होंने बैसाखी और ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने की मांग की। संबंधित विभाग द्वारा उनकी आवश्यकता पर उन्हें दोनों सहायक उपकरण उपलब्ध कराया गया। बैसाखी और ट्राई साइकिल मिलने के बाद जादो मिस्त्री के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने कहा कि अब वे अधिक आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान तक जा सकेंगे और अपने दैनिक कार्य भी स्वयं कर पाएंगे।

इसी ग्राम पंचायत के श्री रविन्द्र नाथ मंडल लकवा से प्रभावित हैं। हाथ और पैर सामान्य रूप से कार्य नहीं करने के कारण उनका आवागमन काफी कठिन था। दैनिक जीवन की सामान्य गतिविधियां भी उनके लिए परेशानी का कारण बन जाती थी। रविन्द्र नाथ के ट्राइसाइकिल और बैसाखी की मांग पर त्वरित आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराया गया। उपकरण प्राप्त करने के बाद रविन्द्र नाथ मंडल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनका आवागमन पहले की तुलना में काफी आसान हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे उन्हें अपने कार्य स्वयं करने का हौसला मिला है।

डेढ़ माह बाद पुलिस के हत्थे चढ़ा बाइक चोर, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने के मामले में बिश्रामपुर पुलिस ने लगभग डेढ़ माह बाद आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गई बाइक बरामद कर ली है। पुलिस ने मामले में चोरी की बाइक खरीदने वाले युवक से पूछताछ के बाद मुख्य आरोपी तक पहुंचकर कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार ग्राम पंचायत बलरामपुर सूरदासपारा निवासी डालेश्वर प्रसाद राजवाड़े ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि ७ मई को उसकी भतीजी का विवाह समारोह था। विवाह की तैयारियों के दौरान उसके पिता बलदेव राजवाड़े अपनी हीरो एचएफ डिलक्स मोटरसाइकिल (क्रमांक सीजी १५ सीडब्ल्यू १४०५) से बाहर गए थे। शाम करीब ४ बजे घर लौटकर उन्होंने बाइक को घर के बाहर लॉक कर खड़ा कर दिया। शादी समारोह में परिवार के लोग व्यस्त रहे। ८ मई को बाइक घर के बाहर खड़ी दिखाई दी, लेकिन चाबी नहीं मिलने के कारण उसका उपयोग नहीं किया गया। ९ मई की सुबह परिवार के लोगों ने देखा कि मोटरसाइकिल गायब है, जिसके बाद मामले की शिकायत पुलिस से की गई। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में चोरी की मोटरसाइकिल लेकर बिश्रामपुर क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर गीता प्रसाद राजवाड़े (२५ वर्ष), निवासी केवरा मझियारपारा, थाना प्रतापपुर को पकड़ा।

पूछताछ में गीता प्रसाद ने बताया कि उसने उक्त मोटरसाइकिल अपने परिचित विजय लास्कर से खरीदी थी। विजय ने वाहन के दस्तावेज बाद में देने तथा रकम बाद में लेने की बात कही थी। पुलिस को उसका बयान संदिग्ध लगा, जिसके बाद मामले की गहन जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने विजय लास्कर की तलाश शुरू की। मुखबिर की सूचना पर उसे भी बिश्रामपुर क्षेत्र से पकड़ लिया गया। पूछताछ में विजय लास्कर ने स्वीकार किया कि उसने ८ मई की रात बलरामपुर सूरदासपारा से हीरो एचएफ डिलक्स मोटरसाइकिल चोरी की थी और बाद में उसे २० हजार रुपये में गीता प्रसाद राजवाड़े को बेच दिया था। उसने यह भी स्वीकार किया कि वाहन के कोई दस्तावेज उसके पास नहीं थे और कागजात उपलब्ध कराने का झांसा देकर सौदा किया गया था। पुलिस ने आरोपी विजय लास्कर को गुरुवार दोपहर गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले में चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

शादी का झांसा देकर युवती से दैहिक शोषण, आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज

डेढ़ साल तक लिव-इन रिलेशन में रही युवती, शादी से मुकरने पर पुलिस में शिकायत

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
सरगुजा जिले के अंबिकापुर में शादी का झांसा देकर युवती के साथ दैहिक शोषण का मामला सामने आया है। गांधीनगर थाना क्षेत्र में दर्ज शिकायत के अनुसार युवक ने शादी का भरोसा देकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाए और लंबे समय तक लिव-इन रिलेशन में साथ रहा। बाद में शादी की बात आने पर उसने विवाह से इनकार कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार २५ वर्षीय युवती वर्ष २०२२ से अंबिकापुर के नावापारा क्षेत्र में किराए के मकान में रहकर पढ़ाई कर रही थी। इसी दौरान उसकी पहचान सूरजपुर जिले के भटगांव निवासी समशेर हुसैन से हुई। परिचय धीरे-धीरे दोस्ती में बदल गया और दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं।

पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि २६ जनवरी २०२५ को आरोपी उसे भगवानपुर घूमने के लिए ले गया। वहां से वह उसे फुन्ड्ररडिहारी स्थित अपने किराए के मकान में ले गया, जहां शादी का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

युवती का आरोप है कि शादी का भरोसा मिलने के बाद वह २ फरवरी २०२५ को अपना सामान लेकर आरोपी के साथ रहने चली गई। दोनों करीब डेढ़ साल तक लिव-इन रिलेशन में रहे। इस दौरान वह १२ जून २०२६ तक आरोपी के साथ रह रही थी।

पीड़िता का कहना है कि जब उसने शादी करने के लिए दबाव बनाया तो आरोपी ने यह कहकर मना कर दिया कि दोनों अलग धर्म और जाति के हैं। विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी भी दी। युवती की शिकायत के आधार पर गांधीनगर पुलिस ने आरोपी समशेर हुसैन के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार द्विवेदी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है।

P.C. BAFNA & CO.

310, SHANTANAD CHAMBER,
2ND FLOOR, BEHIND PUNJAB NATIONAL BANK,
GURUDWARA ROAD DURG – 491001.
PH.: 0788 - 2323182, 2329738, Mob. 9424122111
Email: capcbafnaco@gmail.com

Independent Auditor's Report

To,
The Members,
Jila Sahakari Kendriya Bank Maryadit
Ambikapur (C.G.)

Report on the Financial Statements

1. We have audited the accompanying financial statements of JILA SAHAKARI KENDRIYA BANK MARYADIT AMBIKAPUR (C.G.) as at 31st March 2026, which comprise the Balance Sheet as at 31st March 2026, and the Profit and Loss Account for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information, Incorporated in these financial statements are the returns of 31 branches audited by us.

Management's Responsibility for the Financial Statements

2. Management is responsible for the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance of the bank in accordance with provisions of the Banking Regulations Act,1949, the guidelines issued by the Reserve Bank of India and the guidelines issued by the National Bank for Agricultural and Rural Development, the CG Cooperative Societies act 1960 and rules made there under and accounting principles generally accepted in India's of as applicable to Banks. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal controls relevant to the preparation and presentation of the financial statements that are free from material misstatement, whether due to fraud or error. In making those risk assessment, the management has implemented such internal control that are relevant to the preparation of financial statement and designed procedure that are appropriate so that the internal control with regards to all the activity of the banks is effective.

Auditor's Responsibility

3. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We conducted our auditing accordance with Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements.

4. An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgments, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal control relevant to the Bank's preparation and fair presentation of the financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on effectiveness of the Bank's internal control. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

5. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion subject to our qualification reported in point 9 below.

Opinion

6. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid financial statements together with the Notes thereon give the information required by the Banking Regulation Act,1949, CG Co-operative act 1960 and rules made there under and the guidelines issued by the National Bank for Agricultural and Rural Development (as applicable) and guidelines issued by Reserve Bank of India and the CG Co-operative act 1960, except for the effects of the matter describes in the basis for qualified opinion section of our report, the aforesaid financial statement give a true fair view subject to qualification, inconformity with the accounting principle generally accepted in India:

a. In the case of the Balance Sheet, of state of affairs of the Bank as at 31st March 2026;
b. In the case of the Profit and Loss Account, of the profit for the year ended on that date.

Report on Other Legal & Regulatory Requirements

7. The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn up in Forms "A" and "B" respectively of the Third Schedule to the Banking Regulation Act, 1949 and CG Co-operative Societies Act, 1960 and rules made there under.

8. Subject to the limitation of audit indicated in paragraph 1 – 5 above and subject also to the limitation of disclosure required there in, we report that:
a) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit and have found to be satisfactory;
b) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Bank so far as it appears from our examination of those books and proper returns adequate for the purposes of our audit have been received from the branches/offices;
c) The transactions of the Bank which came to our notice have been within the powers of the Bank;
d) The Balance Sheet and the Profit and Loss Account dealt with by this report, are in agreement with the books of account and there turns;
e) The reports on the accounts of the branches/offices audited by us /the branch auditors have been dealt with in preparing our report in the manner considered necessary by us.
f) The bank has been awarded "**B**" for the year under audit.
g) In our opinion and according to information and explanations given to us, the said accounts, read with together with significant accounting policies and the notes thereon and our comments and observation content in long form audit report, we qualified our report on the basis of point stated in Emphasis of Matters.

9. **KYC Norms Violations:**

a. Bank is maintaining **multiple** customer account wherein the name field in the Core Banking System (CBS) reflects the Account holder name as "**PLEASE MODIFY**", "**MODIFY NAME PLEASE**", "**SB MODIFY**", "**FD MODIFY**", etc, instead of the actual name of the account holder. This indicates that the account was either opened without proper KYC verification or the system was not updated migration. The existence of such an account constitutes a significant control lapse and a violation of the RBI Master Direction on KYC, which mandates accurate recording of customer identification details. The details of such accounts have been provided in the respective branch audit reports.

b. During the course of audit, it was observed that **500888** customer accounts were found to be without Primary ID or Secondary ID documents as prescribed under the Master Direction – KYC issued by the Reserve Bank of India. Operating of such accounts without KYC poses a significant risk of money laundering and fraud and is in violation of regulatory guidelines.

1. During the course of audit, it was observed that certain employees, particularly those handling sensitive functions such as Branch manager, Supervisor, Cashier, Clerk acting as cashier, Accountant, have been posted in the same position for an **extended period exceeding the prescribed internal policy guidelines and RBI best practices**. Non-rotation of staff in sensitive areas increases the risk of fraud, collusion, and operational lapses due to over-familiarity and lack of oversight. As per RBI circulars and good governance practices, it is advised that staff handling cash/authorising transactions be rotated periodically, typically within 2–3 years. The continued deployment of the same personnel in critical functions without documented justification indicates weakness in internal controls and employee risk management.

2. During our audit we come to notice regarding loan given by bank to PACS that Loan given to PACS by Bank and PACS to its Members are should be tallied in books of accounts of both Bank & PACS. But this is not happened due to various reasons. One reason for imbalance is that the society takes loan in a large amount from the bank and bank charges interest on it, on the other hand society give small loans to its members and receives interest accordingly. The interest payable is more than the interest received because interest is received in small amounts, and different duration. The society pays interest to the bank but the principal remains outstanding, so here the principal amount is not decreasing, on the other hand some members of the society pay the loan to the society and their principal decreases. This cause imbalance. This is one of the reasons stated by us as par our view; there are many other reasons also. Another reason is also that Interest is charge by bank to PACS but PACS not make entry of interest payable in his books of accounts and treated as ZERO interest loans. The imbalance amounts provided by the bank are amounting **Rs. 23365.88 lacs as on 31.03.2026**. No reconciliation for the FY 2024-25 has been made for PACS imbalances. It is advised to the bank that imbalances should be reconciled immediately & the appropriate provision should be made for the same.

3. The inter branch reconciliation entries are pending for more than 3 months and the same has been not reconciled from the many years, such unreconciled entries should be taken a special attention and the same should be reconciled.

AGE WISE BREAKUP OF UNRECONCILED ENTRIES IN INTER BRANCH RECONCILATION STATEMENT AS ON 31/03/2026

(Rupees in Lakhs)

Sl.No	Period	Debit		Credit	
		No of Entries	Amt. (Rs. In Lakhs)	No of Entries	Amt. (Rs. In Lakhs)
1	Up to 3 months	16	100.28	9	133.75
2	More than 3 to 6 Months	8	16.86	5	0.26
3	More than 6 months to 1 year	13	3.33	7	3.06
4	More than 1 year to 3 year	28	3.48	11	4.76
5	More than 3 years to 5 Years	22	7.69	14	5.44
6	More Than 5 Year	19	57.05	14	17.35
	TOTAL	**106**	**188.69**	**60**	**164.62**

4. During the verification of bank balances the below mentioned unreconciled balances come to our notice.

5. It was observed that Provident Fund (PF) contributions have been regularly deducted from employees' salaries; however, the corresponding amounts have not been deposited for one employee (details given below) with the Provident Fund authorities within the prescribed timelines. The organization may be exposed to penalties, interest charges, and possible legal action from regulatory bodies in near future.

Sr. No.	Name	Amount	Remarks
1	Miliya bai	Not ascertainable	PF and ESI deducted since Apr 22 but not deposited to respective Authority

6. On verification of GST Return and financial Statements we observe that, Goods & Service Tax Liabilities as mentioned other tax liabilities of financial statements of the bank, however there is a difference between the GST and Books of account as mentioned in the LFAR, The GST reconciliation between books of account has not made by the bank, also GSTR-2B Reconciliation not provide to us. Hence, we are unable to create an opinion on the same.

7. During verification of CRR & SLR Ratio maintained by the Bank, we observed in most instances bank has maintained CRR which is more than required. The fund laying in current account can be more efficiently utilized.

8. Information system Audit for financial year 2025-26 is to be carried out for bank. Compliance of discrepancies observed in IS Audit for the year not done by the bank.

For P.C. BAFNA & CO.
Chartered Accountants
FRN : 002147C

Sd/-
CA. Rupali Vyas
Partner
M.No: 466344
UDIN: 26466344FUCKFT4260

Date: 22.06.2026
Place: Ambikapur

Form A
JILA SAHAKARI KENDRIYA BANK MYDT. AMBIKAPUR (C.G)
BALANCE SHEET As on 31 March 2026

PARTICULARS	SCHEDULE	As on 31-3-2026 (Current year)	As on 31-3-2025 (Previous year)
CAPITAL & LIABILITIES			
Capital	1	873,893,903.48	844,134,903.48
Reserves & Surplus	2	2,215,589,851.28	2,030,724,656.28
Deposits	3	23,121,621,015.73	21,914,530,333.00
Borrowings	4	701,402,846.94	701,402,846.94
Other liabilities and provisions	5	5,951,780,765.77	2,044,788,369.71
Total		**32,864,288,383.20**	**27,535,581,109.41**
ASSETS			
Cash & Balances With Reserve Bank of India	6	239,559,022.00	225,797,101.00
Balance with Banks and Money at call and Short Notice	7	3,437,758,848.45	2,593,033,474.27
Investments	8	23,838,466,847.31	19,598,641,093.31
Advances	9	4,366,532,542.09	4,335,520,561.91
Fixed Assets	10	149,066,610.58	147,661,674.10
Other Assets	11	832,904,512.77	634,927,204.82
Total		**32,864,288,383.20**	**27,535,581,109.41**
Contingent liabilities	12		
Bills for collection			

Form A and Form B reproduced from original Government of India Notification SO 240(E) dated March 26, 1992

For P.C. BAFNA & CO.
Chartered Accountants
FRN : 002147C

Sd/-
CA. Rupali Vyas
Partner
M.No: 466344
UDIN: 26466344FUCKFT4260

Date - 22/06/2026
Place - Ambikapur

Sd/-
Chief Accountant
Jila Sahakari Kendriya Bank
Mydt. Ambikapur

Sd/-
Chief Executive Officer
Jila Sahakari Kendriya Bank
Mydt. Ambikapur

Sd/-
Chairman
Jila Sahakari Kendriya Bank
Mydt. Ambikapur

Form B
JILA SAHAKARI KENDRIYA BANK MYDT. AMBIKAPUR (C.G)
PROFIT & LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2026

PARTICULARS	SCHEDULE	As on 31-3-2026 (Current year)	As on 31-3-2025 (Previous year)
Income			
Interest earned	13	1,461,415,143.26	1,472,388,561.89
Other Income	14	26,218,912.54	30,945,732.45
Total		**1,487,634,055.80**	**1,503,334,294.34**
Expenditure			
Interest Expended	15	633,799,914.22	655,754,656.47
Operating Expences	16	244,852,701.69	250,785,518.01
Provisions and contigencies		433,667,930.93	171,998,689.00
Total		**1,312,320,546.84**	**1,078,538,863.48**
Profit/Loss			
Net profit/loss(-) for the year		175,313,508.96	424,795,430.86
Profit/loss(-) brought forward		854,062,243.96	553,080,376.10
Total		**1,029,375,752.92**	**977,875,806.96**
Appropriations			
Transfer to statutory reserves		106,198,858.00	77,383,477.00
Transfer to other reserves		63,719,314.00	46,430,086.00
Transfer to Government/proposed divident			
Balance carried over to balance sheet		**859,457,580.92**	**854,062,243.96**

For P.C. BAFNA & CO.
Chartered Accountants
FRN : 002147C

Sd/-
CA. Rupali Vyas
Partner
M.No: 466344
UDIN: 26466344FUCKFT4260

Date - 22/06/2026
Place - Ambikapur

Sd/-
Chief Accountant
Jila Sahakari Kendriya Bank
Mydt. Ambikapur

Sd/-
Chief Executive Officer
Jila Sahakari Kendriya Bank
Mydt. Ambikapur

Sd/-
Chairman
Jila Sahakari Kendriya Bank
Mydt. Ambikapur

अम्बिकावाणी

अम्बिकापुर, शुक्रवार 26 जून, 2026

सम्पादकीय

जीवन को आबाद करना है तो मैं कौन हूं? इस प हेली को हल कीजिए। मैं और मेरे पन के भान से मुक्त हो जाइये। 0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

गहरी यांत्रणा से गुजरना

छह साल तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की यांत्रणा झेलने के बाद आखिरकार वेबसाइट न्यूजक्लिक को इंसाफ मिला। मुकदमा खारिज करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने महत्त्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। कहा कि न्यूजक्लिक के खिलाफ ना सिर्फ जारी कार्यवाही दुर्भावनापूर्ण है, बल्कि यह स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता पर मनमाना हमला तथा शक्ति के दुरुपयोग का मामला भी है। ईडी के आरोपों को 'पूर्णतः गढ़ा हुआ और निराधारङ्क ठहराते हुए न्यायालय ने कहा कि वेबसाइट के खिलाफ दूर से संकेत देने लायक भी कोई सबूत नहीं पेश नहीं किया गया। जबकि आरोप मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक अधिनियम के तहत लगाया गया था।

बुधवार को ही हाईकोर्ट की एक दूसरी बेंच ने जम्मू-कश्मीर के मानवाधिकार कार्यकर्ता खुर्रम परवेज पर यूएपीए के तहत जारी मुकदमे में जमानत दे दी। यह मामला पांच साल पुराना हो चुका है, मगर हाई कोर्ट इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि अभी इसमें मुकदमे की कार्यवाही शुरू होने की दूर-दूर तक संभावना नहीं है। इसलिए उच्च न्यायालय ने 'जेल अपवाद और बेल नियमङ्क का सिद्धांत लागू किया। ये दोनों मामले देश में कानून के राज और न्याय की भावना के रोजमर्रा के स्तर पर जारी उल्लंघन की मिसालें हैं। मुद्दा सिर्फ परवेज या उन जैसे लोगों को सताने का नहीं है। सवाल है कि उनके खिलाफ अभियोग पक्ष के पास अकाट्य साक्ष्य हैं, तो न्यायिक कार्यवाही में उन्हें सिद्ध कर कानून सजा दिलाने की तत्परता वह क्यों नहीं दिखाता? ऐसा नजरिया क्यों अपनाया गया है, जिससे प्रक्रिया को ही दंड बना देने का अस्वीकार्य चलन अस्तित्व में आया है?

यह न्यूजक्लिक की खुशकिस्मती है कि उस पर मुकदमा चला। बहरहाल, न्याय होने से पहले उसके संपादक एवं अन्य पदाधिकारियों को महीनों जेल में गुजारने पड़े, एक चलती हुई वेबसाइट मृतप्राय हो गई, दर्जनों कर्मचारियों की नौकरी गई, उनमें से बहुतों के घर पर छापे पड़े जिससे उनकी प्रतिष्ठा को भारी क्षति पहुंची। आखिर इन सबकी भरपाई कैसे होगी? अतः क्या अब वक्त नहीं आ गया है, जब निराधार आरोप गढ़ने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए? साथ ही जिनकी जिंदगी अस्थिर और परेशान होती है, उन्हें उचित मुआवजा देने का प्रावधान किया जाए?

न्याय होने से पहले न्यूजक्लिक से जुड़े लोगों को गहरी यांत्रणा से गुजरना पड़ा। एक चलती हुई वेबसाइट मृतप्राय हो गई, दर्जनों कर्मचारियों की नौकरी गई, उनमें से बहुतों के यहां छापे पड़े। इनकी भरपाई कैसे होगी?

जल शक्तिः विकसित भारत की यात्रा को दे रही है गति

सी. आर. पाटिल

क्या आप जानते हैं कि जल जीवन मिशन दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण पेयजल आपूर्ति कार्यक्रम है? या फिर स्वच्छ भारत मिशन दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण स्वच्छता अभियान है, जिसने लोगों की सोच और व्यवहार में अभूतपूर्व बदलाव लाया है? और क्या आपको पता है कि नमामि गंगे आज दुनिया की सबसे महत्वाकांक्षी नदी पुनर्जीवन योजनाओं में शामिल है? ये सभी पहल केवल सरकारी योजनाएं नहीं हैं, बल्कि इस बात का उदाहरण हैं कि 145 करोड़ आबादी वाला भारत किस तरह पानी की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

जब इतिहासकार भारत की विकास यात्रा को देखेंगे, तो संभव है कि वे पिछले 12 वर्षों को वह दौर बताएं, जब 'जल' देश के विकास का सबसे महत्वपूर्ण विषय बन गया। मानव सम्मान, आर्थिक विकास, जनस्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण संरक्षण पर पानी जितना प्रभाव डालता है, उतना शायद ही कोई दूसरा क्षेत्र डालता हो। लेकिन कई दशकों तक भारत में जल संबंधी समस्याओं का समाधान अलग-अलग और बिखरे हुए तरीकों से किया जाता रहा। पिछले कुछ वर्षों में सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए एकीकृत, गंभीर और दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाया गया, जिसका नेतृत्व स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया।

पिछले 12 वर्षों में जल क्षेत्र में जितने बड़े पैमाने पर निवेश और काम हुआ है, वैसा पहले कभी नहीं देखा गया। लेकिन इस बदलाव की अहमियत केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। आज पानी को पूरे देश की साझा प्राथमिकता माना जा रहा है, जिसमें सभी विभाग, राज्य, समुदाय और आने वाली पीढि?ाँ भागीदार हैं। पहले जल क्षेत्र को उतनी प्राथमिकता नहीं मिलती थी, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने जल क्षेत्र की योजना, प्रबंधन और सेवाओं से जुड़ी वर्षों पुरानी कमियों को दूर करने की जिम्मेदारी उठाई। इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण जल जीवन मिशन है। जब यह मिशन शुरू हुआ था, तब केवल लगभग 3.23 करोड़ ग्रामीण परिवारों, यानी करीब 17 प्रतिशत ग्रामीण घरों में ही नल से जल की सुविधा थी। आज 15.8 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों, यानी 81 प्रतिशत से ज्यादा ग्रामीण घरों तक नल से पानी पहुँच चुका है। सरकार का लक्ष्य 2028 तक 100 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को यह सुविधा उपलब्ध कराना है। लाखों परिवारों, खासकर महिलाओं और बच्चों के लिए यह केवल पानी की सुविधा नहीं है, बल्कि उनके जीवन में आया एक बड़ा बदलाव है। अध्ययनों के अनुसार, पहले भारत की ग्रामीण महिलाओं को हर साल पानी लाने में अरबों घंटे खर्च करने पड़ते थे। अब घर-घर नल से पानी पहुंचने के कारण हर दिन 5.5 करोड़ से अधिक व्यक्ति-घंटों की बचत हो रही है। जो समय पहले पानी लाने में लगता था, अब उसका उपयोग पढ़ाई, रोजगार, बच्चों की देखभाल और आय बढ़ाने वाले कामों में हो रहा है। साथ ही, सुरक्षित पेयजल मिलने से पानी से फैलने वाली बीमारियाँ कम हुई हैं, जिससे लोगों का इलाज पर होने वाला खर्च भी घटा है। इसी तरह स्वच्छ भारत मिशन ने भी देश में बड़ा बदलाव लाया है। इस अभियान ने दिखाया कि लोगों की सोच में बदलाव, जनभागीदारी और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति मिलकर बड़े स्तर पर परिवर्तन ला सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आकलन के अनुसार, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की वजह से 2014 से अक्टूबर 2019 के बीच दस्त से होने वाली 3 लाख से अधिक मौतों को रोका जा सका। घर-घर शौचालय बनने से करोड़ों ग्रामीण महिलाओं को सम्मान, निजता और सुरक्षा मिली। इस तरह स्वच्छता केवल एक सुविधा नहीं रही, बल्कि जनस्वास्थ्य और सामाजिक सम्मान का एक बड़ा जनआंदोलन बन गई। गांवों को खुले में शौच से मुक्त बनाने के बाद अब देश स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) 2.0 के तहत ठोस और तरल कचरे के वैज्ञानिक एवं टिकाऊ प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत ने जल संरक्षण और भूजल रिचार्ज के क्षेत्र में भी दुनिया के सबसे बड़े अभियानों में से एक चलाया है। 6 सितंबर 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सूरत से "जल संचय जन भागीदारी" अभियान की शुरूआत की थी। इसके तहत 31 मई 2026 तक देशभर में 1.55 करोड़ से अधिक वर्षा जल संचयन और भूजल रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण किया जा चुका है। यह अभियान दिखाता है कि जल संरक्षण में लोगों की भागीदारी और सामूहिक प्रयास कितने प्रभावी हो सकते हैं। इन प्रयासों का सकारात्मक असर अब भूजल की स्थिति में भी दिखाई देने लगा है। हाल के आकलनों के अनुसार, देश के कई हिस्सों में भूजल का स्तर बेहतर हुआ है और जिन क्षेत्रों में भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा था, उनकी संख्या में भी कमी आई है। यह इस बात का प्रमाण है कि लगातार किए गए जल संरक्षण के प्रयास और जनभागीदारी मिलकर पर्यावरण पर बढ़ते दबाव को भी कम कर सकते हैं। साथ ही, भारत ने लंबे समय से लंबित राष्ट्रीय जल परियोजनाओं को भी तेजी से आगे बढ़ाया है। देश की पहली बड़ी नदी जोड़ो परियोजना, केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना, तेजी से आगे बढ़ रही है। इसका उद्देश्य बुंदेलखंड के सूखा प्रभावित क्षेत्रों तक पानी पहुंचाना है। इसके अलावा, राज्यों के भीतर नदियों को जोड? की कई परियोजनाओं में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में नमामि गंगे कार्यक्रम ने यह साबित किया है कि पर्यावरण संरक्षण और विकास साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं।

पिछले एक दशक में 4,260 मिलियन लीटर प्रतिदिन(एमएलडी) सीवेज शोधन क्षमता विकसित की गई है। अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से निकलने वाला जैविक प्रदूषण (बीओडी) 2017 में 26 टन प्रतिदिन से घटकर 2024 में 10.75 टन प्रतिदिन रह गया है। वहीं, उद्योगों से निकलने वाले गंदे पानी (एफ्लुएंट) का उत्सर्जन भी 349 एमएलडी से घटकर 265.56 एमएलडी हो गया है। आज निगरानी के आंकड़े बताते हैं कि गंगा नदी में सभी निगरानी केंद्रों पर पानी का पीएच स्तर और घुली हुई ऑक्सीजन (डीओ) स्नान योग्य मानकों के अनुरूप है। इसके अलावा, देशव्यापी आकलन के अनुसार गंगा में लगभग 6,324 गंगा डॉल्फि? पाई गई हैं, जो नदी के बेहतर होते पर्यावरणीय स्वास्थ्य का संकेत है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत की जल यात्रा दुनिया के लिए भी एक महत्वपूर्ण सीख बनकर सामने आई है। 21वीं सदी की जल संबंधी चुनौतियों का समाधान अलग-अलग प्रयासों से नहीं हो सकता। पेयजल, स्वच्छता, नदियों का संरक्षण, सिंचाई की बेहतर व्यवस्था, भूजल रिचार्ज, इस्तेमाल किए गए पानी का दोबारा उपयोग और जलवायु परिवर्तन से निपटने की तैयारी—इन सभी को एक-दूसरे से जुड़ी व्यवस्था के रूप में देखना होगा।

जलवायु परिवर्तन के दौर में यह समग्र दृष्टिकोण और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि दुनिया भर में जल संसाधनों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। भारत के सामने यह चुनौती और भी बड़ी है।

रिफॉर्म एक्सप्रेस के अंतर्गत बढ़ रही न्यायिक सुगमता

अर्जुन राम मेघवाल

न्याय सदा से ही मानव सभ्यता का एक अत्यधिक महत्वपूर्ण और अभिन्न स्तंभ रहा है। हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की समृद्ध परंपरा तथा उसके स्थायी प्रतीक सामूहिक रूप से उन संस्थागत व्यवस्थाओं को दशार्ते हैं जिन्होंने मानव सभ्यता की विकास यात्रा को सही मार्ग पर आगे बढ़ाया, मार्गदर्शन किया और निरंतर आगे बढ ? में सहायता की। मानव सभ्यता के अनवरत विकास के फलस्वरूप ज्ञान-विज्ञान और तकनीक से समृद्ध आधुनिक समाज में एक-दूसरे से जुड़े व्यक्तियों और समुदायों के आपसी संबंधों में भी विभिन्न विचारों और मतों के कारण परिवर्तन आया है,

तथापि, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वैज्ञानिक प्रगति और तकनीकी उन्नति ने देश की सीमाओं से आगे जाकर विचारों के निर्बाध आदान-प्रदान को और अधिक सुगम बनाया है। अनादि काल से, एक विचार की दूसरे विचार पर श्रेष्ठता स्थापित करने की होड़ न्यायशास्त्र के विकास की एक मजबूत नींव रही है। युगों से विचारों और मूल्यों के इस अंतर्संघर्ष के बीच न्यायिक संस्थानों ने सत्य, निष्पक्षता और विधि के शासन में लोगों के विश्वास को पुनः स्थापित करने की जिम्मेदारी निभाई है। इन्होंने एक सेतु का काम किया है जो प्रत्येक संबंधित पक्ष को, यहाँ तक कि उन लोगों को भी जो स्वयं को अलग-थलग महसूस करते हैं, न्याय और सामूहिक कल्याण की एक व्यापक प्रक्रिया से जुड़ाव, विश्वास और सहभागिता का अनुभव कराता है।

इसी स्थायी संस्थागत प्रतिबद्धता के कारण एक ऐसी सशक्त व्यवस्था निर्मित होती है जो न केवल न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करती है बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन को सरल और सुगम बनाने के लिए अनिवार्य है। वर्तमान संदर्भ में विकसित भारतीय न्यायशास्त्र ने स्वयं को आधुनिक चुनौतियों और उपलब्ध अवसरों के अनुरूप ढाल लिया है। हमारी संवैधानिक विरासत हमें स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निमार्ताओं का स्वप्न साकार करते हुए एक समतामूलक समाज के निर्माण की दिशा में सतत मार्गदर्शन प्रदान करती है। संविधान की प्रस्तावना में निहित न्याय की त्रिवेणी अर्थात राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श संस्थाओं और व्यक्तियों दोनों के लिए एक नैतिक दिशासूचक के रूप में कार्य करते हैं।

स्वतंत्र भारत को संविधान के रूप में एक आदर्श मार्गदर्शक प्राप्त हुआ जिसने हमारे राष्ट्र की प्रगति की दिशा निर्धारित की। देश की आजादी के बाद यद्यपि हमने राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त कर ली थी, फिर भी गहरी जड़ें जमा चुकी औपनिवेशिक मानसिकता भारतीय चिंतन और मूल्यों के लिए एक बौद्धिक अवरोध बनी रही। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा नीति, उसके बाद भारत के नागरिकों के लिए बनाए गए दंडात्मक कानून तथा विभिन्न नीतियों ने नियमों का एक जटिल जाल बुन दिया, जिसने देश की जनता की स्वतंत्रता को सीमित किया। 19वीं सदी की मानसिकता और 20वीं सदी के कानून 21वीं सदी की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकते।

हमें अपनी राष्ट्रीय उपलब्धियों पर अपार गर्व है। फिर भी, जब हम मोदी सरकार की बारह वर्षों की विकास यात्रा पर नजर डालते हैं तो शासन व्यवस्था में एक स्पष्ट और सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देता है जिसने नागरिकों के जीवन को अनेक स्तरों पर प्रभावित किया है। वर्ष 2014 को हमारे देश की लोकतांत्रिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में याद किया जाएगा। यह वह वर्ष था जबकि देश में युवाओं की विशाल आबादी को देश के विकास में सर्वाधिक महत्वपूर्ण मानने वाले तीव्र गति से विकसित हो रहे भारत की पूर्ण क्षमता को साकार करने के लिए नीतिगत हस्तक्षेपों को और अधिक प्रभावी और सक्षम बनाया गया। देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में संपूर्ण शासन व्यवस्था ने रिफॉर्म एक्सप्रेस से प्रेरित विकास की प्रक्रिया को तेजी से अपनाते हुए सशक्तिकरण की शक्ति का परिचय दिया है। इसकी यात्रा को संक्षेप में इस प्रकार बताया जा सकता है कि यह जमीनी स्तर से 'ईज ऑफ लिविंगङ्क को बढ़ावा देने का प्रयास है। साथ ही, राष्ट्र प्रथम के दृष्टिकोण को शीर्ष स्तर से लागू करना भी इसका उद्देश्य है।

इसी प्रकार, भारत की न्यायिक सुधारों की यात्रा भी व्यापकता, नवाचार और गहन सामाजिक एवं सभ्यतागत प्रतिबद्धता की एक प्रेरक गाथा रही है। यह एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण को दशार्ती है जिसमें विधायी आधुनिकीकरण, संस्थागत सुदृढ़ीकरण और डिजिटल नवाचार शामिल हैं।

'ईज ऑफ जस्टिसङ्क हमारे लिए मात्र एक कथन नहीं है बल्कि यह एक सुधार का मंत्र है जिसमें न्याय के लिए अदालत की शरण में जाने वालों के लिए 'ईज ऑफ इंगेजमेंटङ्क, अधिवक्ताओं और न्यायाधिशों के लिए 'ईज ऑफ वर्किंगङ्क तथा नागरिकों के लिए 'ईज ऑफ अंडरस्टैंडिंगङ्क शाामिल है।

न्याय हेतु अदालतों की शरण में जाने वाले नागरिकों की सुविधा के लिए दिशा योजना के तहत टेली-लॉ, न्याय बंधु और प्रो बोनो सेवाओं के विस्तार ने न्याय प्राप्ति को अत्यंत सुलभ और किफायती बना दिया है। कॉमन सर्विस सेंटर के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से संचालित टेली-लॉ कार्यक्रम के तहत ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के 112 लाख से अधिक लाभार्थियों को अदालतों में मुकदमे दायर करने से पहले मुफ्त कानूनी सलाह प्राप्त करने का लाभ मिला है। ई-फाइलिंग और ई-सेवा केंद्र की सेवाओं ने अदालत में मुकदमा दायर करने वाले व्यक्तियों और न्यायिक व्यवस्था के बीच नियमित संवाद एवं संपर्क को और अधिक सरल बनाया है।

बिहार आइडिया ऑफ लोहिया की प्रयोगशाला

आधुनिक समय में 'देश हिंदू राजनीति के तीन प्रयोगधर्मी (विचारक) हुए- गांधी, सावरकर और लोहिया। इन तीनों ने वे सूत्र, वे प्रयोग दिए, जिससे हिंदुओं को भक्ति की तीन नई मूर्तियाँ मिलीं। 1947 के बाद गांधी के नेहरू ने अपने प्रयोग किए। नेहरूवादी पैदा हुए। वही सावरकर के भक्तों ने हवा में लाठी घुमाते हुए भय, भक्ति, भूख की भीड़ बनाना शुरू किया। एक तरफ नेहरूवादी, दूसरी तरफ हिंदुवादी (धर्मनिरपेक्ष बनाम सांप्रदायिक)।

और फिर इन दो धुरियों के बीच अचानक लड़ाकू तेवर के साथ डॉ. राममनोहर लोहिया उभरे। उनके जमीनी सूत्रों-नारों ने समाज में ऐसी हलचल बनाई, जिसके आगे गांधीवादी निरुत्तर थे तो हिंदुवादी भी मात्र हवा में लाठी भांजते थे। लोहिया के ही जुमलों ने वह मंडल-कमंडल बनाया कि समाज छिन्न-भिन्न हुआ। बुद्धि, विवेक सब छोड़ लोग पहचान (जाति, उपजाति, खाप) की भीड़ में कनवर्ट होने लगे। और अंत परिणाम? लोहियावादी भी वैसे ही बेमतलब है जैसे नेहरूवादी, गांधीवादी, मार्क्सवादी, माओवादी आदि भक्त समूहों का विसर्जन है। सवाल है तब 140 करोड़ लोगों का मालिक कौन? सावरकर के वे हिंदुवादी जो लाठी भांजने, हांकने की सौ वर्षों से ट्रेनिंग लेते-लेते डफरों के विश्वगुरू हैं।

निश्चित ही इस ट्रेनिंग का प्रतीकमान चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी, जिन्होंने फरवरी 2026 में नई दिल्ली के भारत मंडपम से दुनिया को आह्वान किया कि स्वागत है आप द्वारा बनाई कृत्रिम बुद्धिमत्ता (सौ प्रतिशत अमेरिका या उनकी कंपनियों की मौलिक बुद्धि से निर्मित उत्पाद) का। भारत इसमें अपना भाग्य मानता है। और इस कॉलम को लिखते हुए खबर है कि अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने के लिए भारत को 30 दिन की छूट दी। और अमेरिका की अनुमति प्राप्त हुई नहीं कि भक्त भीड़ का सोशल मीडिया 'अमेरिका से अनुमतिङ्क की वाह करते हुए है। मैं तभी ऐसी घड़ी में लोहिया और लोहिया के लोगों की स्मृति में नीतीश कुमार पर सोच रहा हूं। किस मनोदशा के पर्याय हैं नीतीश कुमार? इसलिए क्योंकि लोहिया की देशज राजनीति, जुमलों (या क्रांति) की प्रयोगशाला रहा है बिहार। लोहिया के मंडल चेहरे हों या भगवा चेहरे (सावरकर की सेंट्रल हॉल में तस्वीर के निर्णय के साझेदार जॉर्ज फर्नांडिस से हुकुमदेव नारायण यादव तक), सभी की यानी तमाम तरह के समाजवादियों की कर्मभूमि बिहार रही है। बिहार में कांग्रेस का शासन मुश्किल से चालीस वर्ष रहा। बाकी समय बिहार आइडिया ऑफ लोहिया की प्रयोगशाला रहा। कपूरी ठाकुर 1967 में मुख्यमंत्री बने थे। मधु लिमये, जॉर्ज फर्नांडिस से लेकर मंडल रिपोर्ट लिखने वाले बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल यहीं चुनाव जीतते रहे हैं। तभी सवाल है कि मंडल रिपोर्ट को लागू कराने की अधिसूचना जारी करवाने वाले शरद यादव, रामविलास पासवान हों या बिहार में 35 वर्षों से उसे लागू कराते लालू यादव, राबड़ी देवी तथा नीतीश कुमार के चेहरों से बिहार कैसा रचा है? ध्यान रहे नीतीश राज ही कोई बीस साल पुराना है। 0 हरिशंकर व्यास

अम्किावाणी-वर्गपहेली 1489

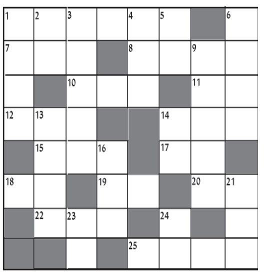

संकेतः बाएं से दाएं

1. भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ में अपना पहला भाषण दिया (6)
7. सुगंध, खुशबू, महक (3)
8. नितांत, बिल्कुल (4)
10. पति-पत्नी का कानूनी रूप से संबंध विच्छेद (3)
11. नतीजा, परिणाम (2)
12. मेघ, घटा (3)
14. अत्यधिक घुंटा, कचूमर, चोखा (3)
15. नौका, आदेश पत्र (3)
17. लाकर उपस्थित करना, ले आना (2)
18. पथ, मार्ग, रास्ता (2)
19. नेत्र, आंख, नयन (2)
20. तौल की एक सूक्ष्म इकाई जो एक तौला का बारहवां हिस्सा होती है (2)
22. मुग्ध होना, प्रसन्न होना (3)
25. सहानुभूति करने वाला, दुख-दर्द का साथी (4)

ऊपर से नीचे

1. माता दुर्गा के नामों में से एक, शारदा (4)
2. बायां, चंद्रमा के रथ के एक घोड़े का नाम (2)
3. किसी का हक या अधिकार मारा जाना, स्वत्वहानि (5)
4. काबिल, योग्य (3)
5. भाग्य (अंग्रेजी)(2)
6. आसानी, सहजता, सुगमता (4)
9. संपूर्ण यात्रा का वृतांत (5)
13. आम का एक प्रकार (4)
14. नेक, शिष्ट, कल्याणकारी (2)
16. संगीत में ताल के अनुसार शरीर के अंगों को संचालित करना, नृत्य करना (3)
21. चेला, शिष्य, जॉय मुखर्जी, सायरा बानों, आई.एस.जौहर आदि की भूमिकाओं वाली सफल फिल्म (3)
23. तुरंत, जल्दी से (2)
24. आकाश, गगन, नभ, आसमान (2)

वर्ग पहेली 1488 का हल

अ	रू	ण	शौ	री		प	र्थ
मा	ह		क	ज	श	श	
न		रे		न	त		वा
वी	र		सु		औ	ला	द
य	ज	मा	न		र	म	क
	ब	न	ने		दि		
य				म	न	मौ	जी
श	कु	नि		घा		का	जी

एकदा

युवाओं की रगों में दौड़ रहा उपसंस्कृति का जहर

किसी देश को खत्म करना है तो अब वहां सेकंड वर्ल्ड वार के दौरान हिरोशिमा और नागासाकी की तरह परमाणु एटम बम डालने की जरुरत नहीं है। या रुस और यूक्रेन युद्ध के बीच विनाशकारीरर मिसाइल और द्रोण के जरिए बड़े बड़े बमों को गिराने की आवश्यकता नहीं है बल्कि उस देश की संस्कृति को खत्म कर दो ...। वह मुल्क धीरे धीरे खुद ही मर जाएगा। इन दिनों हमारे देश भारत में यही हो रहा है। कभी विश्व गुरु कहलाने वाली देश की तहजीब रसातल में जा रही है। पश्चिमी संस्कृति की चकाचौंध, बाजारवाद की चमचमाहट और दौलत तथा शोहरत की हवस वाली वाली स्टेटस सिंबाल की संस्कृति हमारी पूरब की तहजीब को तेजी से निकल रही है। सीधी सपाट भाषा में कहा जाए तो हमने अंध विकास के लिए विनाश की बीमारी मोल ले ली है। यह यह नया नवेला कल्चर हमारे हजारों साल से चले आ रहे सामाजिक तानेबाने, सांस्कृतिक ढांचे और पारिवारिक संबंधों को तहस-नहस किए जा रहा है। कंटीले कैक्टस के कांक्रीट सघन जंगलों में न्यूक्लीयर फेमिली प्रेम और सम्मान में पगे हमारे संयुक्त परिवार की जड़ों को नेस्तनाबूद कर रहे हैं। एक ओर तो हमारे देश के सियासी रहनुमा भारत को फिर से विश्व गुरु, सुपर कंम्यूटर और और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था वाला देश बनाने का दावा या लोकलुभावना सपना दिखा रहे हैं वहीं दूसरी ओर अपने घोषित और अघोषित स्वार्थ के लिए ऐसे दुष्कृत्यों का युद्धस्तर पर चौतरफा अभियान छड़े हुए हैं वसुधैव कुटुंबकम की भारत की संस्कृति प्रदूषित हो रही है।

आज राजनीतिक शुचिता तार तार हो रही है,

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

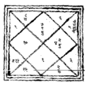

चौघड़िया

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः मेष राशि वालों आज के दिन आप ऊर्जावान रहेंगे। व्यापार से रिलेटेड नई योजनाएं बना सकते हैं, जिससे आपकी आय के स्रोत खुलेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार होगा, निवेश करने के लिए अच्छा समय है, साथ ही आज यात्रा पर जाने के योग हैं।

वृष राशिः वृष राशि वालों आपके लिए आज का दिन खुशनुमा रहेगा। आज आपको कुछ नये लोगों से मिलने का अवसर मिलेगा, साथ ही आपको नया प्रोजेक्ट मिलने के योग हैं, जिससे आपके प्रगति के रास्ते खुलेंगे। आज आपके व्यवसाय में बेहतर बदलाव होने की संभावना है, जो आपके आर्थिक स्तर को बेहतर बनाएगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन लकी रहेगा। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। इस दौरान आप केवल भाग्य के भरोसे न बैठकर अच्छी मेहनत करेंगे। नौकरी में अच्छी सफलता मिलेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। कहीं मनोरंजक यात्रा होने की संभावना है।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताएंगे। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। आपके व्यवसाय में लाभ मिलेगा। आय के साधन बढ़ेंगे। व्यापार से जुड़ी यात्रा फायदेमंद रहेगी। इस दौरान आप किसी से अपने व्यापार संबंधी सीक्रेट शेयर करने से बचें।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपके दिन की शुरूआत अच्छी होने वाली है। स्पोर्ट्स से जुड़े लोग अपनी ट्रेनिग में पूरी मेहनत लगायेंगे। कूरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज रोज की अपेक्षा ज्यादा फायदा होगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा, जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा और आप दोनों के बीच आपसी रिश्ते और अच्छे होंगे। आप दोनों की रुचि धर्म-कर्म के कार्यो में बढ़ेगी। नई नौकरी मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में मेहनत के बल पर सफलता हासिल कर लेंगे।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपके द्वारा बनाई गई योजना कारगर साबित होगी। अच्छा धन अर्जित करने में सफल होंगे। किसी तरह का निवेश करने से पहले अपने बड़ों से सलाह अवश्य लेंगे। मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने वाले जातक अपने टीम के सदस्यों के साथ तालमेल बिठाने में धैर्य से काम लें तो अच्छे परिणाम मिलेंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में चीजें आपके अनुकूल रहेंगी। घर में किसी नए मेहमान के आने की संभावना है। व्यापार में लाभ होगा। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति में बड़े सुधार के योग हैं। आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द बना रहेगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आप नौकरीपेशा हैं तो कार्यस्थल पर आपकी स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आपकी पदोन्नति के साथ आपका कार्यभार भी बढ़ेगा। आज आपको आमदनी के बेहतर अवसर मिलने के योग हैं। दांपत्य जीवन में खुशहाली आयेगी।

मकर राशिः मकर राशि वालों आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आपके व्यवसाय में विस्तार के साथ आय के स्रोत विकसित होंगे। मैनेजमेंट की पढ़ाई करने वाले छात्रों को आज नई खबर मिल सकती है। जिससे उनका मनोबल ऊंचा होगा और आगे की पढ़ाई में सहयोग मिलेगा। आपका दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। कार्य स्थल पर सहकर्मियों के साथ आपका अच्छा बर्ताव आपकी सफलता में सहायक होगा। पदोन्नति के योग बनेंगे। आज आप स्वयं को ऊर्जावान महसूस करेंगे।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपका दिन रोज की अपेक्षा बेहतरीन रहने वाला है। आज ऑफिस के कार्य को पूरा करने के लिए आपको कुछ अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। नया बिजनेस शुरू करने की योजना सफल रहेगी। विद्यार्थी वर्ग पिछले दिनों के छूटे कार्यो को आज पूरा करेंगे।

इन घरेलू तरीकों से ठीक करें सिरदर्द

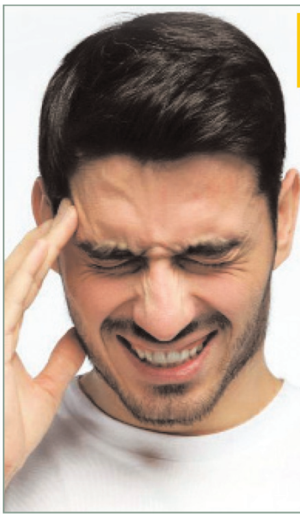

सिरदर्द के कई कारण होते हैं। नींद पूरी न होना, स्ट्रेस, थकान, मेडिकल कंडीशन, शोर आदि। कई बार ऐसा भी होता है कि हमें सिरदर्द की कोई वजह समझ नहीं आती। इससे आपको कई हेल्थ इश्यू भी हो सकते हैं।

सिरदर्द सबसे आम परेशानी। शायद ही दुनिया में कोई ऐसा व्यक्ति होता जिसे कभी सिरदर्द नहीं हुआ होगा। कुछ लोग तो ऐसे होते हैं, जिनकी सुबह की शुरुआत ही सिरदर्द से होती है। सिरदर्द के कई कारण होते हैं। नींद पूरी न होना, स्ट्रेस, थकान, मेडिकल कंडीशन, शोर आदि। कई बार ऐसा भी होता है कि हमें सिरदर्द की कोई वजह समझ नहीं आती। ऐसे में कई लोग तो सिरदर्द होने पर हमेशा पेनकिलर का सहारा लेते हैं। उन्हें पेनकिलर्स खाने की इतनी आदत पड़ जाती है कि माइल्ड पेन होने पर भी वे बार-बार पेनकिलर्स लेने लगते हैं जबकि हमेशा पेनकिलर खाना सेहत पर भारी पड़ सकता है। इससे आपको कई हेल्थ इश्यू भी हो सकते हैं। आइए, जानते हैं सिरदर्द होने पर आप क्या उपाय कर सकते हैं

हेड मसाज

सिर की मालिश को कभी भी लाइट न लें, खासकर अगर आपके सिर में दर्द हो रहा है, तो आपको किसी भी ऑयल से हेड मसाज जरूर करानी चाहिए। इससे आपकी नसों को काफी आराम मिलता है और सिरदर्द से भी राहत मिलती है।

आइस पैक

बर्फ के टुकड़ों को किसी कपड़े में लपेटकर माथे पर हल्के हाथों से दबाएं। इससे आपको दर्द से आराम मिलेगा। आप थोड़ी-थोड़ी देर में भी आइस पैक को माथे पर लगा सकते हैं। सिरदर्द को ठीक करने में यह सबसे कारगर उपाय है।

हॉट राइस बैक

इसके लिए आपको कच्चे चावल को तवे पर गर्म करना है। इसके बाद इन चावलों को किसी पॉलीबैग में भर लें। इससे आप माथे पर सेंक लगा सकते हैं। इससे भी आपका सिरदर्द काफी हद तक ठीक हो जाता है।

पानी

कभी-कभी पानी की कमी से भी शरीर खासकर सिर में दर्द होता है। ऐसे में शरीर को हाइड्रेट रखें और तेजी से कम से कम दो गिलास ठंडा पानी पिएं। इससे भी सिरदर्द में काफी आराम मिलता है।

लैवेंडर ऑयल

लैवेंडर ऑयल का इस्तेमाल अरोमा थेरेपी में किया जाता है। इससे आपको शांति और सुकून मिलता है। इसके लिए सबसे पहले लैवेंडर ऑयल को गर्म कर लें और इसे किसी ऐसी जगह पर रख दें, जिससे इसकी महक अच्छी तरह आए।

ब्रीदिंग एक्सरसाइज

ब्रीदिंग एक्सरसाइज को कम से कम 10 मिनट तक करें। इस एक्सरसाइज को करने से आपको काफी आराम मिलता है। ब्रीदिंग एक्सरसाइज से नसें काफी रिलेक्स हो जाती हैं।

आयुर्वेदिक चाय

आयुर्वेदिक चाय भी सिरदर्द को ठीक करने में कारगर मानी जाती हैं। आप मसाला चाय भी पी सकते हैं। कोशिश करें कि चाय को गर्म सिप-सिप करके पिएं। ठंडी चाय आपका सिरदर्द बढ़ा सकती है।

खाना पकाने के लिए कितना स्वस्थ है जैतून का तेल

यदि आप अपने दिल की फिक्र रहती है, तो अपना खाना पकाने के तेल चुनते समय भी तेल की अच्छी जानकारी होनी चाहिए।

हेल्दी और अनहेल्दी फैट क्या है

भोजन में चार प्रमुख आहार वसा होते हैं। खराब वसा, जिसमें संतृप्त और ट्रांस वसा होते हैं, कमरे के तापमान (जैसे मक्खन) पर अधिक ठोस होते हैं, जबकि मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड वसा अधिक तरल होते हैं (जैसे कैनोला तेल)। अनहेल्दी अनसैचुरेटेड फैट के विपरीत, अच्छे वसा शरीर में रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करते हैं, इसलिए, हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को कम करते हैं। यह हृदय रोग से जुड़े ट्राइग्लिसराइड्स को भी कम करता है और सूजन से लड़ता है। अच्छे मोनोअनसैचुरेटेड वसा के कुछ अच्छे स्रोत हैं- जैतून, कैनोला, मूंगफली और तिल का तेल।

जैतून का तेल हेल्दी खाना पकाने का तेल है। जैतून से संतृप्त वसा पर बहुत कम है और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से युक्त होते हुए अच्छे वसा (मोनोअनसैचुरेटेड वसा) में ज्यादा समृद्ध है। कहा जाता है कि स्वस्थ खाना पकाने के तेल में 14% संतृप्त तेल, 11% पॉलीअनसेचुरेटेड, जैसे ओमेगा -6 और ओमेगा -3 फैटी एसिड और 73% मोनोअनसैचुरेटेड वसा होता है। जैतून के तेल में प्रमुख फैटी एसिड को ओलिक एसिड कहा जाता है, जो सूजन को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, जैतून के तेल में बड़ी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं, जो आपके पुराने रोगों के जोखिम को कम कर सकते हैं।

किसमें है ज्यादा फैट

जैतून से जैतून का तेल निकाला जाता है, वैसे ही नारियल से नारियल का तेल निकाला जाता है। दोनों फायदों से भरपूर है। एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर वेट लॉस फ्रेंडली तेल भी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार नारियल तेल में इसमें 80 से 90 प्रतिशत संतृप्त वसा (अनहेल्दी अनसैचुरेटेड फैट) होता है, जिसका अर्थ है कि नारियल के तेल के एक चम्मच में जैतून के तेल की तुलना में लगभग छह गुना अधिक संतृप्त वसा होती है।

कौन-सा तेल है बेहतर

जब हार्ट-स्वस्थ खाना पकाने के तेल की बात आती है, तो जैतून का तेल नारियल के तेल और खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाले कई अन्य तेलों की तुलना में काफी बेहतर होता है। जैतून का तेल एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग के जोखिम को कम करता है, नारियल के तेल के विपरीत, जिसमें उच्च संतृप्त वसा होता है, जिसे हृदय रोग के जोखिम को बढ़ाने के लिए जाना जाता है। जैतून का तेल टाइप 2 डायबिटीज और कुछ कैंसर के खतरे को कम करता है।

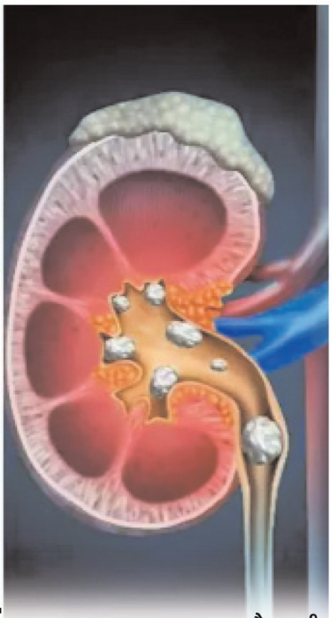

प्राकृतिक तरीके से बाहर निकालें गुर्दे की पथरी

गलत खान-पान और पानी की कमी से किडनी में पथरी बन सकती है। यह गंभीर समस्या है जिसका तुरंत इलाज किया जाना चाहिए। इसमें मरीज को गंभीर दर्द होता है। मेडिकल में इसके कई इलाज हैं लेकिन कुछ घरेलू उपचारों के जरिए किडनी की पथरी को बाहर निकाला जा सकता है।

किडनी मानव शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। किडनी का मुख्य काम शरीर से हानिकारक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालना और पानी, अन्य तरल पदार्थ, रासायनिक और खनिज के स्तर को बनाए रखना है। यह शरीर में खून को भी फिल्टर करती है। स्वस्थ जीवन के लिए व्यक्ति के पास ठीक से काम करने वाली किडनी होनी चाहिए। मनुष्य रोजाना विभिन्न खाद्य पदार्थों का सेवन करता है, जो बाद में ऊर्जा में बाल जाते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान कई तरह के विषाक्त पदार्थ शरीर में जमा होते रहते हैं। ऐसे जहरीले पदार्थों का जमा होना मानव शरीर के लिए खतरनाक हो सकता है। शरीर में पानी की कमी से गुर्दे की पथरी यानी किडनी स्टोन बन सकती हैं। ये पत्थर या तो मटर के आकार के हो सकते हैं या गोल्फ की गेंद जितने बड़े हो सकते हैं। पथरी आमतौर पर कैल्शियम ऑक्सालेट और कुछ अन्य यौगिकों से बने होते हैं और इनकी बनावट क्रिस्टल होती है।

गुर्दे की पथरी बनने से वजन कम होने, बुखार, मतली, रक्तमेह और पेट के निचले हिस्से में गंभीर दर्द के साथ पेशाब करने में परेशानी हो सकती है। गुर्दे की पथरी ज्यादातर सर्जरी द्वारा हटा दी जाती है। लेकिन कुछ प्रभावी और प्राकृतिक तरीके हैं जिनके जरिए किडनी की पथरी को बाहर निकालने में मदद मिल सकती है।

नींबू का रस

नींबू के रस और जैतून के तेल का मिश्रण सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है लेकिन यह किडनी की पथरी को शरीर से बाहर निकालने का एक बहुत ही प्रभावी घरेलू उपाय साबित हो सकता है। जो लोग अपनी किडनी से पथरी को प्राकृतिक रूप से हटाना चाहते हैं उन्हें इस तरल को रोजाना तब तक पीना चाहिए जब तक कि पथरी निकल न जाए। जबकि नींबू का रस गुर्दे की पथरी को तोड़ने में मदद करता है, जैतून का तेल बिना किसी समस्या या जलन के सिस्टम से गुजरने के लिए लुब्रिकेंट के रूप में कार्य करता है।

खूब पानी पिएं

जल को जीवन का अमृत माना गया है। यह हाइड्रेशन के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है। पानी गुर्दे को खनिजों और पोषक तत्वों को भंग करने में मदद करता है, और पाचन और अवशोषण की प्रक्रिया को तेज करता है। पानी शरीर से अनावश्यक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है जिससे किडनी को और नुकसान हो सकता है। जिन लोगों को गुर्दे की पथरी है उन्हें इन पत्थरों को पेशाब के माध्यम से बाहर निकालने के लिए दिन में 7-8 गिलास पानी पीने की सलाह दी जाती है।

सेब का सिरका

सेब के सिरके में साइट्रिक एसिड होता है जो किडनी स्टोन को छोटे-छोटे कणों में तोड़ने और घुलने की प्रक्रिया में मदद करता है। यह मूत्रमार्ग के माध्यम से गुर्दे की पथरी को हटाने में मदद करता है। सेब के सिरके का सेवन विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और किडनी को भी साफ करने में मदद करता है। दो बड़े चम्मच सेब का सिरका रोजाना गर्म पानी के साथ तब तक लिया जा सकता है जब तक कि किडनी से पथरी पूरी तरह से निकल न जाए।

कॉर्न हेयर या कॉर्न सिल्क

मक्के के बाल या मक्के का रेशम मक्के की भूसी में पाया जाता है और आमतौर पर इसे फेंक दिया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि किडनी स्टोन को सिस्टम से बाहर निकालने के मामले में यह बेहद कारगर है। मक्के के बालों को पानी में उबालकर बाद में छानकर सेवन किया जा सकता है। यह नए पत्थरों के निर्माण को भी रोकता है और एक मूत्रवर्धक है जो मूत्र के प्रवाह को बढ़ाता है। मकई के बाल गुर्दे की पथरी के साथ होने वाले दर्द को कम करने में भी मदद करते हैं।

अनार का रस

नेशनल किडनी फाउंडेशन के अनुसार, अनार कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। अनार का रस सबसे अच्छे प्राकृतिक पेय में से एक है जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद कर सकता है। यह गुर्दे की पथरी को प्राकृतिक रूप से दूर करने में मदद करता है। इसमें अच्छे एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने में मदद करते हैं।

सुबह की शुरुआत करने के लिए बेस्ट ड्रिंक है शहद-पानी

सुबह की शुरुआत अक्सर लोग चाय-कॉफी से करते हैं। हालांकि कुछ लोग वजन घटाने के लिए शहद का पानी पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये पानी कई तरह से आपकी हेल्थ के लिए फायदेमंद है। शहद में एंटी इंफ्लामेटरी, औषधीय और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो अलग बीमारियों को दूर कर सकते हैं। इसके अलावा भी ये काफी तरह से फायदेमंद हो सकता है।

इम्यूनिटी के लिए बेहतरीन

शहद में फाइबर होता है ऐसे में ये पाचन के लिए अच्छा साबिक होता है। शहद का पानी सूजन को कम करता है और आपके पाचन में सुधार करता है। यह हमारे शरीर में मौजूद हानिकारक केमिकल की मात्रा को कम करता है जो ब्लोटिंग और गैस के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके अलावा शहद एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है जो हमारी इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मदद कर सकता है।

सामान्य सर्दी जुकाम छू मंतर

अध्ययनों से पता चला है कि एक गिलास गर्म शहद का पानी पीने से सामान्य सर्दी, बुखार और खांसी से बचा जा सकता है। ऐसे में आप हर सुबह इस जादुई मिश्रण को पी सकते हैं। तेजी से वजन घटाने के लिए बेस्ट है लौकी का पानी, यहां सीखें बनाने का तरीका

वजन घटाने में मददगार

ज्यादातर मामलों में, वजन बढ़ने से खराब पाचन, कब्ज, स्लो मेटाबॉलिज्म और पाचन संबंधी दूसरी समस्याएं होती हैं। शहद का पानी इन सभी समस्याओं से लड़ता है और आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है, जो आपको वजन कम करने में मदद करता है। इसी के साथ खाली पेट एक गिलास गर्म शहद का पानी पीना से आपके शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालने में मदद मिलती है।

दिल की बीमारी में फायदेमंद

शहद का पानी पीने से शरीर में ब्लड के थक्कों को बनने से रोका जा सकता है। अगर आप अपने ब्लड प्रेशर, हाइपरटेंशन और कोलेस्ट्रॉल को कम करना चाहते हैं, तो अपने दिन की शुरुआत इस जादुई ड्रिंक से करें।

डल और ड्राई स्किन होगी दूर

डिहाईड्रेशन आपकी स्किन को डल और ड्राई बना सकता है। इसलिए, सुबह सही मात्रा में पानी पीने से आपकी त्वचा दिन भर फ्रेश और सॉफ्ट दिखेगी।

कैसे बनाएं शहद का पानी

इसे बनाने के लिए एक पैन में एक गिलास पानी गर्म करें। फिर इसमें एक बड़ा चम्मच शहद डालकर अच्छी तरह मिला लें। अच्छे रिजल्ट के लिए आप इसमें 1 चम्मच नींबू का रस भी मिला सकते हैं। इस ड्रिंक को रोज सुबह खाली पेट पिएं।

30 जून तक जरूर कराएं ई-केवाईसी, तभी मिलेगी महतारी वंदन योजना की अगली किस्त

कोरिया – महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों के लिए ई-केवाईसी कराना अब अनिवार्य हो गया है। शासन के निदेर्शानुसार ई-केवाईसी की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी से मिली जानकारी के मुताबिक निर्धारित तिथि तक प्रक्रिया पूरी नहीं करने वाले हितग्राहियों को जुलाई माह से मिलने वाली सहायता राशि का भुगतान नहीं किया जाएगा। हितग्राहीमूलक योजनाओं के लाभार्थियों का ई- केवाईसी कराया जा रहा है। इसी क्रम में महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों के लिए 03 अप्रैल 2026 से जिले की ग्राम पंचायतों और शहरी वार्डों में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) ऑपरेटरों द्वारा निःशुल्क शिविर आयोजित कर ई-केवाईसी की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जिले में महतारी वंदन योजना के कुल 58,982 हितग्राही पंजीकृत हैं। इनमें से 55,880 हितग्राहियों का ई-केवाईसी सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा चुका है, जबकि 3,102 हितग्राहियों का ई-केवाईसी अभी भी लंबित है।

न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से मिली राहत - एक सप्ताह में छात्रवृत्ति संबंधी शिकायत का निराकरण

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से दर्ज कराई गई पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति भुगतान संबंधी शिकायत का मात्र 1 सप्ताह के भीतर निराकरण होने पर छात्र ने राहत की सांस ली है। त्वरित कार्रवाई से न केवल छात्र की समस्या का समाधान हुआ, बल्कि शासन की जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता और जवाबदेही भी सामने आई है।

प्रदेश के आम नागरिकों की शिकायतों का शीघ्र, पारदर्शी एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 लगातार लोगों के लिए भरोसेमंद माध्यम साबित हो रही है। इसी क्रम में मनेंद्रगढ़ निवासी साकेत जलतारे ने पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की राशि प्राप्त नहीं होने की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत प्राप्त होते ही प्रकरण को संबंधित आदिम जाति विकास विभाग को भेजा गया। विभागीय अधिकारियों ने मामले का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की और शिकायत का निराकरण निर्धारित समयावधि के भीतर करते हुए छात्रवृत्ति भुगतान संबंधी समस्या का समाधान सुनिश्चित किया। शिकायत के निराकरण के बाद मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से हितग्राही से फीडबैक लिया गया। इस दौरान साकेत जलतारे ने बताया कि उनकी समस्या पूरी तरह हल हो चुकी है और वे विभाग द्वारा की गई कार्रवाई से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से उनकी शिकायत पर तत्परता से कार्रवाई की गई, जिससे उन्हें समय पर राहत मिली।

प्री पॉलिटेक्निक टेस्ट के बिना ही एडमिशन, फिर भी नहीं मिल रहे छात्र, शासकीय पॉलिटेक्निक कोरिया की 68 प्रतिशत सीटें खाली

कोरिया बैकुंठपुर। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों का रुझान लगातार घटता नजर आ रहा है। इसका ताजा उदाहरण शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज कोरिया में देखने को मिल रहा है, जहां इस बार प्री पॉलिटेक्निक टेस्ट (पीपीटी) के बिना डायरेक्ट एडमिशन की सुविधा दिए जाने के बावजूद अधिकांश सीटें खाली हैं। कॉलेज प्रबंधन सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से लगातार प्रचार-प्रसार कर रहा है, लेकिन इसके बाद भी छात्रों की संख्या उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ रही है।

कॉलेज से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रथम वर्ष में सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल ब्रांच की कुल 90 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें अब तक केवल 29 छात्रों ने एडमिशन लिया है। सिविल इंजीनियरिंग में 10, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 7 और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 12 छात्रों ने दाखिला लिया है। यानी कुल 61 सीटें अभी भी खाली हैं, जो लगभग 68 प्रतिशत के बराबर है। एडमिशन प्रोसेस 30 जून तक जारी रहेगा।

कॉलेज के अध्यापक मनीष जी. ने बताया कि इस वर्ष छात्रों को अधिक अवसर देने के उद्देश्य से बिना पीपीटी के ही एडमिशन दिया जा रहा है। साथ ही कॉलेज परिसर में पंजीयन के लिए जानकारी उपलब्ध कराने के लिए निःशुल्क सहायता की व्यवस्था भी की गई है। फॉर्म भरने से लेकर दस्तावेज अपलोड करने तक में विद्यार्थियों की मदद की जा रही है, ताकि कोई भी छात्र तकनीकी कारणों से वंचित न रहे। इसके बावजूद एडमिशन का आंकड़ा संतोषजनक नहीं है।

गौरतलब है कि पिछले वर्षों में पॉलिटेक्निक कॉलेजों में एडमिशन के लिए पीपीटी अनिवार्य होता था और बेहतर रैंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को ही सीट मिल पाती थी। उस समय सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा भी देखने को मिलती थी। लेकिन इस बार प्रवेश परीक्षा की बाध्यता समाप्त होने के बावजूद सीटें खाली रहना चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले चिरमिरी, मनेन्द्रगढ़ और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में छात्र कोरिया पॉलिटेक्निक कॉलेज में एडमिशन लेने आते थे। लेकिन अब उन क्षेत्रों में भी शासकीय तकनीकी संस्थान और कॉलेज शुरू हो गए हैं। इसके कारण विद्यार्थियों को अपने नजदीक ही विकल्प मिल रहे हैं और कोरिया कॉलेज में एडमिशन लेने वालों की संख्या में गिरावट आई है। हालांकि

तकनीकी शिक्षा के प्रति घटती रुचि और क्षेत्र में बढ़े शैक्षणिक विकल्पों के बीच शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज कोरिया में खाली पड़ी सीटें उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के बदलते परिदृश्य की ओर इशारा कर रही हैं।

सोशल मीडिया पर कर रहे प्रचार

कॉलेज प्रबंधन द्वारा सोशल मीडिया पर जारी प्रचार सामग्री में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, निःशुल्क सहायता, अनुभवी फैकल्टी, आधुनिक लैब, वर्कशॉप, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट सपोर्ट जैसी सुविधाओं को प्रमुखता से बताया जा रहा है। बावजूद इसके एडमिशन की रफ्तार धीमी बनी हुई है।

एडमिशन की स्थिति :-

प्रथम वर्ष – सिविल इंजीनियरिंग झ 10/30
मैकेनिकल इंजीनियरिंग झ 7/30
इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग झ 12/30
कुल एडमिशन – 29/90
लेटरल एंट्री – सिविल – 01
इलेक्ट्रिकल – 04
मैकेनिकल – 00
कुल – 05

कांसा थाली एक्यूप्रेशर मशीन की सुविधा शुरू, स्वास्थ्य जागरूकता को मिलेगा बढ़ावा

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। शहर में स्वास्थ्य जागरूकता एवं वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के प्रति बढ़ती रुचि के बीच आम नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी अतिरिक्त सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक नई पहल की गई है। राजस्थान भवन में संचालित योग धारा कार्यक्रम के दौरान कांसा थाली एक्यूप्रेशर मशीन के उपयोग को लेकर लोगों में बढ़ी रुचि को देखते हुए बालाजी मेडिकल स्टोर्स के संचालक विजय अग्रवाल ने अपने प्रतिष्ठान में इस मशीन की व्यवस्था की है।

पंजाब नेशनल बैंक के सामने स्थित बालाजी मेडिकल स्टोर्स में स्थापित इस मशीन का शुभारंभ नगर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता श्याम सुंदर पोद्दार, अशोक बोंदिया सहित अनेक वरिष्ठ नागरिक, समाजसेवी एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिक मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार कांसा थाली एक्यूप्रेशर मशीन शरीर के विभिन्न बिंदुओं पर दबाव आधारित तकनीक के माध्यम से कार्य करती है। एक्यूप्रेशर पद्धति को लेकर यह माना जाता है कि इसके नियमित उपयोग से शरीर में रक्त संचार को बेहतर बनाने, तनाव कम करने तथा सामान्य शारीरिक सक्रियता को बढ़ावा देने में सहायता मिल सकती है। हालांकि किसी भी गंभीर बीमारी के उपचार के लिए चिकित्सकीय परामर्श एवं नियमित चिकित्सा को प्राथमिकता देना आवश्यक है। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में अनियमित दिनचर्या और बदलती जीवनशैली के कारण लोगों में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। ऐसे में योग, प्राकृतिक चिकित्सा, नियमित व्यायाम तथा एक्यूप्रेशर जैसी पूरक स्वास्थ्य पद्धतियां लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। उन्होंने विजय अग्रवाल द्वारा आमजन की सुविधा के लिए की गई इस पहल की सराहना करते हुए इसे स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने की दिशा में सकारात्मक कदम बताया।

आंसुओं से उम्मीद तक - महिला आयोग की जनसुनवाई में कई महिलाओं को मिली राहत

खदान हादसे में पति खो चुकी महिला की व्यथा ने झकझोरा

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। महिलाओं को त्वरित न्याय, सुरक्षा और सम्मान दिलाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की अध्यक्षता में बुधवार को महिला आयोग की जनसुनवाई आयोजित की गई। प्रदेश स्तर पर यह आयोग की 403वीं तथा जिला स्तर पर दूसरी सुनवाई थी। सुनवाई के दौरान महिलाओं की पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याओं से जुड़े कुल 11 प्रकरणों पर विचार किया गया, जिनमें 5 मामलों का निराकरण कर उन्हें नस्तीबद्ध किया गया।

सुनवाई के दौरान कई ऐसे मामले सामने आए जिन्होंने महिलाओं के संघर्ष, पीड़ा और न्याय की उम्मीद को सामने रखा। इनमें सबसे मार्मिक मामला उस महिला का रहा, जिसने खदान दुर्घटना में अपने पति को खो दिया और आज भी न्याय तथा अपने अधिकारों की प्रतीक्षा कर रही है। आवेदिका ने आयोग को बताया कि उसके पति नर्मदा सिंह वेस्ट कॉलरी चिरमिरी में कार्यरत थे और खदान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। पति की असामयिक मृत्यु के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। 2 बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी अकेले संभाल रही महिला को न तो अब तक दुर्घटना मुआवजा मिला और न ही स्थायी रोजगार। अनुकंपा नियुक्ति के स्थान पर उसे ठेका श्रमिक के रूप में कार्य दिया गया था, जिसे भी नवंबर 2025 में समाप्त कर दिया गया। आयोग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जानकारी जुटाकर प्रस्तुत करने तथा महिला को पुनः कार्य उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि यदि एसईसीएल द्वारा मुआवजा भुगतान नहीं किया गया है तो आयोग आवश्यक अनुशंसा करेगा।

घरेलू हिंसा से जुड़े एक अन्य मामले में विवाहिता ने आयोग के समक्ष अपने वैवाहिक जीवन की कठिन परिस्थितियों को साझा किया। वर्ष 2009 में हुए विवाह से 2 संतानों की मां बनी महिला ने बताया कि लगातार बढ़ते पारिवारिक विवादों के कारण वह अपने बच्चों के साथ अलग रहने को विवश है। आयोग ने दोनों पक्षों के बीच समझौते का प्रयास किया, लेकिन महिला ने साथ रहने से इंकार कर दिया। इसके बाद विधिक प्रक्रिया और आगे के सुलह प्रयासों की सलाह देते हुए मामला नस्तीबद्ध कर दिया गया।

भरण-पोषण से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में एक महिला ने अपनी 10 वर्षीय बेटी के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त की। उसने बताया कि बच्ची की शिक्षा और पालन-पोषण का पूरा भार उसी पर है, जबकि पिता पर्याप्त आय होने के बावजूद किसी प्रकार की आर्थिक सहायता नहीं दे रहे हैं। महिला ने 15 हजार रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए आयोग ने अगली सुनवाई 8 जुलाई को बिलासपुर में निर्धारित की है तथा सभी पक्षों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा राजीनामा हो जाने, न्यायालय में मामला विचाराधीन होने अथवा संपत्ति विवाद से जुड़े मामलों में आयोग ने आवश्यक कानूनी सलाह प्रदान करते हुए संबंधित प्रकरणों का निराकरण किया।

सुनवाई के पश्चात महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने कहा कि आयोग महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और उन्हें न्याय दिलाने के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार है और आयोग का प्रयास है कि पीड़ित महिलाओं को समयबद्ध राहत और न्याय मिल सके।

नगर पालिका शिवपुर-चरचा में विकास कार्यों पर उठे सवाल, अनियमितताओं के आरोप

कोरिया बैकुंठपुर – कोरिया जिले की नगर पालिका शिवपुर-चरचा में कराए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों द्वारा विकास कार्यों में भारी अनियमितताओं, गुणवत्ता में कमी तथा ठेकेदारों की मनमानी के आरोप लगाए जा रहे हैं। आरोपों के बाद क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति बन गई है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग जोर पकड़ने लगी है।

जानकारी के अनुसार नगर पालिका क्षेत्र में सड़क निर्माण, नाली निर्माण, सीसी रोड, सामुदायिक भवन सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़े कई कार्य पिछले कुछ समय से कराए जा रहे हैं। इन कार्यों पर करोड़ों रुपये की राशि खर्च की गई है, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि अधिकांश निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों और गुणवत्ता के अनुरूप नहीं किए गए हैं। नागरिकों का कहना है कि कई स्थानों पर निर्माण कार्य पूरा होने के कुछ ही समय बाद सड़कें उखड़ने लगी हैं, नालियों में दरारें दिखाई दे रही हैं और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता भी संदेह के घेरे में है। लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्यों में मानक के अनुरूप सामग्री का उपयोग नहीं किया गया, जिसके कारण कार्यों की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। स्थानीय रहवासियों ने यह भी आरोप लगाया है कि कुछ ठेकेदारों द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए मनमाने तरीके से कार्य कराए गए हैं। लोगों का कहना है कि विकास कार्यों की नियमित निगरानी नहीं होने से ठेकेदारों को खुली छूट मिल गई है। वहीं कुछ नागरिकों ने कमीशनखोरी के आरोप भी लगाए हैं और कहा है कि इसी कारण गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य नहीं हो पा रहे हैं। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि नगर पालिका क्षेत्र में हुए सभी विकास कार्यों की तकनीकी जांच कराई जाए। उनका कहना है कि यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या वित्तीय गड़बड़ी सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। नागरिकों का यह भी कहना है कि विकास कार्य जनता के टैक्स और सरकारी निधि से किए जाते हैं, इसलिए प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। यदि निर्माण कार्यों में लापरवाही बरती गई है तो इसकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इधर, मामले को लेकर क्षेत्र में जनआक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। लोग सोशल मीडिया और विभिन्न मंचों के माध्यम से अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं तथा प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। नागरिकों का मानना है कि समय रहते जांच नहीं हुई तो सरकारी धन के दुरुपयोग और घटिया निर्माण कार्यों की शिकायतें और बढ़ सकती हैं। अब लोगों की निगाहें जिला प्रशासन और संबंधित विभागों पर टिकी हुई हैं। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, ताकि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।

फिटनेस और बीमा विहीन शासकीय वाहन सड़कों पर! देवगढ़ वन परिक्षेत्र की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

कोरिया बैकुंठपुर। जिले के देवगढ़ वन परिक्षेत्र में संचालित शासकीय वाहन को लेकर इन दिनों चचार्ओं का दौर तेज हो गया है। आरोप है कि वन विभाग का यह विभागीय वाहन लंबे समय से बिना वैध फिटनेस प्रमाणपत्र और बीमा के सड़कों पर संचालित किया जा रहा है। मामले के सामने आने के बाद विभागीय कार्यप्रणाली तथा नियमों के पालन को लेकर कई सवाल खड़े होने लगे हैं। जानकारों के अनुसार मोटरयान अधिनियम के तहत किसी भी वाहन के लिए फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा, पंजीयन सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों का वैध होना अनिवार्य है। इन दस्तावेजों की अनुपस्थिति में वाहन का संचालन नियमों के विरुद्ध माना जाता है। आम नागरिकों के वाहनों की जांच कर यातायात एवं परिवहन विभाग द्वारा नियमित कार्रवाई की जाती है। ऐसे में यदि किसी शासकीय वाहन के दस्तावेज समय पर नवीनीकृत नहीं किए गए हैं, तो यह मामला गंभीर माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभागीय वाहन वर्षों से आवश्यक औपचारिकताओं की अनदेखी करते हुए उपयोग में लाया जा रहा है। उनका कहना है कि यदि वाहन वास्तव में बिना वैध फिटनेस और बीमा के संचालित हो रहा है, तो यह न केवल नियमों की अवहेलना है बल्कि सड़क सुरक्षा की दृष्टि से भी चिंता का विषय है। किसी भी दुर्घटना की स्थिति में तीसरे पक्ष को मिलने वाले मुआवजे, बीमा दावों तथा जिम्मेदारी निर्धारण को लेकर जटिल स्थिति उत्पन्न हो सकती है। मामले को लेकर यह चर्चा भी सामने आ रही है कि विभागीय वाहनों के रखरखाव, ईंधन और मरम्मत पर प्रतिवर्ष राशि व्यय की जाती है, लेकिन वाहन के आवश्यक दस्तावेजों के नवीनीकरण जैसे मूलभूत कार्यों पर पर्याप्त ध्यान क्यों नहीं दिया गया। इस सवाल ने विभागीय निगरानी व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है। क्षेत्र के नागरिकों और सामाजिक कार्यकताओं ने मांग की है कि संबंधित वाहन के समस्त दस्तावेजों की स्वतंत्र जांच कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जाए। यदि जांच में यह प्रमाणित होता है कि वाहन बिना वैध फिटनेस और बीमा के संचालित किया जा रहा था, तो संबंधित अधिकारियों एवं जिम्मेदार कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। फिलहाल इस मामले को लेकर वन विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि शासन के नियम सभी के लिए समान होने चाहिए और शासकीय विभागों को स्वयं नियमों का पालन कर आम जनता के लिए उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव, नवप्रवेशी विद्यार्थियों का हुआ आत्मीय स्वागत

भैयाथान, सूरजपुर। शासकीय हाई स्कूल सोनपुर (सु.), विकासखंड भैयाथान, जिला सूरजपुर में बुधवार को शाला प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की सहभागिता से उत्सव का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री शिवनाथ पैकरा थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में बीडीसी प्रतिनिधि श्री महेंद्र सिंह मार्को एवं सांसद प्रतिनिधि श्री रामसाय उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती मिनी पाणिकर ने की। इस अवसर पर प्राथमिक शाला सोनपुर, माध्यमिक शाला सोनपुर एवं हाई स्कूल सोनपुर के नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, पुष्प अर्पित कर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को शासन की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों, गणवेश, कॉपी एवं पेन का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं विद्यालय से सतत जुड़े रहने की प्रेरणा देते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन में सफलता और उज्ज्वल भविष्य का सशक्त आधार है। अतिथियों ने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। विद्यालय परिवार की ओर से सभी नवप्रवेशी विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत करते हुए उनके सफल, समृद्ध एवं उज्ज्वल शैक्षणिक जीवन की मंगलकामनाएं व्यक्त की गईं। कार्यक्रम में व्याख्याता श्री राम सिंह पैकरा, श्री अनुपम कुशवाहा, श्रीमती प्रियंका यादव, श्रीमती आरती सिंह, श्रीमती अमृता सिंह, श्री रूपनारायण पैकरा, श्रीमती संध्या कुशवाहा, प्रधान पाठक श्रीमती पद्मावती, सुश्री अंजू टोप्पो सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

न्यायालय तहसीलदार, उदयपुर जिला सरगुजा (छ0ग0)
:: ईश्तहार ::

रा०प्र०क्र. /अ-6-अ/2025-26
ग्राम- झिरमिठी, प०ह०न० 20
तहसील उदयपुर

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका वन्दना गुप्ता पुत्री ज्ञानचन्द निवासी ग्राम अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०) द्वारा ग्राम झिरमिठी स्थित भूमि ख0न0 253/72 रकबा 0.057 हे० भूमि को पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से दिनांक 11.05.2007 को विक्रेतागण श्रीमती विमला देवी पत्नी गोविन्द एवं श्रीमती रतनी गोयल पत्नी रमेश गोयल, दोनो जाति अग्रवाल निवासी ग्राम उदयपुर, पोस्ट उदयपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०) से क्रय किया गया था। उक्त क्रयशुदा भूमि नामांतरण पंजी क्र. 12, दिनांक 21.06.2007 में दर्ज है। साथ ऋण पुस्तिका में भी खसरा नंबर दर्ज है। आवेदिका द्वारा वर्तमान राजस्व अभिलेख में उक्त क्रयशुदा भूमि विक्रेता के नाम पर ही दर्ज होने के कारण उक्त क्रय की गई भूमि को आवेदिका द्वारा स्वयं के नाम पर दर्ज किये जाने हेतु छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115 के तहत् आवेदन मय विक्रय पत्र की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज सहित न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी तिथि 14/07/2026 के पूर्व दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि उपरान्त दावा/आपत्ति प्राप्त होने पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा द्वारा जारी।

तहसीलदार
उदयपुर, सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार सीतापुर, जिला सरगुजा (छत्तीसगढ़)
ग्राम सोनतराई
ईश्तहार (उद्घोषणा)

समस्त हितबद्ध पक्षकार को सूचित किया जाता है कि ग्राम सोनतराई में स्थित शासकीय भूमि ख०नं० 1396/2 रकबा 1.017 हे0 में से रकबा 2.00 एकड भूमि, विभागीय प्री मैट्रिक/पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जनजाति कन्या/बालक छात्रावास एवं आदिवासी कन्या/बालक आश्रम के भवन निर्माण हेतु भूमि आवंटन करने हेतु सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के द्वारा पत्र कमांक-आ०वि०/ निर्माण/2025/4274/2026 अम्बिकापुर, दिनांक 12.11.2025 को माननीय कलेक्टर सरगुजा, छ०ग० के समक्ष मांग किया गया है। जो कि जांच एवं प्रतिवेदनार्थ हेतु माननीय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) सीतापुर के माध्यम से प्राप्त हुआ है। हल्का पटवारी के द्वारा ख0नं0 1396/2 में से रकबा 0.607 हे० भूमि का स्थल चयन कर, प्रस्तावित नक्शा प्रस्तुत किया गया है तथा ग्राम पंचायत सोनतराई के द्वारा प्रस्ताव क्रमांक 11 दिनांक 12.02.2026 द्वारा प्रस्तावित किया गया है।

इस संबंध में किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो लिखित में स्वयं या अपने अधिवक्ता के द्वारा दावा/आपत्ति दिनांक 07/07/2026 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 19/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
सीतापुर
जिला-सरगुजा (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला सरगुजा (छ0ग0)
// ईश्तहार//

लखनपुर, दिनांक 24.06.2026
अ-6/प०ह०न0-11

एतद द्वारा सर्व साधारण ग्राम कुंवरपुर के आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनुराग दास आ. तिलक दास उम्र 19 वर्ष, जाति पनिका निवासी ग्राम कुंवरपुर, तहसील लखनपुर, जिला सरगुजा छ.ग. द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक द्वारा ग्राम कुंवरपुर स्थित भूमि खसरा नं. 100/4 रकबा 0.615 हे. भूमि को रजिस्टर्ड वसीयतनामा दिनांक 05/09/2013 के आधार पर आवेदक का नाम दर्ज किया जावे। जिस संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आगामी पेशी दिनांक 14/07/2026 के पूर्व इस न्यायालय में अपना दावा आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
लखनपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-.../20 (1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आशीष गुप्ता आ०/पति कृष्ण चन्द्र गुप्ता जाति निवासी मकान नं० 8, अग्रसेन चौक के पास अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा मोहल्ला सदर रोड़, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2841/1, 2842/1 रकबा 0.04 3/4, 0.10 3/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 15/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक 24/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-.../20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका ब्रम्हा कंसारी आ०/पति महासेनो कंसारी सारी जाति निवासी तिवारी बिल्डिंग के पास आर०के० ट्रेडर्स के सामने केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-केदारपुर, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 146/2, 147/2 रकबा 316,875 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 03.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०- ..../20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका महासेनो साव आ०/पति वृन्दावन कंसारी जाति, निवासी तिवारी बिल्डिंग के पास आर०के० ट्रेडर्स के सामने केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-केदारपुर, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 145/2, 151/3, 151/2 रकबा 0.04 1/4, 0.004 1/2, 0.04 एकड़, हे० भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक - 03.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

अमेजन अपनी क्विक कॉमर्स सर्विस नाउ को 300 भारतीय शहरों तक पहुंचाएगी

नईदिल्ली,25 जून। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने भारत में अपनी क्विक डिलीवरी सेवा अमेजन नाउ का बड़ा विस्तार करने की घोषणा की है। कंपनी अब इस सेवा को 300 से अधिक शहरों तक पहुंचाने की तैयारी कर रही है। इससे पहले अप्रैल में अमेजन ने इसे 100 शहरों तक ले जाने की योजना बताई थी। कंपनी भारत में कारोबार को मजबूत करने के लिए 2,800 करोड़ रुपये का निवेश भी कर रही है और क्विक कॉमर्स क्षेत्र में अपनी पकड़ बढ़ाना चाहती है। अमेजन ने कहा कि नाउ उसके भारत कारोबार की सबसे तेजी से बढ़ने वाली इकाई बन गई है। लॉन्च के बाद से इसके ऑर्डर हर तिमाही में दोगुने हो रहे हैं। यह सेवा अभी बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, अमृतसर और कोच्चि समेत 15 से अधिक शहरों में उपलब्ध है। कंपनी के अनुसार, 5 करोड़ से ज्यादा ग्राहक इस सेवा का इस्तेमाल कर सकते हैं और मिनटों में जरूरी सामान मंगा रहे हैं।

Sport अम्बिकावाणी 07
अम्बिकापुर , शुक्रवार 26 जून , 2026

आईसीसी रैंकिंग: शुभमन गिल वनडे में दूसरे स्थान पर पहुंचे, मैट हेनरी बने नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज

नईदिल्ली,25 जून। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने खिलाडि ?ों की रैंकिंग जारी की है, जिसमें भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल को फायदा हुआ है। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ संपन्न हुई वनडे सीरीज में कमाल की बल्लेबाजी करने वाले गिल अब 50 ओवर प्रारूप में दूसरी रैंकिंग वाले बल्लेबाज बने हैं। टेस्ट में जो रूट और मैट हेनरी क्रमशः बल्लेबाजी और गेंदबाजी में शीर्ष स्थान हासिल किए। आइए रैंकिंग पर एक नजर डालते हैं।

गिल को 3 पायदान का फायदा हुआ है। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में गिल ने 2 पारियों में 238.00 की औसत और 135.22 की स्ट्राइक रेट के साथ 238 रन बनाए थे। उन्होंने धर्मशाला वनडे में नाबाद 84 रन बनाए और इसके बाद लखनऊ वनडे में बड़ा शतक (154) लगाया था। चेन्नई में हुए सीरीज के तीसरे वनडे में उन्हें बल्लेबाजी नहीं मिली थी। वहीं, विराट कोहली एक पायदान के नुकसान के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी टेस्ट प्रारूप में संयुक्त रूप से नंबर-1 गेंदबाज बने हैं। उन्होंने भारत के दिग्गज जसप्रीत बुमराह की बराबरी की है। बता दें कि बुमराह और हेनरी के 870 रेटिंग अंक हैं। हेनरी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे ओवल टेस्ट में कुल 11 विकेट (5/80 और 6/29) चटकाए थे। इस प्रदर्शन का फायदा उन्हें टेस्ट रैंकिंग में हुआ है। हेनरी ने 6 पायदान की बड़ी छलांग लगाई है।

जो रूट ने ओवल टेस्ट में 46 और 77 रन की पारियां खेलीं थी। वह एक बार फिर बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हो गए हैं। उन्होंने अपने साथी खिलाड़ी हैरी ब्रूक और ट्रेविस हेड को पीछे छोड़ते हुए ये मुकाम हासिल किया है। रूट के अब 871 रेटिंग अंक हैं। वहीं, ब्रूक 866 रेटिंग अंको के साथ दूसरे और हेड 853 रेटिंग अंको के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स और हेनरी निकोल्स को भी फायदा हुआ है। इन दोनों बल्लेबाजों ने ओवल टेस्ट में शतक लगाए थे। फिलिप्स 8 पायदान ऊपर चढ़कर 31वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि निकोल्स 13 पायदान की छलांग लगाकर 40वें स्थान पर आ गए। वहीं, रचिन रवींद्र ने बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष-10 में वापसी की। गेंदबाजों में जोफ्रा आर्चर (50वें) और जैकब बेथेल (85वें) ने भी उल्लेखनीय बढ़त हासिल की।

छोटी खबरें

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने रचा इतिहास, 6 फीफा विश्व कप में गोल दागने वाले पहले खिलाड़ी बने

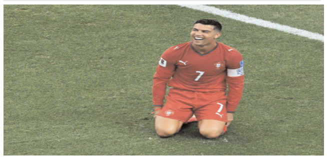

नईदिल्ली,25 जून। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फीफा विश्व कप 2026 में ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। 41 वर्षीय पुर्तगाली स्टार विश्व कप के 6 अलग-अलग संस्करणों में गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने उज्बेकिस्तान के खिलाफ ग्रुप-के मुकाबले में यह कारनामा किया। रोनाल्डो ने मैच के छठे और 39वें मिनट में गोल दागकर इतिहास रचा और अपनी टीम को शानदार शुरूआत दिलाई। पुर्तगाल के पहले मैच में रोनाल्डो कोई गोल नहीं कर पाए थे। रोनाल्डो ने 2006 विश्व कप में 21 साल की उम्र में डेब्यू किया था और तब से फुटबॉल के बड़े मंच पर लगातार अपनी छाप छोड़ते आए हैं। उन्होंने अपने पहले विश्व कप में पुर्तगाल के सेमीफाइनल तक पहुंचने के अभियान के दौरान पहला गोल दागा था। इसके बाद 2010 और 2014 विश्व कप में भी एक-एक गोल किया। 2018 विश्व कप उनके लिए सबसे यादगार रहा, जहां उन्होंने 4 गोल किए। 2022 में भी उन्होंने एक गोल दागा था। रोनाल्डो (41 साल 138 दिन) 40 वर्ष की उम्र पार करने के बाद विश्व कप में गोल करने वाले केवल दूसरे खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि कैमरून के रोजर मिला ने 1994 विश्व कप में हासिल की थी। रोनाल्डो पुर्तगाल के लिए विश्व कप में सबसे युवा और सबसे उम्रदराज गोल करने वाले खिलाड़ी भी हैं। डेनमार्क के माइकल लॉड्रप और अर्जेंटीना के लियोनल मेसी ही यह उपलब्धि हासिल करने वाले अन्य फुटबॉलर हैं। रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने अपना विश्व कप गोलों का आंकड़ा 10 तक पहुंचा दिया और महान फुटबॉलर यूसेबियो के 9 गोलों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यूसेबियो का यह कीर्तिमान करीब 60 वर्षों तक अटूट रहा था। अब रोनाल्डो ने उनका ये बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा है। इस सूची में पाउलेटा 4 गोल के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

फीफा विश्व कप 2026: पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को 5-0 से हराया, रोनाल्डो ने दागे 2 गोल

नईदिल्ली,25 जून। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-के मुकाबले में पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को 5-0 से हराकर टूनार्मेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। टीम की जीत के हीरो क्रिस्टियानो रोनाल्डो रहे, जिन्होंने 6वें और 39वें मिनट में गोल दागे। नूनो मेंडिस ने 17वें मिनट में और राफेल लेओ ने 87वें मिनट में गोल किया। वहीं, 60वें मिनट में अब्दुवोहिद नेमातोव के ओन गोल ने उज्बेकिस्तान की मुश्किलें और बढ़ा दीं। आइए मैच में बने प्रमुख रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।

रोनाल्डो ने मैच में एक ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली। 41 वर्षीय यह खिलाड़ी 6 विश्व कप में गोल करने वाला पहला खिलाड़ी बना। 2018 विश्व कप उनके लिए सबसे यादगार रहा था, जहां उन्होंने 4 गोल किए थे। रोनाल्डो (41 साल 138 दिन) 40 वर्ष की उम्र पार करने के बाद विश्व कप में गोल करने वाले केवल दूसरे खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि कैमरून के रोजर मिला ने 1994 विश्व कप में हासिल की थी।

रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने अपना विश्व कप गोलों का आंकड़ा 10 तक पहुंचा दिया और महान फुटबॉलर यूसेबियो के 9 गोलों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यूसेबियो का यह कीर्तिमान करीब 60 वर्षों तक अटूट रहा था। अब रोनाल्डो ने उनका ये बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा है। इस सूची में पाउलेटा 4 गोल के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

41 वर्षीय स्टार ने पूरे 90 मिनट खेलते हुए आक्रमण की कमान संभाली। उन्होंने 7 शॉट लगाए, जिनमें से 5 सीधे गोलपोस्ट की दिशा में रहे। वह विरोधी टीम के पेनल्टी बॉक्स में सबसे ज्यादा 10 बार पहुंचे, जिससे उनकी आक्रामक सोच साफ नजर आई। उन्होंने 19 में से 13 पास सफलतापूर्वक पूरे किए और लगातार डिफेंस पर दबाव बनाए रखा। यह प्रदर्शन दिखाता है कि रोनाल्डो आज भी बड़े मंच पर मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं।

मैच में पुर्तगाल ने गोल करने की 16 बार कोशिश की और 9 बार टारगेट पर शॉट लगाए। दूसरी तरफ उज्बेकिस्तान ने 7 बार गोल करने की कोशिश की और सिर्फ 2 बार ही टारगेट पर शॉट लगाया। इस रोचक मैच में जीतने वाली टीम के पास 66 प्रतिशत समय बॉल का कब्जा रहा। उज्बेकिस्तान ने 77 प्रतिशत एक्यूरेसी के साथ 282 पास पूरे किए। पुर्तगाल ने 606 पास किए, जिसमें उनकी एक्यूरेसी 92 प्रतिशत की रही।

फीफा विश्व कप 2026: घाना ने इंग्लैंड को गोलरहित ड्रॉ पर रोका

नईदिल्ली,25 जून। फीफा विश्व कप 2026 में इंग्लैंड फुटबॉल टीम अपने दूसरे मैच में जीत दर्ज नहीं कर सकी। दरअसल, घाना फुटबॉल टीम ने इंग्लैंड को गोलरहित ड्रॉ पर रोका। बोस्टन के जिलेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में इंग्लैंड का बॉल पर कब्जा ज्यादा रहा और उन्होंने कई मौके भी बनाए, लेकिन वे उन्हें गोल में नहीं बदल सके। इस ड्रॉ के चलते दोनों टीमों को 1-1 अंक से संतोष करना पड़ा।

पहले हाफ में दोनों टीमें बेरंग नजर आई, जिसमें एक भी गोल देखने को नहीं मिला। कोच थॉमस टुचेल की रणनीति वाली इंग्लिश टीम ने पहले हाफ में 78 प्रतिशत गेंद पर कब्जा रखा, लेकिन घाना की रक्षापंक्ति ने उन्हें प्रभावी मौके बनाने से रोका। इस बीच इंग्लैंड के पास कुछ मौके बने। डेक्लान राइस की फ्री-किक ऊपर गई और हैरी केन का शॉट डिफ्लेक्ट हुआ, पर कोई भी शॉट टारगेट पर नहीं लग सका। दूसरे हाफ में इंग्लैंड की ओर से एंटनी गॉर्डन, केन और बुकायो साका ने टारगेट पर 3 शॉट लगाए। सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान पर आए आर्सेनल के साका के शॉट को घाना के गोलकीपर ने बचाव किया। वहीं, निको ओराइली का हेडर गोलपोस्ट से टकराया और रिबाउंड पर केन ने गेंद को बहुत ऊपर मार दिया। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने प्रयास किए, लेकिन मैच में कोई गोल नहीं देखने को मिला। मैच ड्रॉ होने के बावजूद, इंग्लैंड 2 मैचों में 4 अंकों के साथ नॉकआउट स्टेज के लिए क्वालिफाई करने की राह पर बना हुआ है। हालांकि, अगर उन्हें ग्रुप-एल में शीर्ष पर रहना है, तो उन्हें अगले मैच में जीत दर्ज करनी होगी। थ्री लायंस शनिवार को अपने आखिरी ग्रुप मैच में पनामा का सामना करेंगे। बता दें कि इंग्लैंड और घाना, दोनों के ही 2 मैचों में 4 अंक हैं।

अर्जेंटीना, स्पेन और मैक्सिको की तरह घाना भी उन चुनिंदा टीमों में से एक है, जिन्होंने 2026 फीफा विश्व कप में अब तक कोई गोल नहीं खाया है।

फीफा विश्व कप 2026: क्रोएशिया ने पनामा को 1-0 से हराया

नईदिल्ली,25 जून। फीफा विश्व कप 2026 में क्रोएशिया फुटबॉल टीम ने पनामा फुटबॉल टीम को 1-0 से हराते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की। क्रोएशिया की ओर से आंटे बुदिमिर ने इकलौता गोल किया, जो निर्णायक साबित हुआ। यह पनामा की मौजूदा टूनार्मेंट में लगातार दूसरी हार साबित हुई। इस शिकस्त के साथ ही पनामा की टीम के राउंड ऑफ-32 में पहुंचने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा। अपने आखिरी ग्रुप मैच में पनामा को इंग्लैंड से भिड ?ा है।

पहले हाफ में पनामा ने आक्रामक शुरूआत की, जिसमें क्रोएशिया की टीम दबाव में नजर आई। पनामा की मजबूत रक्षापंक्ति ने क्रोएशिया के इवान पेरिसिच और लुका मोड्रिच जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के आक्रमण को रोका। इसी बीच शुरूआत में मैच धीमा और कम मौकों वाला रहा। मैच के 24वें मिनट में क्रिस्टियन मार्टिनेज ने फ्रीकिक हासिल की, जिसका वह फायदा नहीं उठा सके। लगातार प्रयासों के बीच पहला हाफ गोलरहित रहा। दूसरे हाफ की शुरूआत में क्रोएशिया ने रणनीतिक बदलाव किए, जिसमें बुदिमिर और क्रामारिच को मैदान पर उतारा। मैच के 54वें मिनट में स्टानिसिच के दाहिने छोर से शानदार क्रॉस पर बुदिमिर ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद क्रोएशिया ने दबाव बढ़ाया, लेकिन गोल करने के कई मौके बर्बाद हुए। आखिर में पनामा के जवाबी हमले के बावजूद मुकाबले में कोई और गोल नहीं देखने को मिला। मैच में क्रोएशिया ने गोल करने की 6 बार कोशिश की और 3 बार टारगेट पर शॉट लगाए। दूसरी तरफ पनामा ने 8 बार ही कोशिश की और सिर्फ 3 बार टारगेट पर शॉट लगाए।

---------------------------व्यापार जगत---------------------------

कच्चे तेल में गिरावट से उछला शेयर बाजार, सेंसेक्स 400 अंक चढ़कर खुला

मुंबई,25 जून। वैश्विक मोर्चे से मिले सकारात्मक संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी गिरावट के चलते गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार की शुरूआत शानदार बढ़त के साथ हुई. अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक शुरूआती शांति समझौते के बाद वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम हुई हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल घटकर 70 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है. इस बड़ी राहत से ओमान और ईरान के बीच स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों की आवाजाही फिर से सामान्य हो गई है, जिसने घरेलू बाजार की धारणा को मजबूत करने का काम किया.

बाजार खुलने के साथ ही बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स 400 अंकों यानी 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ 77,391.07 के स्तर पर खुला. वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी पीछे नहीं रहा और इसने 100 से अधिक अंकों की बढ़त दर्ज करते हुए 24,125.85 के स्तर पर अपने कारोबार की शुरूआत की.

शुरूआती कारोबार में चौतरफा खरीदारी देखने को मिली. अधिकांश सेक्टोरल सूचकांक हरे निशान में कारोबार करते नजर आए. बाजार की इस तेजी की अगुवाई निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो इंडेक्स ने की, जिसमें 1 प्रतिशत तक की बढ़त देखी गई. इसके अलावा निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी आईटी, निफ्टी फार्मा, निफ्टी ऑयल एंड गैस और एफएमसीजी सूचकांकों में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गई. दूसरी ओर, मेटल (धातु) शेयरों में आज मुनाफावसूली हावी रही. निफ्टी मेटल इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ शुरूआती सत्र का एकमात्र प्रमुख घाटे वाला सेक्टर रहा. शुरूआती कारोबार में हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, ओएनजीसी, इंफोसिस, टाटा स्टील और कोल इंडिया जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली का दबाव देखा गया. हालांकि, छोटे और मझोले शेयरों में जबरदस्त उत्साह रहा. निफ्टी माइक्रोकैप 250 में 0.87 प्रतिशत और निफ्टी मिडकैप 100 में 0.63 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई.

बाजार के विश्लेषकों का मानना है कि जब तक निफ्टी 24,000 के मनोवैज्ञानिक स्तर से ऊपर बना हुआ है, तब तक बाजार का तकनीकी रुझान सकारात्मक रहेगा. बाजार को नीचे की तरफ 23,900 पर पहला और 23,750-23,790 के क्षेत्र में दूसरा मजबूत सपोर्ट हासिल है. यदि निफ्टी ऊपरी स्तरों पर 24,090-24,150 के रेजिस्टेंस जोन को पार कर टिका रहता है, तो शॉर्ट-कवरिंग के चलते बाजार तेजी से 24,300 के स्तर की ओर बढ़ सकता है.

बिल गेट्स ने मानी निजी रिश्तों की बात, जेफरी एपस्टीन पर लगाया दबाव बनाने का आरोप

नईदिल्ली,25 जून। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने अमेरिकी कांग्रेस की एक समिति के सामने बंद कमरे में गवाही देते हुए बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि बदनाम फाइनेंसर जेफरी एपस्टीन ने उनकी निजी जिंदगी से जुड़ी जानकारी का इस्तेमाल कर उन पर दबाव बनाने की कोशिश की थी। गेट्स ने यह भी स्वीकार किया कि उनके कुछ निजी संबंध थे, जिनकी जानकारी एपस्टीन को थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि इनका एपस्टीन के साथ उनके संपर्क से कोई संबंध नहीं था।

गेट्स ने समिति को बताया कि एपस्टीन ने उन्हें कभी सीधे ब्लैकमेल नहीं किया, लेकिन उन्हें लगता है कि वह ऐसा करने की योजना बना रहा था। गेट्स के अनुसार, एपस्टीन के कुछ ईमेल ड्राफ्ट और संदेशों से ऐसा संकेत मिलता है कि वह उनकी निजी जानकारी का फायदा उठाकर दोबारा संपर्क बनाए रखने का दबाव बनाना चाहता था। उन्होंने कहा कि इसमें सच और झूठ दोनों तरह की बातें शामिल थीं।

गेट्स ने कहा कि वह चार वर्षों के दौरान एपस्टीन से करीब 12 से 14 बार मिले और दो बार वीडियो कॉल पर उसके साथ कुछ बात भी हुई। उनके अनुसार, इन मुलाकातों का मकसद परोपकारी कामों और संभावित दानदाताओं से जुड़ी चचार्एं ही थीं।

विमान किरायों में कमी की उम्मीद, ईंधन की कीमतें स्थिर रहने पर सर्चार्ज घटाने को कह सकती है सरकार

वाराणसी,25 जून। देश में हवाई सफर करने वाले यात्रियों के लिए आने वाले दिनों में राहत की बड़ी खबर आ सकती है. केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा है कि यदि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक स्थिर रहती हैं, तो केंद्र सरकार एयरलाइंस कंपनियों से हवाई किरायों पर लगने वाले सर्चार्ज और अतिरिक्त शुल्कों की समीक्षा करने और उन्हें कम करने के लिए कह सकती है. वाराणसी में नागरिक उड्डयन मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार विमान ईंधन की कीमतों पर लगातार और बारीक नजर रख रही है. उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में तेल की कीमतों में आई गिरावट टिकाऊ है या नहीं, इसका आकलन करने के लिए एयरलाइंस कंपनियों के साथ बातचीत चल रही है. केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा, पिछले चार महीने एयरलाइंस उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण रहे हैं. अब जब हम ईंधन की कीमतों में गिरावट देख रहे हैं, तो हमें यह परखना होगा कि यह कमी लंबे समय के लिए है या केवल कुछ समय का बदलाव है. एक बार जब हमें विश्वास हो जाएगा कि कीमतों में यह स्थिरता लंबी अवधि तक बनी रहेगी, तो हम एयरलाइंस से बात करेंगे. हमारा प्रयास होगा कि यात्रियों पर से सर्चार्ज और अतिरिक्त किरायों के बोझ को कम किया जाए. संकट से निपटने के लिए ?10,000 करोड़ का फंडपश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक संकट और वैश्विक तनाव के कारण विमानन क्षेत्र को भारी नुकसान उठाना पड़ा था. इस संकट से घरेलू एयरलाइंस को उबारने के लिए सरकार ने ?10,000 करोड़ का प्राइस स्टेबलाइजेशन फंड (मूल्य स्थिरता कोष) बनाया है. इस फंड के जरिए सरकार एयरलाइंस कंपनियों को वित्तीय संकट के समय जरूरी मदद और सहायता प्रदान कर रही है. नागरिक उड्डयन मंत्री ने बताया कि सरकार इस मुद्दे को कितनी गंभीरता से ले रही है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सरकार हर 15 दिन में वैश्विक कच्चे तेल के रुख के आधार पर विमान ईंधन की कीमतों की समीक्षा करती है. इसके अलावा, मौजूदा संकट को देखते हुए सरकार ने घरेलू विमान संचालकों के लिए एटीएफ की कीमतों की अधिकतम सीमा (कैपिंग) तय की है, हवाईअड्डा शुल्कों में कटौती की है और इमरजेंसी क्रेडिट लिंकेज गारंटी योजना के तहत वित्तीय सहायता को आगे बढ़ाया है.

गांवों में कचरा प्रबंधन की नई पहल, सेनेटरी व विशेष श्रेणी के अपशिष्ट का भी होगा संग्रहण ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आयोजित हुई कार्यशाला

कोरबा अम्बिकावाणी। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में अब सेनेटरी कचरे तथा विशेष देखभाल श्रेणी के अपशिष्टों के संग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर नगर पालिका निगम कोरबा के पंडित जवाहरलाल नेहरू सभागृह में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में यह जानकारी दी गई। कार्यशाला में जिले की प्रथम चरण में चयनित 65 ग्राम पंचायतों के पंचायत सचिवों, विभिन्न विकासखंडों के प्रतिनिधियों तथा बल्क वेस्ट जनरेटर श्रेणी से जुड़े हितधारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य अक्टूबर 2026 तक चयनित पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करना है। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश कुमार नाग ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गीले कचरे के प्रबंधन के लिए खाद निर्माण जैसी गतिविधियां पहले से संचालित हो रही हैं।

न्यूज गैलरी

डॉगबाइट व सर्पदंश उपचार की तैयारी मजबूत करने के निर्देश, सभी पीएचसी में वैक्सीन और एंटी-स्नेक वेनम उपलब्ध रहे

कोरबा अम्बिकावाणी। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में 23 जून 2026 को आयोजित स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक में जिले की स्वास्थ्य सेवाओं और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के नोडल अधिकारियों, खंड चिकित्सा अधिकारियों तथा विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधकों ने भाग लिया। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि बरसात के मौसम में डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका को देखते हुए सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों तथा मितानिन दवा पेटियों में आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि डॉगबाइट के मामलों के लिए एंटी रेबीज वैक्सीन तथा सर्पदंश के उपचार हेतु एंटी-स्नेक वेनम सभी पीएचसी में उपलब्ध रहे, ताकि आपात स्थिति में मरीजों को तत्काल उपचार मिल सके। बैठक में मलेरिया, टीबी, कुष्ठ, सिकल सेल, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार कल्याण, आयुष्मान भारत, एनसीडी, आयुष, आरबीएसके, एनआरसी और मौसमी बीमारियों सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने ह्वसुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियानह्ल के तहत आयोजित शिविरों में छूटे हुए सभी पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड और आभा आईडी बनाने तथा उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। पीएम जनमन ग्रामों में आयुष्मान भारत कार्ड और जननी सुरक्षा योजना की प्रगति बढ़ाने, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) की नियमित समीक्षा करने तथा बेहतर कार्य करने वालों को प्रशस्ति पत्र देने के निर्देश भी दिए गए। वहीं कमजोर प्रदर्शन वाले अधिकारियों को अगली समीक्षा बैठक में तलब करने की बात कही गई।

अब कोयला माफियाओं पर सीधी कानूनी कार्रवाई, गेवरा-दीपका में उकरऋ का सख्त सुरक्षा अभियान

कोरबा अम्बिकावाणी। रएउछ के गेवरा और दीपका खदान क्षेत्रों में कोयला चोरी, अवैध खनन और अवैध परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को नई मजबूती दी जा रही है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (उकरऋ) के उप महानिरीक्षक रघुवीर नरेन ने प्रेसवार्ता में बताया कि केंद्र सरकार और कोयला मंत्रालय के निर्देश पर लागू नए प्रावधानों के तहत अब उकरऋ को सीधे सक्षम न्यायालय में अभियोजन वाद प्रस्तुत करने का अधिकार मिल गया है।

इस व्यवस्था के लागू होने से कोयला चोरी और अवैध खनन में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया तेज होगी। टटऊफ एक्ट की धारा 21 के तहत दोषियों को पांच वर्ष तक के कारावास और भारी जुमार्ने का प्रावधान है। लगातार नियमों का उल्लंघन करने वालों पर प्रतिदिन 50 हजार रुपये तक अतिरिक्त जुमार्ना लगाया जा सकता है। वहीं अवैध गतिविधियों में उपयोग किए जाने वाले वाहनों, मशीनों और अन्य उपकरणों को जब्त करने का अधिकार भी संबंधित एजेंसियों को प्राप्त होगा। खदान क्षेत्रों में सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए गेवरा और दीपका में स्थायी उकरऋ चौकियां स्थापित की जाएंगी। कोयला परिवहन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सभी कांटा घरों को आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। इसके साथ ही खदानों और परिवहन मार्गों पर डिजिटल सीसीटीवी नेटवर्क के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाएगी। प्रेसवार्ता में बताया गया कि इन उपायों का उद्देश्य केवल अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना नहीं, बल्कि खदानों में कार्यरत कर्मचारियों, अधिकारियों और श्रमिकों के लिए सुरक्षित एवं व्यवस्थित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना भी है। गेवरा-दीपका क्षेत्र में लागू की जा रही यह व्यवस्था भविष्य में अन्य खदान क्षेत्रों में भी विस्तार दी जा सकती है। मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सफल बनाने में सहयोग की अपील की गई। अधिकारियों ने विश्वास जताया कि नई कानूनी शक्तियों और तकनीकी निगरानी प्रणाली से कोयला चोरी तथा अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा।

कृषि महाविद्यालय कटघोरा में सुविधाओं की कमी पर छात्रों का आक्रोश

अभाविप ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग

कोरबा अम्बिकावाणी। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, कटघोरा में अध्ययनरत विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। परिषद के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर महाविद्यालय में व्याप्त समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की। विद्यार्थियों का आरोप है कि महाविद्यालय में कई मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है, जिससे उनकी पढ़ाई और दैनिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। छात्रों का कहना है कि लंबे समय से विभिन्न समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा जा रहा है, लेकिन अपेक्षित पहल नहीं होने से असंतोष बढ़ता जा रहा है। महाविद्यालय के विकास कार्यों और स्वीकृत निधियों के उपयोग में पारदर्शिता को लेकर भी विद्यार्थियों ने सवाल उठाए हैं।

छात्रों के अनुसार समस्याओं को उठाने पर उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता, जिससे उनमें निराशा का माहौल है। उनका मानना है कि एक शैक्षणिक संस्थान में विद्यार्थियों की समस्याओं का संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ निराकरण होना चाहिए। अभाविप ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं, विकास कार्यो तथा छात्रों से जुड़े मुद्दों की समीक्षा कर आवश्यक कदम उठाए जाएं। परिषद का कहना है कि विद्यार्थियों के हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में भी छात्रों को महाविद्यालय प्रशासन की उदासीनता के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ा, तो विद्यार्थी हितों की रक्षा के लिए व्यापक आंदोलन किया जाएगा। परिषद ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

एकलव्य विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया तेज, चयनित विद्यार्थियों की काउंसलिंग 30 जून से

कोरबा अम्बिकावाणी। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) की कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु चयनित विद्यार्थियों की काउंसलिंग एवं दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। प्रवेश प्रक्रिया राष्ट्रीय शिक्षा समिति, नई दिल्ली के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप ऑनलाइन माध्यम से संपन्न कराई जाएगी। आदिवासी विकास विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार प्रवेश परीक्षा के परिणाम और मेरिट सूची के आधार पर पात्र अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के लिए आमंत्रित किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के तहत विकासखंड स्तरीय काउंसलिंग 30 जून एवं 1 जुलाई को आयोजित होगी। इसके पश्चात जिला स्तरीय काउंसलिंग 2 जुलाई तथा राज्य स्तरीय काउंसलिंग 3 जुलाई 2026 को संपन्न कराई जाएगी। विशेष पिछड़ी जनजाति समूह तथा प्रवेश दिशा-निदेर्शों में उल्लेखित आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए 4 जुलाई 2026 को विशेष काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में सभी काउंसलिंग एवं दस्तावेज सत्यापन की कार्यवाही पूरी की जाएगी। अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 6 जुलाई 2026 को रिजर्व डे निर्धारित किया गया है। यह अवसर उन विद्यार्थियों को मिलेगा, जो किसी अपरिहार्य कारणवश निर्धारित तिथियों में काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल नहीं हो पाए हों। विभागीय जानकारी के अनुसार काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद राज्य स्तर से पात्र विद्यार्थियों का ऑनलाइन विद्यालय आवंटन किया जाएगा। विद्यालय आवंटन के उपरांत विद्यार्थियों को निर्धारित पोर्टल पर ऑनलाइन प्रवेश आवेदन भरना अनिवार्य होगा। प्राप्त आवेदनों तथा उपलब्ध रिक्त सीटों के आधार पर अंतिम प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्रवेश परीक्षा परिणाम, मेरिट सूची और काउंसलिंग संबंधी विस्तृत जानकारी जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। जिला प्रशासन ने सभी पात्र विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से निर्धारित तिथियों पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया का लाभ उठाने की अपील की है।

प्रयास विद्यालय डिंगापुर में 11वीं प्रवेश के लिए सुनहरा मौका, 10 जुलाई तक करें आवेदन

कोरबा अम्बिकावाणी। प्रयास आवासीय विद्यालय डिंगापुर, कोरबा में कक्षा 11वीं की छह रिक्त सीटों पर लेटरल एंट्री के माध्यम से प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रवेश प्राक्चयन परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के लिए कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक या समकक्ष ग्रेड से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों में स्थित शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों से कक्षा 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी आवेदन के पात्र होंगे। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10 जुलाई निर्धारित की गई है। पात्र-अपात्र सूची का प्रकाशन 14 जुलाई को होगा, जबकि प्रवेश परीक्षा 19 जुलाई को प्रयास आवासीय विद्यालय डिंगापुर में आयोजित की जाएगी। परीक्षा परिणाम 22 जुलाई को घोषित किए जाएंगे। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में आवेदन सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय, कलेक्टर कार्यालय कोरबा में जमा कर सकते हैं। आवेदन पत्र कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं अथवा जिला प्रशासन की वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

सजग कोरबा- सतर्क कोरबा अभियान का असर, चोरी के मामलों का खुलासा, स्कूटी समेत सामान बरामद

कोरबा अम्बिकावाणी। जिले में अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे ह्लसजग कोरबाझ्रसतर्क कोरबाह्व अभियान के तहत पुलिस को चोरी के मामलों में लगातार सफलता मिल रही है। पुलिस सहायता केंद्र सीएसईबी और थाना सिविल लाइन रामपुर की कार्रवाई में स्कूटी चोरी के दो मामलों का खुलासा करते हुए चोरी गए वाहन बरामद किए गए हैं। वहीं गैस सिलेंडर और स्टील सामग्री चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार सीएसईबी क्षेत्र में दर्ज स्कूटी चोरी के एक प्रकरण की जांच के दौरान दो विधि से संघर्षरत बालकों को अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने साथी के साथ मिलकर स्कूटी चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने चोरी की गई स्कूटी बरामद कर दोनों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

इसी प्रकार सिविल लाइन रामपुर थाना क्षेत्र में दर्ज एक अन्य स्कूटी चोरी के मामले में वाहन की तलाश के दौरान दो विधि से संघर्षरत बालकों से पूछताछ की गई। जांच में दोनों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। इसके बाद उन्हें किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

एक अन्य कार्रवाई में पुलिस ने गैस सिलेंडर और स्टील सामग्री चोरी के मामले में खम्हरिया निवासी युवक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात को स्वीकार किया, जिसके बाद उसके कब्जे से चोरी का सामान बरामद कर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के निर्देश पर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण कायम रखा जा सके।

सोन नदी से रेत लेकर लौट रहा ट्रैक्टर पलटा, एक की मौत, दो गंभीर

कोरबा अम्बिकावाणी। उरगा थाना क्षेत्र में गुरुवार को रेत से भरे ट्रैक्टर के पलटने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा ग्राम जर्वे के पास उस समय हुआ, जब सोन नदी से रेत लेकर ट्रैक्टर वापस लौट रहा था। घायलों का उपचार मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जारी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम मड़वारानी के कुछ लोग ट्रैक्टर से सोन नदी में रेत लेने गए थे। दोपहर के समय रेत लेकर लौटते वक्त ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना में एक युवक ट्रैक्टर के इंजन के नीचे दब गया, जबकि चालक सहित दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद युवक को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं दोनों घायलों का उपचार जारी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस दुर्घटना की जांच के साथ ही रेत परिवहन से जुड़े तथ्यों की भी पड़ताल कर रही है।

यह घटना एक बार फिर जिले में नदी-नालों से हो रहे अवैध रेत उत्खनन और परिवहन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतिबंध के बावजूद रेत का अवैध कारोबार जारी है, जिससे हादसों की आशंका लगातार बनी रहती है।

निजी स्कूल संचालकों का प्रदर्शन, पाठ्य पुस्तकों की आपूर्ति में देरी पर जताई नाराजगी

कोरबा अम्बिकावाणी। नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत के बावजूद विद्यार्थियों को समय पर पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध नहीं होने से नाराज निजी विद्यालय संचालकों ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। छत्तीसगढ़ राज्य अशासकीय विद्यालय प्रबंधक संघ, जिला कोरबा के बैनर तले आयोजित प्रदर्शन में पाठ्य पुस्तक निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि शैक्षणिक सत्र 16 जून से प्रारंभ हो चुका है, लेकिन अब तक अधिकांश विद्यार्थियों को आवश्यक पाठ्य पुस्तकें नहीं मिल पाई हैं। उनका आरोप है कि पिछले शैक्षणिक सत्र 2025-26 में भी निगम की लापरवाही के कारण कई विषयों की पुस्तकें सत्र समाप्त होने तक उपलब्ध नहीं हो सकी थीं। इस वर्ष भी स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। ज्ञापन में बताया गया कि शासकीय विद्यालयों में भी पुस्तकों का वितरण पूर्ण नहीं हो पाया है, जबकि निजी विद्यालयों के लिए 21 जुलाई तक वितरण की समय-सीमा निर्धारित की गई है। इससे विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। संघ का कहना है कि बोर्ड परीक्षाएं फरवरी माह में प्रस्तावित हैं, ऐसे में पुस्तकों की अनुपलब्धता छात्रों की परीक्षा तैयारी पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

निजी विद्यालय संचालकों ने मांग की है कि पाठ्य पुस्तक वितरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही पूर्व वर्षो की तरह निजी विद्यालयों को भी संकुल स्तर पर समय पर पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 5 जुलाई तक निजी विद्यालयों को संकुल स्तर पर पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध नहीं कराई गईं, तो प्रदेशभर के निजी विद्यालय संचालक, शिक्षक और पालक रायपुर में व्यापक आंदोलन करेंगे। संघ का कहना है कि यह मांग किसी संगठन विशेष की नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों से जुड़ा विषय है, जिस पर सरकार को तत्काल ध्यान देना चाहिए।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता ग्राम तंजरा, बकरी पालन बना स्वरोजगार का सशक्त माध्यम

कोरिया - पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी अभिसरण से ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन और आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। कोरिया जिले के जनपद पंचायत सोनहत अंतर्गत ग्राम तंजरा इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरा है, जहां आदिवासी परिवारों ने परंपरागत बकरी पालन को व्यवस्थित स्वरोजगार के रूप में अपनाकर आत्मनिर्भरता की नई राह बनाई है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के मूल मंत्र श्रोजगार से आजीविका को साकार करते हुए ग्राम तंजरा के 50 पंजीकृत अकुशल आदिवासी श्रमिक परिवारों को बकरी पालन आधारित स्वरोजगार से जोड़ा गया है। मनरेगा और बिहान के संयुक्त प्रयासों से इन परिवारों को आर्थिक एवं संरचनात्मक सहायता उपलब्ध कराई गई, जिससे बकरी पालन अब केवल परंपरागत गतिविधि न रहकर एक संगठित व्यवसाय का रूप ले रहा है। ग्राम तंजरा की लगभग 50 आदिवासी महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर हैं। बिहान की सहायता से इन महिलाओं के लिए मनरेगा के माध्यम से बकरी शेड का निर्माण कराया गया। साथ ही, सीएलएफ एवं सीआईएफ के माध्यम से प्राप्त ऋण की सहायता से महिलाओं ने उन्नत नस्ल के 10 हाइब्रिड बकरे खरीदे हैं।

परंपरागत रुचि से मिली नई पहचान - वनांचल क्षेत्र सोनहत के अधिकांश आदिवासी परिवार वर्षों से बकरी पालन करते आ रहे हैं। ग्रामीणों की इसी पारंपरिक रुचि को स्वरोजगार के अवसर में बदलने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत तंजरा का चयन किया गया। गांव के सभी 89 आदिवासी परिवार मनरेगा के तहत पंजीकृत श्रमिक हैं और बकरी पालन से जुड़े हुए हैं। इन्हें व्यवसायिक दृष्टिकोण से बकरी पालन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

50 परिवारों को मिला स्वरोजगार का अवसर

विभाग तथा मनरेगा के सतत प्रयासों से 50 परिवारों को बकरी पालन को स्थायी स्वरोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। उनकी मांग के अनुरूप बकरी शेड स्वीकृत किए गए। मनरेगा के तहत प्रत्येक शेड निर्माण के लिए 1 लाख 49 हजार रुपये स्वीकृत किए गए तथा निर्माण कार्य में ग्रामीण सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु ग्राम पंचायत को निर्माण एजेंसी बनाया गया।

उन्नत नस्लों से बढ़ेगी आय - स्थानीय नस्लों के साथ-साथ उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए सिरोही और जमनापारी जैसी उन्नत नस्लों के बकरे उपलब्ध कराने की पहल की गई। बिहान से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्नत नस्ल के बकरे खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रथम चरण में 10 परिवारों को उन्नत नस्ल के बकरे उपलब्ध कराए गए हैं।

योजनाओं का अभिसरण बना सफलता की कुंजी

कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने कहा कि आदिवासी परिवारों की रुचि एवं स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा मनरेगा टीम द्वारा किया गया यह प्रयास सराहनीय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार की मंशानुरूप महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की परिकल्पना को यह पहल निश्चित रूप से सफल बनाएगी और ग्रामीण विकास का एक अनुकरणीय मॉडल स्थापित करेगी।

चरणबद्ध विकास की कार्ययोजना

जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव के मार्गदर्शन में महिलाओं के स्वावलंबन के लिए चरणबद्ध कार्ययोजना तैयार की गई है। प्रथम चरण में मई माह के अंतिम सप्ताह में 10 परिवारों को उन्नत नस्ल के बकरे उपलब्ध कराए गए हैं। आगामी दो माह तक इनकी निगरानी की जाएगी ताकि स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप इनके अनुकूलन का आकलन किया जा सके। इसके बाद शेष परिवारों को भी उन्नत नस्ल के बकरे उपलब्ध कराए जाएंगे। डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि प्रथम चरण में शामिल परिवारों के पास पहले से ही पर्याप्त संख्या में बकरियां हैं। उन्नत नस्ल के बकरों के सफल पालन से अगले एक वर्ष में प्रत्येक परिवार की वार्षिक आय एक से डेढ़ लाख रुपये तक पहुंचने की संभावना है।

प्रथम चरण के लाभार्थी

प्रथम चरण में जिन महिलाओं ने अपने संसाधनों से उन्नत नस्ल के बकरे खरीदे हैं उनमें श्रीमती कौशिल्या, श्रीमती सहोदरी, श्रीमती धनपतिया, श्रीमती सोनमती, श्रीमती सुमित्रा, श्रीमती सोनकुंवर, श्रीमती इंद्रकुंवर, श्रीमती निराशो, श्रीमती सोनमत एवं श्रीमती लीलावती शामिल हैं। इससे सभी महिलाएं 'लखपति दीदी की श्रेणी में शामिल हो सकेंगी। भविष्य में गांव की सभी 50 महिलाएं इस श्रेणी में शामिल होकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई आकार व मजबूती देंगी।

विशेष लेख :- कोदो-कुटकी की खेती अपनाएं, पोषण और समृद्धि दोनों पाएं, पारंपरिक धरोहर से आधुनिक पहचान तक

(विजय मानिकपुरी)

कोरिया बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध कृषि परंपरा में कोदो और कुटकी का विशेष महत्व रहा है। सदियों से आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के भोजन का अभिन्न हिस्सा रहे ये लघु धान्य आज एक बार फिर किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। बदलती जलवायु परिस्थितियों, पोषण संबंधी चुनौतियों और बेहतर कृषि की आवश्यकता के बीच कोदो-कुटकी जैसी मिलेट फसलें भविष्य की खेती का मजबूत आधार बनकर उभर रही हैं।

कोदो (पास्पलम स्क्रोबिकुलेटम) और कुटकी (पैनिकम सुमाट्रेंस) ऐसी फसलें हैं जिन्हें कम पानी, कम लागत और सीमित संसाधनों में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। यही कारण है कि ये छोटे और सीमांत किसानों के लिए आर्थिक सुरक्षा का माध्यम बन रही हैं। कम उपजाऊ, पथरीली और ढालू भूमि में भी इनकी खेती संभव है, जहां अन्य फसलें अपेक्षित उत्पादन नहीं दे पातीं। ये फसलें प्रायः हर एक प्रकार की भूमि में पैदा की जा सकती है। जिस भूमि में अन्य कोई धान्य फसल उगाना सम्भव नहीं होता वहाँ भी ये फसलें सफलता पूर्वक उगाई जा सकती है। हल्की भूमि में जिसमें पानी का निकास अच्छा हो इनकी खेती के लिए उपयुक्त होती है। आज जब दुनिया स्वास्थ्यवर्धक भोजन की ओर लौट रही है, तब कोदो और कुटकी का महत्व और बढ़ गया है। कोदो में प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट, आयरन और कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जबकि कुटकी फाइबर, प्रोटीन, फास्फोरस तथा अन्य खनिज तत्वों से भरपूर होती है। विशेषज्ञों के अनुसार इनका नियमित सेवन मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और एनीमिया जैसी समस्याओं के नियंत्रण में सहायक हो सकता है। यही वजह है कि आज इन्हें सुपर फूड के रूप में पहचान मिल रही है। छत्तीसगढ़ सरकार भी मिलेट फसलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। वर्ष 2026 में कोदो का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3,200 रुपये प्रति क्विंटल तथा कुटकी का 3,350 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलने के साथ इन फसलों की खेती के प्रति उत्साह बढ़ा है। विभागीय जानकारी के अनुसार खरीफ वर्ष 2025 में प्रदेश में कोदो फसल 39.02 हेक्टेयर और कुटकी फसल 38.03 हेक्टेयर रकबे में लगाए गए थे। वैसे विगत खरीफ वर्ष में प्रति हेक्टेयर कोदो की उत्पादन 550 किलोग्राम तथा कुटकी की उत्पादन 675 किलोग्राम दर्ज की गई है। यानी कोदो की उत्पादन 21.46 टन थी, वहीं 25.67 टन कुटकी का उत्पादन हुआ था। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी किसानों से धान के साथ-साथ कोदो, कुटकी और रागी जैसी फसलों की खेती अपनाने व उत्पादन बढ़ाने की अपील की है। कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि उन्नत तकनीकों को अपनाकर कोदो-कुटकी की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। मानसून की शुरूआत के साथ जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई के प्रथम पखवाड़े तक बुवाई, बीजोपचार, कतार पद्धति, संतुलित उर्वरक प्रबंधन तथा समय पर खरपतवार नियंत्रण जैसे उपाय किसानों को बेहतर उत्पादन दिला सकते हैं। बढ़ती बाजार मांग, मिलेट आधारित उत्पादों का विस्तार और सरकारी प्रोत्साहन योजनाएं इन फसलों के व्यावसायिक महत्व को लगातार बढ़ा रही हैं। एक समय केवल ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों तक सीमित रहने वाली कोदो-कुटकी आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहचान बना रही हैं। पोषण सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आर्थिक उन्नति के लिए कोदो और कुटकी अत्यंत महत्वपूर्ण फसलें हैं। आवश्यकता इस बात की है कि किसान आधुनिक तकनीकों के साथ इन पारंपरिक फसलों का उत्पादन बढ़ाएं और उपभोक्ता इन्हें अपने दैनिक भोजन का हिस्सा बनाएं। कोदो-कुटकी केवल अनाज नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज, उत्तम कृषि और समृद्ध भविष्य की आधारशिला हैं।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

KJ
स्थापना - 1928
100% Hallmark Jewellery
कंचन ज्वेलर्स
स्वर्ण एवं रजत आभूषणों का विशाल संग्रह
सदर रोड, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़)
फोन. - 07774-222309

सरगुजा संभाग
अम्बिकावाणी
■ सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर

अपने दुःखों को भूलने के लिए परमात्मा को याद करो।

साइबर ठगी में इस्तेमाल म्यूल अकाउंट मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार - पेज 10

अम्बिकापुर शुक्रवार, 26 जून 2026

■ आयरन रिंग वाले दोहरे पिंजरे वाले ट्रैक्टरों के सड़कों पर उपयोग पर रोक- पेज - 12

एकलव्य विद्यालय निर्माण जांच में खुलीं चौंकाने वाली खामियां

संभागीय जांच दल के पहुंचते ही मचा हड़कंप, शिकायत से ज्यादा मिलीं अनियमितताएं

अंबिकापुर / प्रतापपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। सरनापारा में निर्माणाधीन एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) परिसर बुधवार को अचानक उस समय चर्चा का केंद्र बन गया, जब सरगुजा संभाग आयुक्त कार्यालय द्वारा गठित उच्चस्तरीय जांच समिति मौके पर पहुंची। करोड़ों रुपये की लागत से बन रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में घटिया निर्माण, तकनीकी अनियमितता, अवैध रेत उपयोग और गुणवत्ता से समझौते की शिकायतों के बाद जांच टीम ने एक-एक बिंदु का बारीकी से निरीक्षण किया।

जांच की शुरूआत शिकायतकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता चंद्रिका कुशवाहा और मनीष गुप्ता द्वारा संभागायुक्त को भेजी गई शिकायत के आधार पर हुई। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि निर्माण कार्य स्वीकृत तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं हो रहा है और कई स्थानों पर गुणवत्ता से गंभीर समझौता किया गया है।

संभागायुक्त द्वारा १३ जून २०२६ को जारी आदेश के तहत गठित तीन सदस्यीय जांच समिति में उपायुक्त (विकास) सरगुजा संभाग को अध्यक्ष, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता को सदस्य तथा जिला खनिज अधिकारी को सदस्य-सचिव बनाया गया था। जांच के दौरान एसडीएम ललिता भगत, मंडल संयोजक रंजय सिंह, शिकायतकर्ता और अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान शिकायत से भी अधिक गंभीर तस्वीर सामने आने की चर्चा रही। स्थानीय सूत्रों के अनुसार बालक छात्रावास भवन के कुछ हिस्सों में बीम झुके हुए दिखाई दिए, जबकि किचन भवन के स्ट्रक्चर में भी तकनीकी असंतुलन के संकेत मिले। टीम ने इन हिस्सों का सूक्ष्म परीक्षण किया।

निर्माण कार्य में जाली और सरिया के उपयोग को लेकर भी गंभीर सवाल उठे। आरोप है कि जहां स्लैब ढलाई में ५ से ६ इंच की दूरी पर जाली बिछाई जानी थी, वहां ९ से १० इंच तक का गैप मिला। वहीं बीम में निर्धारित संख्या से कम सरिया उपयोग किए जाने की बात भी सामने आई। निरीक्षण के दौरान गुणवत्ता नियंत्रण रजिस्टर, सामग्री उपयोग रिकॉर्ड और खनिज संबंधी दस्तावेज भी मांगे गए, लेकिन कई जरूरी दस्तावेज मौके पर उपलब्ध नहीं कराए जा सके। मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था भी सवालों में रही, जहां कई श्रमिक बिना हेलमेट, ग्लव्स और सुरक्षा उपकरणों के काम करते दिखे। पूरे मामले में रेत उपयोग को लेकर भी बड़ा सवाल खड़ा हुआ है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार निर्माण में ४७०२ ट्रैक्टर रेत उपयोग का दावा किया गया है, लेकिन वैध पिटपास और रॉयल्टी दस्तावेजों की स्थिति स्पष्ट नहीं है। अब जांच समिति अपनी विस्तृत रिपोर्ट संभागायुक्त को सौंपेगी, जिसके बाद प्रशासनिक कार्रवाई की दिशा तय होगी।

जांच में सामने आए बड़े सवाल

१. बीम झुके हुए और किचन स्ट्रक्चर टेढ़ा मिलने की चर्चा
२. जाली और सरिया उपयोग में तकनीकी गड़बड़ी के आरोप
३. क्योरिंग और ढलाई की गुणवत्ता पर उठे सवाल
४. मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही
५. ४७०२ ट्रैक्टर रेत उपयोग के दावे पर पिटपास रिकॉर्ड संदिग्ध
६.दस्तावेज अधूरे मिलने से बढ़ा संदेह
७. आदिवासी बच्चों की सुरक्षा से सीधे जुड़ा मामला

बास्केटबॉल ग्राउंड में डोम, खिलाड़ियों के आवासीय कक्ष एवं दर्शक दीर्घा निर्माण की मांग

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा, खिलाड़ियों के हित में मांगों पर होगी सकारात्मक पहल

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। गांधी स्टेडियम स्थित बास्केटबॉल ग्राउंड में आयोजित जिला स्तरीय बास्केटबॉल लीग प्रतियोगिता २०२६ के समापन समारोह के अवसर पर सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल को बास्केटबॉल ग्राउंड के विकास हेतु मांग पत्र सौंपा गया।

मांग पत्र में बास्केटबॉल ग्राउंड में डोम निर्माण, खिलाड़ियों के लिए आवासीय कक्ष (रूम) तथा उसके ऊपर दर्शक दीर्घा (गैलरी) के निर्माण की आवश्यकता प्रमुख रूप से रखी गई। संघ ने बताया कि प्रतिदिन सैकड़ो खिलाड़ी यहां नियमित अभ्यास करते हैं तथा इसी ग्राउंड से कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सरगुजा एवं छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। वर्षभर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं एवं प्रशिक्षण शिविरों के सफल संचालन के लिए इन सुविधाओं का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह, अभिभावकों एवं खिलाड़ियों ने भी मंत्री श्री अग्रवाल से ग्राउंड के समग्र विकास हेतु आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का आग्रह किया। मंत्री राजेश अग्रवाल ने मांग पत्र प्राप्त करते हुए कहा कि यह सरगुजा जिले के लिए गर्व का विषय है कि इस ग्राउंड से तैयार हुए खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे यहां अभ्यास कर रहे हैं, तब उनके लिए बेहतर खेल अधोसंरचना उपलब्ध कराना आवश्यक है।

उन्होंने खिलाड़ियों, अभिभावकों एवं कोच की मांगों पर सकारात्मक पहल करने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि बास्केटबॉल ग्राउंड में डोम सहित आवश्यक खेल सुविधाओं के विकास के लिए शीघ्र पहल की जाएगी। इस अवसर पर मंत्री ने राष्ट्रीय खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा कर ग्राउंड की वर्तमान आवश्यकताओं एवं भविष्य की विकास योजनाओं की भी जानकारी ली। सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ ने मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके सहयोग से गांधी स्टेडियम स्थित बास्केटबॉल ग्राउंड का विकास होगा तथा खिलाड़ियों को आधुनिक एवं बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

लखनपुर में मूंगफली फसल प्रदर्शन हेतु कृषकों को बीज वितरण

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कृषि विभाग लखनपुर द्वारा आज स्र्थ्ठह कार्यालय लखनपुर में नेशनल मिशन न ईडिबल ऑइल - आइलसीड मूंगफली फसल प्रदर्शन कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम तिरकेला, अरगोती, पटकुरा, जिवलिया एवं डोढ़ाधाकेसरा के चयनित कृषकों को ३०० हेक्टेयर मूंगफली बीज का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में मूंगफली की उन्नत खेती को बढ़ावा देना तथा तिलहन के क्षेत्र में कृषकों को आत्मनिर्भर बनाना व किसानों को नवीन कृषि तकनीकों से जोड़ना तथा फसल उत्पादकता में वृद्धि करना है। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा किसानों को उन्नत बीज, वैज्ञानिक खेती पद्धति, समय पर बुवाई, संतुलित उर्वरक प्रबंधन एवं कीट-रोग नियंत्रण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

सीआरपीएफ जवान ने फांसी लगाई, छुट्टी पर आया था घर

अंबिकापुर.(अम्बिकावाणी समाचार)। बलरामपुर जिले में सीआरपीएफ के जवान ने घर के बाहर आम के पेड़ पर फांसी लगा ली। परिजनों ने तत्काल उसे फंदे से उतारकर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृत जवान जम्मू-कश्मीर में पदस्थ था और छुट्टी पर घर आया था। करीब छह माह पहले भी जवान ने पत्नी एवं ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए जहर सेवन कर लिया था।

जवान ने पत्नी एवं ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए वीडियो भी जारी किया था।

जवान के भाई शिवकुमार प्रजापति ने बताया कि बुधवार को भी राजाराम प्रजापति का पत्नी से विवाद हुआ। विवाद होने के बाद वह रस्सी लेकर दौड़कर घर से निकला और आम पेड़ पर चढ़कर फांसी पर झूल गया।

परिवारतन व ग्रामीणों ने राजाराम को फांसी के फंदे से उतारा। उसकी सांसें चल रही थी। परिजन उसे लेकर अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शिवकुमार प्रजापति ने बताया कि दिसंबर २०२५ में राजाराम ने जहर सेवन कर लिया था। उसने पत्नी एवं ससुराल पक्ष पर पैसे मांगने एवं प्रताड़ित करने का आरोप लगा वीडियो भी बनाकर सोशल मीडिया में शेयर किया था।

डॉक्टर्स हाऊस @ सरगुजा
HOUSE
TEJ
तेज डायग्नोस्टिक ब्लड /बैंक सेंटर
रानी तालाब के सामने, जिला हॉस्पिटल रोड अम्बिकापुर
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जॉच की सम्पूर्ण सुविधा उपलब्ध
अब आपके शहर अम्बिकापुर में प्रतिदिन उपलब्ध रहेंगे ...
डॉ. अभिजीत भट्टाचार्य
जनरल फिजिशियन
एम.बी.बी.एस.(कोलकाता)
पी.क्यू ईमरजेंसी एण्ड क्रिटिकल केयर
भू.पू. चिकित्सक-कोठारी मेडिकल सेन्टर
पियरलेस हॉपिटल, रूबी जनरल हॉस्पिटल कोलकाता

Ex. Senior Resident- Sauli Aradia, Seychelies,Maldives
डायबिटीज (शुगर), ब्लड प्रेशर हृदय रोग, थायराइड मस्तिष्क एवं नसों से संबंधित रोग, किडनी की बिमारी त्वचा संबंधित रोगों, श्वास (सांस), दमा, एलर्जी एवं छाती रोग, गठिया, वात रोग एवं पेट एवं लीवर के रोगों के लिए संपर्क करें।
प्रतिदिन 10:00 AM से 6:00 PM तक उपलब्ध
अग्रिम पंजीयन हेतु संपर्क करे 07774222555, 9425583780, 9826183780 8224007799, 8718003300, 6262639090

स्व-सशक्तिकरण से राष्ट्र-सशक्तिकरण अभियान अंबिकापुर पहुँचा

ब्रह्माकुमारी सिक्योरिटी सर्विसेज विंग की रजत जयंती पर पुलिस और सुरक्षा बलों को दिया तनावमुक्ति का संदेश

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। ब्रह्माकुमारी सिक्योरिटी सर्विसेज विंग की रजत जयंती के अवसर पर देशभर में चलाए जा रहे स्व-सशक्तिकरण से राष्ट्र-सशक्तिकरण अभियान के तहत माउंट आबू से आई टीम ने बुधवार को अंबिकापुर एवं आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। इस अभियान के माध्यम से पुलिस एवं सुरक्षा बलों के जवानों को मानसिक सशक्तिकरण, तनाव प्रबंधन और राजयोग मेडिटेशन का प्रशिक्षण दिया गया।

इस अवसर पर माउंट आबू से पधारी टीम में बीके दीपक, बीके शैलेंद्र, बीके कमल, बीके हितेश, बीके दत्ता एवं बीके संजीव शामिल रहे। यह अभियान देशव्यापी श्रृंखला का आठवां चरण है। इससे पहले सात राज्यों में सफल आयोजन किए जा चुके हैं। इस चरण की शुरूआत ७ जून २०२६ को रायपुर में छत्तीसगढ़ पुलिस के डीजी अरुण देव गौतम द्वारा की गई थी।

विभिन्न स्थानों पर हुए विशेष सत्र अभियान के तहत सिलफिली स्थित १०वीं बटालियन सीएएफ में करीब १०० पुलिसकर्मियों के लिए स्ट्रेस मैनेजमेंट एवं राजयोग विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। वहीं पुलिस ट्रेनिंग स्कूल अंबिकापुर में ५५० रिक्रूट ट्रेनीज के लिए विशेष कार्यक्रम हुआ, जिसमें पुलिस अधीक्षक सचिंद्र चौबे भी उपस्थित रहे। इसके अलावा सूरजपुर में बड़ी संख्या में पुलिस जवानों ने भाग लिया, जहां डीआईजी प्रसाद कुमार ठाकुर विशेष रूप से मौजूद रहे। बैकुंठपुर पुलिस लाइन में आयोजित कार्यशाला में लगभग ८० प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान एसपी रवि कुमार कुर्रे एवं एएसपी सुरेशा चौबे भी मौजूद रहे। कार्यक्रमों में वक्ताओं ने बताया कि आज की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में पुलिस, पैरामिलिट्री और अन्य सुरक्षा बलों के जवान लगातार मानसिक दबाव में रहते हैं। ऐसे में राजयोग मेडिटेशन उन्हें मानसिक रूप से मजबूत, शांत और तनावमुक्त रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

स्थानीय नागरिकों के लिए भी हुआ विशेष आयोजन

अंबिकापुर के चोपड़ा पाड़ा स्थित स्थानीय सेवा केंद्र में ब्रह्माकुमारी परिवार और आसपास के नागरिकों के लिए भी विशेष सत्र आयोजित किया गया।

स्थानीय सेवा केंद्र की प्रभारी ब्रह्माकुमारी विद्या बहन ने बताया कि सभी स्थानों से कार्यक्रम को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है और प्रतिभागियों ने ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की है। ब्रह्माकुमारी सिक्योरिटी सर्विसेज विंग का उद्देश्य सुरक्षा बलों में आध्यात्मिक मूल्यों और राजयोग के माध्यम से कर्तव्यनिष्ठा, मानसिक संतुलन और सकारात्मकता को बढ़ावा देना है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में अतिथि शिक्षकों की भर्ती हेतु वॉक-इन-इंटरव्यू की तिथियों में संशोधन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में संचालित ०५ एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र २०२६-२७ के लिए अस्थायी रूप से निर्धारित मानदेय पर अतिथि शिक्षक (पीजीटी/टीजीटी) एवं अन्य रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आयोजित किए जाने वाले वॉक-इन-इंटरव्यू की तिथियों में संशोधन किया गया है।

सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, अम्बिकापुर द्वारा जारी जानकारी के अनुसार पूर्व में यह वॉक-इन-इंटरव्यू २५ जून २०२६ को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय रिखी (वर्तमान पता- कन्या शिक्षा परिसर, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा) में आयोजित किया जाना निर्धारित था।

उपभोक्ता जागरूकता विषय पर विद्युत विभाग की बैठक आयोजित

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। विद्युत उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों एवं विद्युत सेवा संबंधी नियमों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आज कार्यपालन अभियंता (सं/सं) अंबिकापुर के कार्यालय में उपभोक्ता जागरूकता विषय पर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में घरेलू एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं के साथ विभाग के कनिष्ठ अभियंता एवं सहायक अभियंता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपभोक्ताओं को विद्युत सेवा से संबंधित विभिन्न अधिकारों एवं नियमों की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें बताया गया कि बिजली बिल संबंधी शिकायत, लो वोल्टेज की समस्या, नए विद्युत कनेक्शन प्राप्त करने में आने वाली कठिनाइयों सहित अन्य समस्याओं के समाधान हेतु वे किस प्रकार और कहाँ संपर्क कर सकते हैं। अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से विद्युत सेवाओं का सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने तथा किसी भी समस्या की स्थिति में विभागीय शिकायत निवारण व्यवस्था का लाभ लेने का आग्रह किया। कार्यक्रम में सदस्य एवं कार्यपालन अभियंता श्रीमती लिली मेरी तिर्की, कार्यपालन अभियंता श्री आर. एल. नागवंशी तथा श्री जे. पी. रजवाड़े सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

साइबर ठगी में इस्तेमाल म्यूल अकाउंट मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

खातों में ठगी की रकम मिलने पर कोतवाली पुलिस और साइबर सेल की बड़ी कार्रवाई

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

साइबर ठगी के मामलों में इस्तेमाल किए जा रहे म्यूल अकाउंट्स के खिलाफ सरगुजा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना कोतवाली और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई करते हुए आरोपियों के बैंक खातों में धोखाधड़ी से प्राप्त रकम मिलने के आधार पर उन्हें गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल से प्राप्त जानकारी के आधार पर फर्जी मोबाइल नंबर जारी करने वाले पॉइंट ऑफ सेल और म्यूल अकाउंट धारकों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश पुलिस मुख्यालय रायपुर से प्राप्त हुए थे। जांच के दौरान पता चला कि अंबिकापुर के बाबूपारा निवासी शुभम यादव के बैंक खाते में साइबर धोखाधड़ी से संबंधित ४२,४९९ रुपये जमा किए गए थे। वहीं संत गहिरा गुरु वार्ड निवासी धीरज पाण्डेय के खाते में २२,५६३ रुपये की संदिग्ध राशि

प्राप्त हुई थी। दोनों खातों के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में ऑनलाइन शिकायतें दर्ज थीं।

पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा ३१८(४), ३१७(४) और ६१(२) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने शुभम यादव (२६), धीरज पाण्डेय (२०), शिवम यादव (२५) और कृष गुप्ता (२१) को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ में आरोपियों ने साइबर ठगी में बैंक खातों और सिम कार्ड का उपयोग कर धोखाधड़ी की रकम के लेन-देन में सहयोग करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी धीरज पाण्डेय के मोबाइल से बातचीत का ऑडियो भी जब्त किया है, जिसमें पूरे षड्यंत्र से जुड़े अहम सुराग मिले हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि शिवम यादव और कृष गुप्ता ने आपराधिक साजिश के तहत शुभम यादव और धीरज पाण्डेय के नाम पर बैंक खाते खुलवाने और सिम कार्ड उपलब्ध कराने में भूमिका निभाई थी।

पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। वहीं मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि साइबर ठगी के मामलों में इस्तेमाल होने वाले संदिग्ध बैंक खातों और मोबाइल नंबरों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी शशिकांत सिन्हा, उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह, साइबर सेल प्रभारी एएसआई अजीत मिश्रा सहित पुलिस टीम की सक्रिय भूमिका रही।

केवाईसी के नाम पर महिलाओं के आधार का दुरुपयोग कर खाद निकासी का आरोप

ग्रामीणों ने बलरामपुर कलेक्टर और थाने में की शिकायत

राजपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

विकासखंड राजपुर के ग्राम पंचायत कुन्दीकला में संचालित एक सीएससी सेंटर के संचालकों पर महिलाओं के आधार कार्ड और बायोमेट्रिक (अंगूठा) का दुरुपयोग कर उनकी जानकारी और अनुमति के बिना खाद (यूरिया) आहरित करने का गंभीर आरोप लगा है। मामले को लेकर ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से थाना राजपुर और राजपुर एसडीएम के समक्ष बलरामपुर कलेक्टर के नाम लिखित शिकायत देकर जांच एवं कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार ग्राम पंचायत कुन्दीकला के निवासी विनोद कुमार सांडिल्य एवं दीपक कुमार सांडिल्य, जो गांव में सीएससी सेंटर का संचालन करते हैं, पर आरोप है कि उन्होंने महतारी वंदन योजना के लिए केवाईसी कराने के नाम पर कई महिलाओं से अंगूठा लगवाया और उनके आधार कार्ड का उपयोग किया। ग्रामीणों का कहना है कि बाद में पता चला कि संबंधित महिलाओं के नाम पर खाद (यूरिया) का आहरण दर्ज हो चुका है, जबकि उन्होंने स्वयं कभी खाद प्राप्त नहीं किया।

ग्रामीणों ने बताया कि प्रभावित महिलाओं में कई विधवा महिलाएं भी शामिल हैं, जो खेती-किसानी के माध्यम से अपने परिवार का भरण-पोषण करती हैं। इतना ही नहीं, ग्राम पंचायत की महिला सरपंच का नाम भी प्रभावित हितग्राहियों में शामिल होने की बात कही जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार वर्तमान में खाद विक्रेताओं द्वारा उन्हें खाद उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, क्योंकि विभागीय रिकॉर्ड में उनके नाम पर पहले ही खाद वितरण दशार्या जा चुका है। इससे खरीफ सीजन के दौरान किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शिकायत में उल्लेख किया गया है कि २४ जून २०२६ को आयोजित ग्राम सभा में दोनों आरोपितों को बुलाया गया था। ग्रामीणों का दावा है कि ग्राम सभा के दौरान आरोपितों ने केवाईसी के नाम पर खाद निकाले जाने की बात स्वीकार की तथा खाद उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि इसके बदले प्रति बोरी यूरिया की कीमत ६०० रुपये बताई गई, जो शासन द्वारा निर्धारित दर से लगभग दोगुनी है।

मामले को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने बलरामपुर कलेक्टर और पुलिस प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने तथा प्रभावित किसानों को शीघ्र खाद उपलब्ध कराने की मांग की है।

इस संबंध में राजपुर तहसीलदार कावेरी मुखर्जी ने कहा कि ग्राम कुंदी कला गाँव के महिलाओं ने महतारी वंदन योजना का केवाइसी करवाने के नाम से च्वाइस सेंटर द्वारा उनके नाम से खाद निकालने की शिकायत दी है जाँच कर कार्यवाही की जाएगी।

बेलदगी में शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण का आरोप, ग्रामीणों ने तहसीलदार से की शिकायत

अंबिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

लखनपुर तहसील अंतर्गत ग्राम बेलदगी में शासकीय भूमि पर अवैध रूप से पक्का मकान निर्माण किए जाने का मामला सामने आया है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों ने तहसीलदार को शिकायत सौंपकर तत्काल जांच कर निर्माण कार्य पर रोक लगाने की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की जिस भूमि पर निर्माण कराया जा रहा है, वह शासकीय भूमि है और ग्राम पंचायत द्वारा उसे सार्वजनिक उपयोग के साथ-साथ भविष्य में शासकीय भवन निर्माण के लिए सुरक्षित रखा गया है। बावजूद इसके, बाहरी व्यक्ति को कथित तौर पर फर्जी तरीके से जमीन बेचकर वहां पक्का मकान बनवाया जा रहा है।

गांव के उपसरपंच और पंचों ने भी इस निर्माण कार्य पर आपत्ति जताते हुए कहा कि पंचायत की जानकारी और सहमति के बिना इस प्रकार का निर्माण नियमों के खिलाफ है। उनका कहना है कि यदि यह भूमि निजी स्वामित्व की नहीं है, तो इस पर किसी भी प्रकार का निर्माण अवैध माना जाना चाहिए।

शिकायतकताओं का यह भी आरोप है कि पूरे मामले में राजस्व विभाग के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत हो सकती है, जिसके कारण निर्माण कार्य अब तक नहीं रोका गया। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार मौखिक रूप से आपत्ति दर्ज कराने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

ग्रामीण सुख साय राजवाड़े ने बताया कि गांव की सार्वजनिक भूमि पर कब्जा होने से भविष्य में पंचायत और ग्रामीणों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही निर्माण कार्य नहीं रोका गया और मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई, तो वे उग्र प्रदर्शन करने के साथ चक्का जाम करने को मजबूर होंगे। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कितनी तेजी से कार्रवाई करता है और ग्रामीणों की शिकायत पर क्या कदम उठाए जाते हैं।

उद्यानिकी महाविद्यालय, रामानुजगंज में एक दिवसीय जैविक कृषि कार्यशाला का आयोजन किया गया

अंबिकापुर. (अम्बिकावाणी समाचार)।

उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र रामानुजगंज में खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय जैविक कृषि कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला का उद्देश्य जैविक खाद निर्माण की तकनीक को बढ़ावा देना है इसका उद्देश्य मृदा स्वास्थ्य संरक्षण के प्रति किसानों और विद्यार्थियों को जागरूक करना भी है

कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के अतिथि शिक्षक श्री सौरभ कुमार सिन्हा ने किया उन्होंने कहा कि खेती में रासायनिक उर्वरकों अन्य रसायनों के अत्यधिक प्रयोग से भूमि की उर्वरता प्रभावित हो रही है इन रसायनों के अवशेष फसलों के माध्यम से मानव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं उन्होंने जैविक खेती को समय की आवश्यकता बताई उन्होंने इसके व्यापक प्रचार प्रसार पर जोर दिया

महाविद्यालय के अधिष्ठाता श्री परमेश्वर गोरे ने जैविक कीट नियंत्रण के साथ साथ खेत बचाओ अभियान पर जानकारी दी सुश्री नीत उपासना लकड़ा ने जैविक खेती में जैव उर्वरक जैविक खाद एवं जैविक खेती के लाभ तथा जीवामृत तैयार करने की विधि पर विस्तृत जानकारी दी सुश्री प्रेमलता साहू ने जैविक रोग नियंत्रण पर विस्तृत जानकारी दी

जैविक कार्यशाला में आए हुए किसान बंधुओं का धन्यवाद ज्ञापन डॉ प्रीति टोप्पो ने किया उन्होंने सभी किसान बंधुओं का आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम पश्चात महाविद्यालय के प्रायोगिक प्रक्षेत्र का भ्रमण भी किया गया जिसमें वर्मी कंपोस्ट उत्पादन इकाई, अजोला उत्पादन इकाई और प्रकाश प्रपंच का अवलोकन किया गया, इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के अतिथि शिक्षक डॉ खीरोमणि नाग, डॉ माधुरी सिंह एवं समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

100 बिस्तर अस्पताल के लिए भवन की मांग तेज, 92 साल पुराना अस्पताल सुविधाओं के लिए तरस रहा

रामानुजगंज(अम्बिकावाणी समाचार)।

रामानुजगंज के १०० बिस्तर अस्पताल के लिए नए एवं पर्याप्त भवन की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि अस्पताल को तीन वर्ष पूर्व १०० बिस्तर का दर्जा तो दे दिया गया, लेकिन आज तक उसके अनुरूप भवन और सुविधाओं का विस्तार नहीं हो सका है। ऐसे में अस्पताल केवल कागजों में १०० बिस्तर का रह गया है।

वर्ष १९३४ में स्थापित यह अस्पताल लगभग ९२ वर्षों का सफर तय कर चुका है, लेकिन आज भी सीमित संसाधनों के सहारे संचालित हो रहा है। वर्तमान भवन और उपलब्ध व्यवस्थाएं १०० बिस्तर अस्पताल की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पा रही हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या के बीच पर्याप्त वार्ड, आधुनिक सुविधाएं और आवश्यक विभागों के लिए पर्याप्त स्थान का अभाव बना हुआ है।

स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि अस्पताल को १०० बिस्तर का दर्जा मिलने के बाद नए भवन, अतिरिक्त वार्ड, आधुनिक ऑपरेशन थिएटर, जांच सुविधाओं तथा विशेषज्ञ विभागों के लिए पर्याप्त स्थान की व्यवस्था की जानी चाहिए थी। लेकिन वर्तमान में अस्पताल पुराने ढांचे में ही संचालित हो रहा है। लोगों का कहना है कि यदि १०० बिस्तर के अनुरूप नया अस्पताल भवन बनाया जाता है तो स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार संभव होगा और क्षेत्र के हजारों लोगों को लाभ मिलेगा।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी बनी समस्या

अस्पताल में आज भी स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, सर्जन, हड्डी रोग विशेषज्ञ एवं एनेस्थेटिस्ट जैसे महत्वपूर्ण पद रिक्त हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी के कारण गंभीर मरीजों को अंबिकापुर, रायपुर एवं अन्य शहरों में रेफर करना पड़ता है। सर्जन और तकनीकी स्टाफ की कमी के कारण नियमित ऑपरेशन सुविधा शुरू नहीं हो सकी है। जटिल प्रसव, दुर्घटना एवं गंभीर मरीजों को उपचार के लिए बाहर भेजना पड़ता है।

बढ़ रही है जनभावना

स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने शासन से मांग की है कि रामानुजगंज १०० बिस्तर अस्पताल के लिए अलग एवं आधुनिक भवन का निर्माण कराया जाए, विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की जाए तथा सभी आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि आदिवासी एवं ग्रामीण बहुल इस इलाके के लोगों को बेहतर इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़े, इसके लिए अस्पताल को वास्तव में १०० बिस्तर अस्पताल के रूप में विकसित करना समय की आवश्यकता है।

नगर सैनिक से मारपीट कर रेत से भरा वाहन छुड़ाने के मामले में मुख्य आरोपी लड्डन खान गिरफ्तार

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

अंबिकापुर। नगर सैनिक से मारपीट कर रेत तस्करी में प्रयुक्त वाहन छुड़ाने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी लड्डन खान सहित दो विधि से संघर्षरत बालकों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई को सरगुजा डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देशन में साइबर सेल और गांधीनगर पुलिस की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया।

पुलिस के अनुसार प्रार्थी तारकेश्वर वर्मा, जो खनिज शाखा रायपुर में नगर सैनिक के पद पर कार्यरत हैं, ने थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि २२ जून को केंद्रीय उड़नदस्ता टीम के साथ सरगुजा संभाग में जांच के दौरान रेत से भरे एक वाहन को

अभिरक्षा में लेकर कलेक्ट्रेट परिसर अंबिकापुर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान वाहन चालक सोनू टोप्पो ने वाहन मालिक लड्डन खान का नाम लेते हुए धमकी दी।

गांधी चौक सिग्नल के पास वाहन मालिक लड्डन खान मौके पर पहुंचा और अपने साथियों के साथ नगर सैनिक को रोककर गाली-गलौज व मारपीट की। आरोपियों ने उसकी वर्दी फाड़ने की कोशिश की और वाहन से उतारकर पकड़ लिया। इसी बीच चालक रेत से भरा वाहन लेकर फरार हो गया। मामले में थाना गांधीनगर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया।

मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने पहले २४ घंटे के भीतर आरोपी सोनू टोप्पो और धनसिंह टोप्पो को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। इसके बाद लगातार तलाश के दौरान मुख्य आरोपी लड्डन खान (४३), निवासी साईं मंदिर रोड भगवानपुर, थाना गांधीनगर तथा दो विधि से संघर्षरत बालकों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने घटना में शामिल होना स्वीकार किया।

पुलिस ने आरोपी लड्डन खान के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जबकि दोनों बालकों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, उपनिरीक्षक दिलीप दुबे, साइबर सेल प्रभारी एएसआई अजीत मिश्रा सहित पुलिस टीम की सक्रिय भूमिका रही.

बसंतपुर में विशेष ग्राम सभा आयोजित, प्रधानमंत्री आवास सूची और जनहित मुद्दों पर हुई चर्चा

बसंतपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

जिला कलेक्टर बलरामपुर-रामानुजगंज के निदेर्शानुसार ग्राम पंचायत बसंतपुर में बुधवार को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। यह आयोजन छत्तीसगढ़ अनुसूचित क्षेत्र की ग्राम सभा गठन, सम्मिलन प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियम १९९८ के तहत आयोजित किया गया, जिसमें ग्राम विकास और जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। जानकारी के अनुसार, नवा रायपुर अटल नगर से जारी दिशा-निदेर्शों तथा कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के आदेश के पालन में जिले के सभी ग्राम पंचायतों में २४ जून को विशेष ग्राम सभा आयोजित

करने का निर्णय लिया गया था। इसी क्रम में बसंतपुर ग्राम पंचायत में भी ग्राम सभा आयोजित की गई। ग्राम सभा में सरपंच, पंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। बैठक में आवास प्लस २.० सर्वेक्षण के तहत प्राप्त सिस्टम जनरेटेड स्थायी प्रतीक्षा सूची का अवलोकन और वाचन किया गया। इसके माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित पात्र हितग्राहियों की जानकारी ग्रामीणों के सामने रखी गई। इसके साथ ही ग्रामीणों को वीबी-जी राम जी योजना के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। ग्राम पंचायत में कर अधिरोपण एवं संग्रहण प्रणाली को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई, ताकि पंचायत के राजस्व प्रबंधन को बेहतर बनाया जा सके।

ग्राम सभा में गांव की सड़कों पर आवारा मवेशियों के कारण हो रही दुर्घटनाओं पर भी चिंता व्यक्त की गई। इस समस्या से जन-धन की हानि को रोकने के लिए संभावित उपायों और जिम्मेदारी तय करने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित ग्रामीणों से अपील की गई कि वे मवेशियों के उचित प्रबंधन में सहयोग करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि इस तरह की ग्राम सभाएं ग्रामीण विकास, पारदर्शिता और जनभागीदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

ग्लोबल स्कूल में शाला प्रवेश उत्सव मनाकर बच्चों को दिलाया गया दाखिला

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। शासकीय प्राथमिक शाला बालक ग्लोबल स्कूल बिश्रामपुर में शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत उपाध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह चौहान उपस्थित रहे। अन्य अतिथियों में श्यामा पांडेय, पूर्व जिला महामंत्री दुर्गा गुप्ता, सनी मिश्रा, निलिमा श्रीवास्तव, जफलीता खलखो उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा नवप्रवेशी बच्चों को किताब व गणवेश देकर शाला में स्वागत किया गया और बच्चे को नियमित स्कूल आने की बात कही गई। कार्यक्रम में स्कूल की प्राचार्या मंजू पटेल व अन्य उपस्थित थे।

सीआरपीएफ जवान ने फांसी लगाई, छुट्टी पर आया था घर.- पेज 09

बीएमओ डॉ. रमेश जयसवाल पद से हटाए गए, डॉ. दीपक गुप्ता को मिली जिम्मेदारी

राजपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर में पिछले लगभग १० महीनों से बीएमओ (खंड चिकित्सा अधिकारी) के पद पर कार्यरत डॉ. रमेश जयसवाल को पद से हटा दिया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार उन्हें उनके मूल पद पर वापस भेज दिया गया है। वहीं राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नए बीएमओ के रूप में डॉ. दीपक गुप्ता को दायित्व सौंपा गया है।

गौरतलब है कि डॉ. रमेश जयसवाल ने ८ सितंबर २०२५ को राजपुर बीएमओ का पदभार ग्रहण किया था। उनके कार्यकाल के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर कई बार विभिन्न विवादों और प्रशासनिक मामलों को लेकर चर्चा में रहा। स्वास्थ्य केंद्र में कर्मचारियों के बीच विवाद, व्यवस्थागत शिकायतें तथा अन्य मुद्दों को लेकर लगातार खबरें सामने आती रही थीं, जिसके कारण उनका कार्यकाल विवादों से घिरा रहा।

इसी बीच मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय ने प्रशासनिक आदेश जारी करते हुए डॉ. जयसवाल को बीएमओ पद से मुक्त कर उनके मूल पदस्थापना स्थल पर लौटने के निर्देश दिए हैं। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारु संचालन को ध्यान में रखते हुए डॉ. दीपक गुप्ता को राजपुर बीएमओ का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है।

डॉ. जयसवाल ने जब से राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मे बीएमओ के रुप में पदभार ग्रहण किया था तब से वे कई विवादों से घिरे रहे। चाहे वो हरेभरे पेड़ों की कटाई हो,शासकीय पैसे का दूरूपयोग कर अहाता निर्माण हो या कर्मचारियों से द्वेषपूर्ण भाव से थाने में एफआईआर दर्ज करना इसके अलावा उपस्वास्थ्य केन्द्र रेवतपुर में बगैर ड्यूटी किये दो स्टाफ नर्सो का पूर्ण भुगतान कराना या भर्ती मरीजों को दिये जाने वाले गर्म भोजन में वित्तीय अनियमितता करना जैसे आरोप लगते रहे हैं जिस कारण से डॉ. जयसवाल को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय ने प्रशासनिक आदेश जारी करते हुए राजपुर बीएमओ पद से मुक्त कर उनके मूल पदस्थापना स्थल पर लौटने के निर्देश दिए हैं।

नए बीएमओ की नियुक्ति के बाद क्षेत्र के लोगों और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को उम्मीद है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं में सुधार होगा तथा स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। विभागीय आदेश के बाद स्वास्थ्य महकमे में इस बदलाव को लेकर चचाओं का दौर जारी है। साथ ही डॉ. जयसवाल पर लगे आरोपों का जांच अभी लंबित है जिसकी निष्पक्ष जांच की भी मांग अब तेज हो चुकी है।

कलेक्ट्रेट के सामने गांधी उद्यान को मूल स्वरूप में विकसित करने की मांग

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। शहर के मध्य स्थित कलेक्ट्रेट के सामने गांधी उद्यान (कला केंद्र) को उसके मूल स्वरूप में विकसित करने की मांग

को लेकर तरु-वीर समिति ने कलेक्टर सरगुजा को ज्ञापन सौंपा है। समिति ने उद्यान को शहरवासियों के लिए एक विकसित सार्वजनिक पार्क के रूप में पुनः स्थापित करने की मांग उठाई है। समिति के अध्यक्ष कैलाश मिश्रा द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया है कि शासकीय अभिलेखों के अनुसार प्लॉट नंबर ५०८, रकबा ५.६८ एकड़ भूमि गांधी उद्यान के नाम पर दर्ज है। यह भूमि नगर पालिका अंबिकापुर को वर्ष १९८९ में हस्तांतरित की गई थी, जिसका उद्देश्य इसे गांधी उद्यान के रूप में विकसित करना था।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि उक्त भूमि की लीज अवधि ३१ मार्च २०१८ को समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद नगर निगम द्वारा इस स्थान का उपयोग मूल उद्देश्य के अनुरूप नहीं किया जा रहा है। समिति का आरोप है कि उद्यान को विकसित करने के बजाय इसे प्रदर्शनी, मीना बाजार और सर्कस जैसे आयोजनों के लिए किराए पर दिया जा रहा है, जो भूमि हस्तांतरण की मंशा के विपरीत है। समिति ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहर में एक व्यवस्थित और हरित उद्यान की आवश्यकता है, जहां बच्चे खेल सकें, बुजुर्ग टहल सकें और आमजन मनोरंजन एवं विश्राम का लाभ ले सकें। वर्तमान में शहर के भीतर इस तरह के विकसित सार्वजनिक उद्यान की कमी महसूस की जा रही है। तरु-वीर समिति ने प्रशासन से मांग की है कि गांधी उद्यान को मूल स्वरूप में बहाल कर उसका समुचित विकास कराया जाए, ताकि यह शहरवासियों के लिए एक आदर्श सार्वजनिक स्थल बन सके।

समिति का कहना है कि यदि इस दिशा में जल्द सकारात्मक पहल नहीं की गई, तो शहर के नागरिकों के साथ मिलकर आगे जनआंदोलन भी किया जा सकता है।

स्व. मदनेश्वर शरण सिंहदेव की 25वीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

लोकसेवा, प्रशासनिक दक्षता और कृषि विकास में योगदान को किया गया याद

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
सरगुजा महाराज एवं अविभाजित मध्यप्रदेश के योजना आयोग के उपाध्यक्ष रहे स्वर्गीय मदनेश्वर शरण सिंहदेव की २५वीं पुण्यतिथि पर गुरुवार को राजीव भवन में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनके लोकसेवा, प्रशासनिक कार्यो और समाज के प्रति योगदान को याद किया गया।

श्रद्धांजलि सभा के बाद उपस्थित जनों ने बस स्टैंड स्थित स्व. महाराज साहब एवं राजमाता स्व. देवेंद्र कुमारी सिंहदेव की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके पश्चात माँ महामाया मंदिर में भंडारे का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया।

सभा में वक्ताओं ने कहा कि राजपरिवार के प्रमुख उत्तराधिकारी होने के बावजूद स्व. मदनेश्वर शरण सिंहदेव ने जनसेवा का मार्ग चुना और अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के माध्यम से समाज के लिए कार्य किया। वर्ष १९५४ में आईएएस अधिकारी के रूप में चयनित होने के बाद उन्होंने कलेक्टर से लेकर राज्य प्रशासन के सर्वोच्च पद मुख्य सचिव तक अपनी सेवाएं दीं।

अपने प्रशासनिक कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण योजनाओं को लागू करने में अहम भूमिका निभाई। भू-खातों के लिए ऋण पुस्तिका, भूमिहीन परिवारों को भूमि आवंटन जैसी योजनाएं उनके कार्यकाल की बड़ी उपलब्धियों में शामिल रहीं। इसके साथ ही मध्यप्रदेश को तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और सोयाबीन उत्पादन को बढ़ावा देने में उनका योगदान विशेष रूप से याद किया गया।वक्ताओं ने कहा कि मध्यप्रदेश को सोयाबीन उत्पादन में अग्रणी राज्य बनाने में उनकी दूरदर्शिता और योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनकी प्रशासनिक क्षमता और समाज के प्रति समर्पण आज भी प्रेरणास्रोत हैं। इस अवसर पर जेपी श्रीवास्तव, द्वितेंद्र मिश्रा, संजय विश्वकर्मा, मोहम्मद इस्लाम, इंद्रजीत सिंह धंजल, दुर्गेश गुप्ता, पापिन्दर सिंह, संजय सिंह, अनूप मेहता, जमील खान, लोकेश कुमार, जीवन यादव, नरेंद्र विश्वकर्मा, सोहन जायसवाल, सतीश बारी, निखिल विश्वकर्मा, रोशन कन्नौजिया, लखन मरावी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

तेज डायग्नोस्टिक / ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा,जोड़ा तालाब के सामने अम्बिकापुर
डॉ.अभिजीत कुमार कोहार
डॉ.गौरव त्रिपाठी
डॉ.रोशन वर्मा
डॉ.भाविक शाह
डॉ.नीरज प्रसाद
डॉ.करण सराफ
डॉ.प्रतीक धाबलिया
डॉ.विकाश गोयल
डॉ.जय गोयल
1.5 TESLA MRI
डॉक्टर्स हाउस @ सरगुजा
रानी तालाब के सामने, जिला अस्पताल रोड, प्रकाश हॉस्पिटल के बगल में अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.)
डॉ.देवान्श मिश्रा
28 जून 2026, माह के चौथे रविवार
अग्रिम पंजीयन हेतु संपर्क करें
07774222555,9425583780,9826183780,
8224007799,8718003300,6262639090
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जाँच की सुविधा उपलब्ध

◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल ¼MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY
(स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर,
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन
fo'k"k & RSBY & MSBY
(स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्धः-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के
विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे
शासकीय अस्पताल रोड, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
निः शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई | ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
सीटी स्कैन | ई.ई.जी, ई.सी.जी.
सोनोग्राफी | टीकाकरण की सुविधा
टी.एन.टी. | प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वस्थ्य सेवाएं
• जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल हृदय रोग
• सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
• 24X7 आपातकालीन सुविधा
• क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
• एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
• निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा
• 24X7 फार्मेसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More Information call us
+91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ
समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग : डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार
पता: माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक से
पुराना बस स्टैण्ड, बाबूपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 07774-222999, 8224007799, 98261

आयरन रिंग वाले दोहरे पिंजरे वाले ट्रैक्टरों के सड़कों पर उपयोग पर रोक

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा पारित आदेश के तारतम्य में परिवहन विभाग द्वारा बिना रबर टायर के दोहरे पिंजरे वाले (आयरन केजविल) ट्रैक्टरों के सड़कों पर उपयोग को तत्काल प्रतिबंधित करने हेतु निर्देश जारी किए गए हैं।ल जारी निर्देश के अनुसार ट्रैक्टर वाहन मुख्य रूप से खेतों में उपयोग के लिए बनाये गए हैं, किंतु कुछ क्षेत्रों में इनके नुकीले दोहरे पिंजरों वाले पहियों (आयरन रिंग) को हटाए बिना ही इन्हें सड़कों, सीमेंट की सड़कों एवं राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलाया जा रहा है, जिससे न केवल सड़क की सतह क्षतिग्रस्त हो रही है, बल्कि दुर्घटना की संभावना भी बढ़ जाती है। ऐसे वाहनों का सड़कों पर संचालन मोटर वाहन अधिनियम एवं नियमों के विरुद्ध है तथा यह उच्च न्यायालय में प्रस्तुत शपथ-पत्र का भी उल्लंघन है।परिवहन विभाग द्वारा समस्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों को इस प्रकार के ट्रैक्टरों के उपयोग को तत्काल प्रतिबंधित करने हेतु निर्देशित किया गया है। साथ ही जिला प्रशासन के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता अभियान चलाकर ऐसे वाहनों को मोटरयान नियमों से अवगत कराने, नियम उल्लंघन पर चालानी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्ट्रेट के सामने गांधी उद्यान को मूल स्वरूप में विकसित करने की मांग..पेज 11

कलेक्टर की पहल.....

थैलेसीमिया पीड़ित बालिका को मिला त्वरित उपचार, दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी हुआ जारी

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के समन्वित प्रयास से जिले के विकासखंड भैयाथान के ग्राम केनापारा स्थित बसोरपारा मे आयोजित शिविर के दौरान कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के समक्ष ०७ वर्षीय थैलेसीमिया पीड़ित बालिका कुमारी प्रिया, पिता देव कुमार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या रखी गई थी बालिका की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए तत्काल स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निदेर्शों के परिपालन में स्वास्थ्य विभाग ने तत्परता दिखाते हुए कुमारी प्रिया को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जिला अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में बालिका का उपचार किया गया तथा तक उसे आवश्यकता अनुसार दो यूनिट रक्त (ब्लड ट्रांसफ्यूजन) उपलब्ध कराया गया। साथ ही भविष्य में नियमित उपचार एवं निगरानी के लिए थैलेसीमिया कार्ड भी जारी किया गया वहीं सम्बंधित विभाग द्वारा आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण कर बालिका का दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी तैयार कर प्रदान किया गया।

कांग्रेस के आपातकाल रूपी काले अध्याय को कभी नहीं भूलेगा देश.... कमलभान

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा कांग्रेस शासन के दौरान लगाए गए आपातकाल के ५१ वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कमलभान सिंह पूर्व सांसद थे। उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि २५ जून १९७५ का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में काले अध्याय के रूप में दर्ज है, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सत्ता बचाने के लिए पूरे देश पर आपातकाल थोप दिया था। श्री सिंह ने कहा कि आपातकाल के दौरान देश के लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान की भावना तथा नागरिकों के मौलिक अधिकारों का खुलेआम हनन किया गया। विपक्षी नेताओं, सामाजिक कार्यकताओं, पत्रकारों और लोकतंत्र की आवाज उठाने वाले हजारों लोगों को जेलों में बंद कर दिया गया। प्रेस पर सेंसरशिप लगाकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने का प्रयास किया गया तथा देश में भय और दमन का वातावरण निर्मित किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आपातकाल के उन संघर्षो और बलिदानों को सदैव स्मरण रखती है, जिनकी बदौलत देश में लोकतंत्र की पुनर्स्थापना हुई। आज की युवा पीढ़ी को भी यह जानना आवश्यक है कि किस प्रकार कांग्रेस ने सत्ता के अहंकार में लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना को आघात पहुंचाया था। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान और राष्ट्रहित की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा देश को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।कमलभान सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। वहीं कांग्रेस आज भी अपने अतीत के उन कृत्यों पर आत्ममंथन करने के बजाय जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आपातकाल की घटनाएं केवल इतिहास का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए एक स्थायी चेतावनी भी हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष संत सिंह शशिकांत गर्ग जिला महामंत्री भाजपा,शैलेश अग्रवाल नगर पालिका उपाध्यक्ष ,प्रदीप द्विवेदी जिला सह मीडिया प्रभारी,दीपेंद्र चौहान नगर पंचायत उपाध्यक्ष,बल्लू गोयल पवन मिश्रा,पवन साहू सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर पंचायत के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष अंशुल गोयल का जगह-जगह हो रहा स्वागत,लड्डुओं से तौला

(अम्बिकावाणी समाचार)।
बिश्रामपुर। नगर पंचायत शिवनंदनपुर के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष अंशुल गोयल का विभिन्न स्थानों पर स्वागत कार्यक्रमों का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में शिवनंदनपुर बस्ती स्थित मिलन चौक में ग्रामीणों एवं कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान उन्हें लड्डुओं से तौलकर सम्मानित किया गया।
गौरतलब है कि नगर पंचायत चुनाव में उपमुख्यमंत्री सहित कई मंत्रियों के प्रचार के बावजूद भाजपा को १५ में से ७ वार्डो में ही सफलता मिली थी, जबकि कांग्रेस ने ८ वार्डो में जीत दर्ज की थी। अध्यक्ष पद पर भाजपा उम्मीदवार निर्वाचित हुआ, लेकिन उपाध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी का मत नाटकीय घटना क्रम में निरस्त हो जाने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी अंशुल गोयल ने जीत हासिल की। इसके बाद से क्षेत्र में उनका लगातार स्वागत किया जा रहा है।
मिलन चौक में आयोजित स्वागत समारोह से पहले गुरुद्वारा रोड स्थित कांग्रेस नेता शनि अग्रवाल के निवास पर भी अंशुल गोयल का सम्मान किया गया। इसके बाद रामाश्रय यादव के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं कांग्रेस कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। समारोह में उन्हें लड्डुओं से तौलकर अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर अंशुल गोयल ने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि नगर के समग्र विकास, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार तथा जनसमस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुभाष गोयल ने कहा कि यह सम्मान जनता के विश्वास और कांग्रेस कार्यकताओं की मेहनत का परिणाम है। वहीं मंडल अध्यक्ष चंदन सिंह ने कहा कि कांग्रेस नगर के विकास और जनहित के मुद्दों को लेकर हमेशा सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी।
कार्यक्रम में कांग्रेस नेता रमेश दनौदिया, पवन अग्रवाल, रामनारायण सिंह, पीयूष तिवारी, महिला नेत्री चंदा सिंह, पार्षद अहमद वाहिद, बिजेंद्र सिंह, संतोष जायसवाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

किसानों की आय बढ़ाने समन्वित प्रयास से कार्ययोजना करें तैयार

०० कलेक्टर ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य एवं उद्यानिकी विभागों की समीक्षा कर दिए निर्देश

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने विगत दिवस कृषि एवं संबद्ध विभागों की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले, पशुपालन, मत्स्य, उद्यानिकी, डीआरसीएस, सीसीबी नोडल अधिकारी तथा सहकारी समितियों के प्रबंधक उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर ने पशुपालक किसानों को पशुओं के चारे एवं फीडिंग के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराने, उद्यानिकी फसलों तथा मत्स्य पालन के लिए भी केसीसी के तहत ऋण वितरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने समितिवार केसीसी ऋण वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का कारण जाना और बिना उचित कारण आवेदन लंबित रखने पर संबंधितों के विरुद्ध आवश्यकतानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि उद्यानिकी फसल लेने वाले किसान यदि पूर्व में ली गई फसल के स्थान पर दूसरी फसल के लिए ऋण आवेदन करते हैं तो उन्हें केसीसी ऋण का लाभ प्रदान किया जाए। धान खरीदी के लिए एग्रीस्टैक पंजीयन को आवश्यक बताते हुए कलेक्टर ने पात्र किसानों का शीघ्र पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान वर्तमान खरीफ सीजन को देखते हुए समितिवार बीज भंडारण एवं खाद-बीज वितरण की भी जानकारी ली गई। मत्स्य विभाग की समीक्षा के दौरान प्रतापपुर के खोरम में निमार्णाधीन मत्स्य प्रक्षेत्र की प्रगति की जानकारी ली गई। जिले में झींगा एवं सजावटी मछली उत्पादन, अमृत सरोवरों तथा मनरेगा डबरियों में मत्स्य उत्पादन की संभावनाओं, सक्रिय एवं निष्क्रिय तालाबों की स्थिति तथा जिले की कुल मत्स्य उत्पादन क्षमता पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर ने मत्स्य पालन को पशुपालन एवं उद्यानिकी गतिविधियों के साथ जोड़कर एकीकृत आजीविका मॉडल विकसित करने की संभावनाएं तलाशने तथा कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने मछली पालन के साथ बतख पालन को बढ़ावा देने, जिले में मत्स्य उत्पादन क्षमता के विकास तथा केज कल्चर के विस्तार के लिए उपयुक्त स्थलों की पहचान करने के निर्देश दिए। पशुधन विकास विभाग की समीक्षा के दौरान पशु स्वास्थ्य सेवाओं, पशु चिकित्सालयों, कृत्रिम गभाधान केंद्रों, उपकेंद्रों, पशु औषधालयों, नस्ल सुधार कार्यक्रमों तथा टीकाकरण की स्थिति की जानकारी ली गई।

इसके साथ ही पशुओं के लिए हरे चारे के उत्पादन, उन्नत नस्ल की बकरी पालन, पॉल्ट्री, सूकर, बतख पालन एवं डेयरी उत्पादन की प्रगति की भी समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उद्यानिकी विभाग की समीक्षा में उद्यानिकी फसलों, शहद, सब्जी एवं मसाला फसलों के उत्पादन पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने मत्स्य तालाबों की मेड़ों पर पौधारोपण को बढ़ावा देने, स्व-सहायता समूहों को फूल उत्पादन से जोड़ने तथा अदरक, हल्दी, धनिया और मिर्च जैसी मसाला फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में समन्वित प्रयासों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने और जिले की उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिए सभी विभागों को प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

4 माह से बंद पड़ा सोलर पंप,पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीण

०० बच्चों को पीने के लिए करना पड़ रहा भटकना

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले की ग्राम पंचायत अवंतिकापुर के गौटीयापारा स्कूल प्रांगण में लगा सोलर डुअल पंप पिछले ४ माह से पूरी तरह ठप पड़ा है। बोर में अज्ञात लोगों द्वारा जानबूझकर पत्थर डाल दिए जाने से पेयजल आपूर्ति बंद हो गई है, जिससे ५०० से अधिक ग्रामीणों के सामने पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। आवेदन में बताया गया कि स्कूल प्रांगण में स्थापित सोलर पंप से ही आंगनवाड़ी, पंचायत भवन और राशन दुकान को पानी मिलता था। लेकिन कुछ लोगों ने बोर में पत्थर डाल दिए, जिसके बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कर्मचारियों ने मशीन से पत्थर निकालने की कोशिश की। घंटों की मशक्कत के बाद भी पत्थर गहराई में फंस जाने के कारण पंप शुरू नहीं हो सका। पंप बंद होने से सबसे ज्यादा परेशानी स्कूल के बच्चों और आंगनवाड़ी के छोटे बच्चों को हो रही है। गर्मी और बरसात के मौसम में भी उन्हें पीने का पानी दूर-दराज के हैंडपंप और कुओं से लाना पड़ रहा है। महिलाएं घर का काम छोड़कर पानी की जुगाड़ में लगी रहती हैं। पंचायत भवन और राशन दुकान में भी पानी न होने से सरकारी काम प्रभावित हो रहा है। ग्राम पंचायत अवंतिकापुर के सरपंच और उपसरपंच ने आवेदन में लिखा है कि क्क।श्व विभाग की रिपोर्ट के अनुसार पुराना बोर अब उपयोग लायक नहीं बचा है। ऐसे में जनहित को देखते हुए उसी स्थान पर तत्काल नया बोर खन कराकर सोलर डुअल पंप स्थापित कराया जाए, ताकि ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को शुद्ध पेयजल मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि ४ माह बीत जाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। बार-बार शिकायत करने पर भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।इस संबंध में संपर्क करने पर ग्राम पंचायत के उपसरपंच ने बताया, "बच्चे स्कूल में प्यासे बैठे रहते हैं। आंगनवाड़ी में खाना नहीं बन पा रहा। प्रशासन से कई बार गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन मिला है।

दिल्ली की 450 व्यावसायिक इमारतों में अग्नि सुरक्षा संबंधी खामियां, नोटिस जारी

नईदिल्ली,25 जून(ए)। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित बेड एंड ब्रेकफास्ट में आग लगने के बाद प्रशासनिक अमला हरकत में आया है। यहां की 450 व्यावसायिक इमारतों में अग्नि सुरक्षा संबंधी खामियां पाई गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में होटल, रेस्तरां, बैंक्वेट हॉल, गेस्ट हाउस, अस्पताल और नर्सिंग होम समेत 450 व्यावसायिक इमारतों ने अनिवार्य अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) नहीं लिया है। इनको भवन उपनियमों का उल्लंघन करने के लिए दिल्ली अग्निशमन विभाग द्वारा नोटिस जारी की गई है।
रिपोर्ट के मुताबिक, 3 जून को होटल में लगी भीषण आग के बाद दिल्ली सरकार ने 13 जिला-स्तरीय समितियां और 39 सब-डिविजन स्तरीय समितियां बनाई गई थी, जिसने सर्वे कर इन इमारतों की पहचान की थी। समितियों को शहर में 6 मंजिला (ग्राउंड फ्लोर और 5 मंजिल) या उससे ज्यादा ऊंची सभी इमारतों का निरीक्षण करने का काम सौंपा गया था, ताकि पता चले कि वे अग्नि सुरक्षा नियमों और बिल्डिंग नियमों का पालन कर रही हैं या नहीं।
रिपोर्ट के मुताबिक, संबंधित विभागों ने सभी 450 प्रतिष्ठानों को नोटिस भेजे हैं। दमकल विभाग ने इन इमारतों के मालिकों या संचालकों से ढांचा लेआउट प्लान भी मांगे हैं। अगर दमकल विभाग को पता चलता है कि मौजूदा लेआउट फायर एनओसी लेने के लिए पहले जमा किए गए प्लान से मेल नहीं खाता है, तो सर्टिफिकेट रद्द किया जा सकता है। नया एनओसी इमारत द्वारा सभी तय नियम पालन करने के बाद जारी किया जाएगा।

जिला कार्यालय में हेल्प डेस्क स्थापित, नागरिकों को मिलेगी सहज एवं त्वरित सहायता

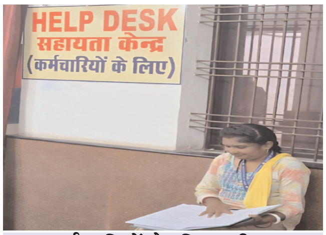

०० कर्मचारियों के लिए भी बनाया गया पृथक हेल्प डेस्क

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निदेर्शानुसार शासकीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी एवं जनसुलभ बनाने की दिशा में संयुक्त जिला कार्यालय सूरजपुर में हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जिला कार्यालय में विभिन्न कार्यो एवं सेवाओं के लिए पहुंचने वाले आम नागरिकों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता उपलब्ध कराना है।स्थापित हेल्प डेस्क के माध्यम से आगंतुकों को कार्यालयीन समय में संबंधित विभागों, कार्यालयीन प्रक्रियाओं तथा आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े तथा उनके कार्य सुगमता एवं समयबद्ध रूप से संपादित हो सकें। यह व्यवस्था नागरिकों एवं प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में भी सहायक सिद्ध होगी।इसके साथ ही कार्यालयीन कार्यो को अधिक सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कर्मचारियों के लिए पृथक हेल्प डेस्क की व्यवस्था भी की गई है। इस व्यवस्था के माध्यम से विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी आवश्यक प्रशासनिक मार्गदर्शन एवं समन्वय प्राप्त कर अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक दक्षता के साथ कर सकेंगे, जिससे संपूर्ण कार्यालयीन व्यवस्था और अधिक सशक्त एवं जवाबदेह बन सकेगी।

जिला जेल का निरीक्षण कर बंदियों की सुनीं समस्याएं

०० जेल विजिटर्स बोर्ड ने किया जिला जेल का सघन निरीक्षण

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने तथा बंदियों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती विनीता वार्नर की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट जेल विजिटर्स बोर्ड ने जिला जेल का सघन एवं व्यापक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जेल में बंद कैदियों की वर्तमान स्थिति, उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की गुणवत्ता तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से प्रदान की जा रही सेवाओं की समीक्षा करना था।निरीक्षण के दौरान बोर्ड के सदस्यों ने जेल परिसर के विभिन्न हिस्सों का बारीकी से मुआयना किया, जिसमें कैदियों के बैरक, रसोईघर, स्वास्थ्य केन्द्र एवं अन्य सामान्य उपयोग के क्षेत्रों का विस्तृत अवलोकन शामिल रहा। अधिकारियों ने कैदियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना तथा उनकी दैनिक दिनचर्या से संबंधित जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण दल ने जेल में स्वच्छता की स्थिति, भोजन की गुणवत्ता एवं पोषण मानकों, दवाओं तथा चिकित्सकों की उपलब्धता सहित चिकित्सा सुविधाओं, कैदियों के लिए शिक्षा कार्यक्रमों एवं खेल-कूद जैसी मूलभूत सुविधाओं का गहनता से मूल्यांकन किया। इसके साथ ही जेल लीगल एड क्लीनिक की कार्यप्रणाली की भी जाँच की गई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कैदियों को कानूनी सलाह सहजता से उपलब्ध हो रही है। जेल निरीक्षण के उपरांत जिला न्यायालय में आयोजित अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी की समीक्षा बैठक में समस्त जिला अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश ने जेल अधीक्षक को स्पष्ट निर्देश दिए कि कैदियों को प्रदान की जाने वाली समस्त मौलिक सुविधाएं, जिनमें स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन एवं नियमित चिकित्सा जाँच सम्मिलित है, बिना किसी व्यवधान के सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने जिला न्यायालय हेतु आबंटित भूमि, नवीन भवन के नक्शे तथा न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए निमार्णाधीन भवनों की प्रगति पर चर्चा करते हुए कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने सभी बैरकों में बंदियों से सीधे संवाद करते हुए शिक्षा पर विशेष जोर दिया तथा यह जानकारी ली कि जेल में आने से किसी बंदी की शिक्षा अधूरी तो नहीं रह गई अथवा कोई आगे अध्ययन करना चाहता है। निरीक्षण के दौरान जेल में पेयजल आपूर्ति की समस्या सामने आने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र पानी की आपूर्ति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में उपस्थित सिविल सर्जन डॉ. अजय मरकाम को निर्देशित किया कि जेल में सप्ताह में दो दिवस मनोचिकित्सक की ड्यूटी सुनिश्चित की जाए। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एफ.टी.सी.) आनंद प्रकाश वारियाल ने बंदियों से बातचीत करते हुए उन्हें जमानत, अधिवक्ता परिवर्तन तथा अपने प्रकरण की स्थिति जानने से संबंधित अधिकारों की जानकारी प्रदान की। उन्होंने बंदियों को प्रेरित किया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वे जेल अधीक्षक अथवा प्राधिकरण की ओर से निरीक्षण हेतु आने वाले लीगल एड अधिवक्ताओं को बिना किसी भय के अपनी बात बताएं। निरीक्षण में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एफ.टी.सी.) आनंद प्रकाश वारियाल, कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुश्री पायल टोपनो, जेल अधीक्षक, जेल में नियुक्त चिकित्सक डॉ. एल.के. भोई, कार्यपालन अभियंता पीडब्ल्यूडी सहित जेल के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। यह संयुक्त निरीक्षण कैदियों के कल्याण एवं न्याय तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

सीजेपी का जंतर-मंतर पर छठा दिन भी प्रदर्शन जारी, देशभर से मिल रहा समर्थन

नई दिल्ली,25 जून(ए)।जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले चल रहे धरने का गुरुवार को छठा दिन है. शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर शुरू हुए इस आंदोलन में देश के अलग-अलग राज्यों से छात्र, युवा, अभिभावक और आम नागरिक पहुंच रहे हैं. प्रदर्शनकारी शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं.

धरना स्थल पर दिनभर छात्र और युवा ने अपने विचार रख रहे हैं. प्रदर्शन में शामिल लोगों का कहना है कि हाल के वर्षो में विभिन्न परीक्षाओं को लेकर सामने आए विवादों ने छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ाई है. छात्रों के भविष्य को देखते हुए शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही तय की जानी चाहिए.